नई दिल्ली

रविवार, 15 जून 2025

आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष, चतुर्थी वर्ष : 29, अंक : 61

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 41.0

न्यून. 32.0

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हैप्पी फादर्स-डे

haribhoomi.com

WE TEACH OUR PROBLEM SOLVERS HOW TO ADAPT TO NEW SITUATIONS.

Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

That's why we have so many rankers this year too.

NEET 2025 format was not just different, it was tough too. But be it new formats or new challenges, Aakashians have proven yet again, that when you learn the skill of problem solving you can ace any test.

OUR NATIONAL TOPPERS 2025

- HARYANA TOPPER — AIR 11 Arsh Gandhi, 2 Year Classroom, 674/720
- WEST BENGAL TOPPER — AIR 16 Rachit S Chaudhuri, 2 Year Classroom, 670/720
- AIR 20 Rupayan Pal, 1 Year Classroom, 666/720
- AIR 23 Gourav Yadav, 3 Year Classroom, 665/720
- AIR 25 Abhijeet Kulhari, 1 Year Classroom, 665/720
- AIR 29 Tanisha, 3 Year Classroom, 663/720
- AIR 35 Kavish, 1 Year Classroom, 661/720
- UTTAR PRADESH TOPPER — AIR 36 Muktesh Tanmay, 2 Year Classroom, 661/720
- AIR 39 Raunaq Arora, 2 Year Classroom, 660/720
- AIR 44 Anant Chaurasia, 4 Year Classroom, 656/720
- AIR 53 Ayush Gautam, 4 Year Classroom, 655/720
- AIR 65 Aditya Dukare, 1 Year Classroom, 652/720
- UTTARAKHAND TOPPER — AIR 69 Saransh Mittal, 2 Year Classroom, 652/720
- AIR 74 Tanmay Jagga, 2 Year Classroom, 650/720
- AIR 77 Armaan Bery, 3 Year Classroom, 650/720
- AIR 82 Mohit Bharti, 4 Year Classroom, 649/720
- AIR 83 Pallav Prasoon, 4 Year Classroom, 649/720
- AIR 85 Ishmit Kaur, 1 Year Classroom, 648/720
- AIR 89 Janav Bansal, 4 Year Classroom, 647/720
- AIR 90 Harsh Angira, 4 Year Classroom, 647/720

& many more...

Though every care has been taken to publish the result, yet Aakash Educational Services Ltd. shall not be responsible for inadvertent error, if any.

TO EVERY Aakash TEACHER — THANK YOU FOR BEING OUR STUDENTS' PROBLEM-SOLVERS, MENTORS, AND UNWAVERING SUPPORT.

ADMISSIONS OPEN
Repeater / Dropper Batches
(XII Passed Batches)
NEET / JEE 2026

Get Up to 90% Scholarship**

Appear for instant Admission cum Scholarship Test (iACST). Register for FREE
Visit: iacst.aakash.ac.in
Hurry! Batches Filling Fast

SCAN TO APPLY

**Terms & Conditions apply. The maximum iACST scholarship for the Regular Classroom Course (RCC) is up to 90%. However, this scholarship is limited to a maximum of 60% for the NEET repeater courses.

CLASS 12th — Studying Students — 1 Year Integrated courses for NEET / JEE

CLASS 11th — Studying Students — 2 Year Integrated courses for NEET / JEE

CLASS 8th-10th — Studying Students — Integrated courses for School Boards / Olympiads

Call Your Nearest Branch: **Janakpuri (Med. Wing):** 8800013110, 9266429406 **Janakpuri (Engg. & Fdn. Wing):** 8800013017 **South Ex (Med. Wing):** 8800013111 **South Ex (Engg. Wing):** 8800015936 **South Ex (Fdn. Wing):** 8800013018 **Bahadurgarh:** 8800901820, 7303251739 **Bhiwadi:** 9319285183 **Bulandshahr:** 9350497647 **Dilshad Garden:** 9560796111, 9560839222 **Dwarka:** 8800013019 **East Patel Nagar:** 8800922325, 9220447981 **Faridabad:** 8800013022 **NIT Faridabad:** 8800729482, 9717222114 **Ghaziabad:** 9220878111 **Ghaziabad (Vasundhara):** 9971412888, 9871309222 **Greater Noida:** 8800013024 **Greater Noida West:** 8800187908 **Gurugram (Sec.-14):** 8800840109, 9958064196 **Gurugram (Sector-49):** 8800845034, 9289514345 **Gurugram (Sector-84):** 7836821878, 9220719538 **Jasola Vihar:** 8800189035, 9599187524 **Model Town:** 8800522353, 9560197324 **Najafgarh:** 9311992032, 9289818738 **Noida (Sector-18):** 8800013020 **Noida (Sector-62):** 8800013021 **Palwal:** 8800013038 **Preet Vihar:** 8800909325 **Punjabi Bagh:** 8800901554 **Pitampura (Med. Wing):** 8800473922 **Pitampura (Engg. Wing):** 8800473922 **Rohini:** 8800945728, 9289647512 **Vasant Kunj:** 8800185967

SCAN FOR NEAREST BRANCH

CALL (TOLL-FREE): 1800-102-2727

VISIT: aakash.ac.in

Scan to Download Aakash App

Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

किशनगढ़ थाने के एसएचओ लाइन हाजिर, तीन निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

■ थाने से करोड़ों की हेरोइन गायब होने पर गिरी गाज

दक्षिण पश्चिम जिले के किशनगढ़ थाने से लगभग ढाई करोड़ की हेरोइन गायब होने पर एसएचओ को लाइन हाजिर और तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। इसके अलावा विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। दरअसल मुनिरका में हुई हत्या की जांच के दौरान मृतक के कमरे से हेरोइन बरामद हुई थी। मृतक प्रकाश ड्रग्स तस्करी के धंधे में शामिल था। हेरोइन को इलाके के बीट अफसरों को सौंपा गया था।

गौरतलब है कि किशनगढ़ थानाक्षेत्र के मुनिरका में नौ जून की रात को नेपाली युवक प्रकाश की हत्या कर दी गई थी। उसके साथी ने ही चाकू व कैंची से वार करके हत्या की थी। इस मामले की जांच थाना प्रभारी श्रीनिवास राजोरा ने इंस्पेक्टर जगजीवन राम को सौंपी थी।

इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया था। क्राइम सीन से बरामद हेरोइन को किशनगढ़ थाने के बीट अफसरों को दिया गया था। मामले की जांच कर रहे इंस्पेक्टर जगजीवन ने जब हेरोइन के बारे में पड़ताल की तो ना ही एसएचओ और ना ही बीट अफसरों ने संतोषजनक जवाब दिया। इसके बाद उन्होंने एसीपी सफदरजंग एंक्लेव को जानकारी दी जिसके बाद मामला डीसीपी के संज्ञान में आया। करीब ढाई करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन संदिग्ध परिस्थितियों में गायब होने पर अफसरों के हाथ पांव फूल गये। गुरुवार को थाना प्रभारी को लाइन हाजिर करने के साथ ही तीन अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

एक नेपाली नागरिक सहित दो गिरफ्तार

कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तरी जिले की साइबर टीम ने लोगों को महंगे उपहार भेजने तथा कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर ठगी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक नेपाली नागरिक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाली नागरिक ने धोखाधड़ी के उद्देश्य से कुछ अफ्रीकी नागरिकों को बैंक खाते उपलब्ध कराए थे। एक विधवा महिला से भी इन्होंने 1.10 लाख रुपये ठगे थे।

पुलिस के अनुसार बुराड़ी निवासी शिकायतकर्ता ने एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत ट्रांसफर होकर साइबर, उत्तरी जिले में पहुंची। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया था कि उसे एक अज्ञात व्यक्ति से फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट प्राप्त हुई थी। उसने खुद को यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) से बताया था। इसके बाद उसने चैट करना शुरू कर दिया और वे दोस्त बन गए। जालसाज ने अंतरराष्ट्रीय नंबर का उपयोग करके व्हाट्सएप के माध्यम से व्यक्तिगत बातचीत शुरू की और शिकायतकर्ता को उसके जन्मदिन के अवसर पर महंगे उपहार भेजने का लालच दिया। जालसाज ने बताया कि उसने उसे जन्मदिन का उपहार भेजा है, लेकिन उसे कस्टम विभाग ने जब्त कर लिया। उपहारों को छोड़ने के लिए उसने 1.10 लाख रुपये की मांग की। फिर शिकायतकर्ता ने जालसाज द्वारा दिए गए बैंक खाते में पैसे भेज दिए। जब उसे कोई उपहार नहीं मिला, तो उसे ठगा हुआ महसूस हुआ। तकनीकी निगरानी और मैनुअल इंटेलिजेंस के जरिये खाताधारक के संभावित ठिकानों सीतापुरी, डाबरी, उत्तम नगर और वसंत कुंज में छापेमारी की गई। आखिर में खाताधारक की पहचान असलम के रूप में हुई। उसे सीतापुरी डाबड़ी से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी असलम ने खुलासा किया कि उसने एक नेपाली नागरिक के निर्देश पर यह खाता खोला था। उसे 5,000 रुपये में यह बैंक खाता बेचा था। वह कुछ अफ्रीकी नागरिकों को इसी प्रकार के खाते उपलब्ध कराता था। इसकी निशानदेही पर वसंत कुंज इलाके से संतोष राणा एक नेपाली नागरिक को भी पकड़ा गया।

हिट एंड रन केस का आरोपी कार चालक किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में 'हिट-एंड-रन' मामले में 51 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस घटना में शामिल कार को भी जब्त किया गया है। यह घटना सात जून की देर रात तब हुई जब आशीष कुमार नामक 27 वर्षीय व्यक्ति की शिव मूर्ति क्षेत्र के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-8 पर दोपहिया वाहन चलाते समय एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई थी।

डीसीपी दक्षिण-पश्चिम जिला अमित गोयल के अनुसार सात जून की रात करीब 10 बजे एक पीसीआर कॉल की गयी थी, जिसमें एक अज्ञात वाहन से दुर्घटना की सूचना दी गई। घायल को पहले गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल ले जाया गया और बाद में सफदरजंग। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत वसंत कुंज दक्षिण थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। डीसीपी ने बताया कि दुर्घटना स्थल पर सीसीटीवी कैमरों की कमी और क्षेत्र में भारी यातायात के बावजूद पुलिस ने शिव मूर्ति के पास एनएच-8 से गुरुग्राम में इफको चौक तक 25 किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करते हुए 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस दौरान करीब 20 वाहनों को चिन्हित किया गया और इफको चौक पर लगे सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि वह दुर्घटना में शामिल वाहन एसयूवी कार है। कार एस. मजूमदार नामक महिला के नाम पर पंजीकृत थी, जिसे मोटर वाहन अधिनियम की धारा 133 के तहत नोटिस जारी किया गया। अपने जवाब में मजूमदार ने खुलासा किया कि दुर्घटना के समय उनका चालक बी. जिनेंद्र जैन (51) गाड़ी चला रहा था। जैन को बाद में दिल्ली के जसोला इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया और ट्राइबर कार को जब्त कर लिया गया है।

■ बाइक सवार को टक्कर मार हुआ था फरार

ट्रांसपोर्टरों से वसूली करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की एजीएस टीम ने जबरन वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ट्रांसपोर्टरों और पशु व्यापारियों से जबरन वसूली करते थे। इनके पास से तीन सिंगल शॉट पिस्तौल बरामद किये गये। इसके अलावा दो कारें, एक स्विफ्ट, एक ब्रेजा और एक स्कूटी भी जब्त की गई है। पकड़े गये बदमाशों के नाम रविंदर शर्मा, पवन कुमार और मुस्ताक अली है। सबसे पहले काकरोला नाला रोड से आरोपी रविंदर कुमार को एक स्विफ्ट कार में रोका गया। इसके पास से एक अवैध हथियार सिंगल शॉट पिस्तौल और एक जिंदा राउंड बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान इसने खुलासा किया कि उसके गिरोह का सरगना पवन ट्रांसपोर्टरों और पशु व्यापारियों से पैसे ऐंठने के लिए गिरोह के सदस्यों को हथियार उपलब्ध कराता है। रविंदर द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर गिरोह के सरगना पवन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से भी एक लोडेड सिंगल शॉट पिस्तौल बरामद की गई। पवन ने खुलासा किया कि उसने अपने सिंडिकेट में आठ से अधिक व्यक्तियों की भर्ती की थी। इन सदस्यों को विभिन्न मार्गों पर ट्रांसपोर्टरों और पशु व्यापारियों की पहचान करने और उन्हें रोकने का काम सौंपा गया था। उसने आगे खुलासा किया कि पशु व्यापारियों से अक्सर पेटीएम के जरिए ऑनलाइन भुगतान के जरिए जबरन वसूली की जाती थी। यह गिरोह एसपीसीए (पशु क्रूरता निवारण समिति) की संलिप्तता के बहाने कार्रवाई की धमकी देकर पीड़ितों को डराता था। आरोपी पवन की निशानदेही पर मेवात से हथियारों की खेप खरीदने वाले मुस्ताक को एक कार में रोका गया और उसके कब्जे से भी एक लोडेड सिंगल शॉट पिस्तौल बरामद की गई।

वाहन चोरी के धंधे में शामिल सरगना बेटे और दामाद के साथ पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

द्वारका जिले की एएटीएस ने एक अंतरराज्यीय ऑटो लिफ्टिंग सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें गिरोह सरगना, उसका बेटा और दामाद शामिल है। इस गिरोह में सिर्फ परिवार और रिश्तेदार ही भर्ती हो सकते थे। गिरोह ने कुछ महीनों के अंतराल में दो दर्जन से अधिक चार पहिया वाहन चुराए हैं। पकड़े गये लोगों के नाम सरगना रमन उर्फ राकेश, उसका बेटा सागर और दामाद नीरज हैं। इनके पास से मारुति ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर और वैगन आर कारों समेत बड़ी संख्या में औजार बरामद हुये हैं। यह गिरोह सुरक्षा अलार्म तक निष्क्रिय करने में सफल था। करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद इनके बारे में सुराग हाथ लगा था। आरोपी व्यक्ति ज्यादातर अल सुबह वारदात को अंजाम देते थे। इनके निशाने पर मुख्य रूप से पार्कों और जिम के पास खड़ी गाड़ियां होती थी। आरोपी लक्षित कार को खोलने और चालू करने में मुश्किल से 5-7 मिनट लगते थे। आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने हुंडई क्रेटा, टोयोटा फॉर्च्यूनर और मारुति सुजुकी ब्रेजा सहित बड़ी संख्या में लग्जरी कारें चुराई हैं। उन्होंने इन कारों को मेरठ में बैठे रिसीवर्स को बेचा। इस गिरोह द्वारा पिछले 10 महीनों में लगभग 20-25 कारों को चुराने का अनुमान लगाया गया है। वे मुख्य रूप से क्रेटा, फॉर्च्यूनर और ब्रेजा को निशाना बनाते थे।

दुकान पर धावा बोलकर लाखों लूटे

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

■ आधा दर्जन लोगों ने दिया वारदात को अंजाम

बाहरी जिले की मंगोलपुरी डीडीए मार्केट स्थित एक कॉस्मेटिक्स शाप में शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे 5-6 बदमाशों ने धावा बोल दिया। इस दौरान न सिर्फ दुकानदार से मारपीट की गई बल्कि चाकू की नोंक पर लाखों की लूट को भी अंजाम दिया गया। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गये। पीड़ित दुकानदार के बेटे ने एक से डेढ़ लाख रुपये लूटे जाने का दावा किया है। वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार यह सनसनीखेज वारदात मंगोलपुरी एम ब्लॉक स्थित डीडीए मार्केट में हुई। पीड़ित दुकानदार के बेटे साहिल ने बताया कि शाम साढ़े सात बजे उसके पिता अपनी कॉस्मेटिक्स शाप पर बैठे थे। इसी दौरान चाकू लहराते हुए 5-6 युवक दुकान के अंदर घुसे और उनमें से एक ने उनके पिता के मुंह पर मुक्का मारा और पेट पर चाकू लगा दिया। एक बदमाश ने गल्ले से सारी नकदी समेट ली और पैदल ही मार्केट के बीच से भाग गए। सभी बदमाशों ने मुंह ढका हुआ था। पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने डीवीआर को अपने कब्जे में लिया है।

दिल्ली चुनाव में कांग्रेस को 44 करोड़ का चंदा किसने दिया : ढांडा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के बीच मिलीभगत थी, इस बात का संकेत चुनाव आयोग द्वारा जारी पार्टियों को मिले चंदे के आंकड़े दे रहे हैं। ढांडा ने कहा कि कांग्रेस को 44 करोड़ रुपए कैश में चंदा मिला था। जबकि उसका कोई अस्तित्व नहीं था और ना सर्वे में ही कोई सीट जीत रही थी। फिर भी उसे 44 करोड़ रुपए कैश किसने दिया? मुख्य मुकाबला 'आप' और भाजपा में था, तब भी 'आप' को कैश में मात्र 2 हजार मिला और भाजपा को एक भी रुपए भी नहीं मिला।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा लगाए गए 250 से अधिक कैंपों में हजारों विद्यार्थियों ने गुरमत शिक्षा ली

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का दावा है कि इस बार बार गर्मियों की छुट्टियों में एनसीआर दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में लगाए गए 250 से अधिक गुरमत कैंपों में 20 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों ने गुरमत शिक्षा प्राप्त की है। यह जानकारी गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में भाई लखी शाह बणजारा हॉल में दो दिवसीय समापन समारोह के पहले दिन शनिवार को दी गई। इस मौके पर कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन जसप्रीत सिंह करमसर सहित अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर दी गई जानकारी अनुसार कमेटी द्वारा लगाए गए कैंपों में विद्यार्थियों को गुरु इतिहास और गुरबाणी से जोड़ा जाता है, क्योंकि बच्चे इस उम्र में गुरबाणी से जुड़ जाते हैं तो वे जीवन भर उससे जुड़े रहते हैं। कमेटी अध्यक्ष के अनुसार इन कैंपों की शुरुआत की गई थी, तो योजना थी कि दिल्ली के सभी 46 वार्डों में एक-एक कैंप लगाया जाए, लेकिन उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आज ये कैंप केवल एनसीआर दिल्ली में ही नहीं, बल्कि उड़ीसा, कटक, मध्य प्रदेश, पानीपत, मुंबई, बरेली, रुद्रपुर, हल्द्वानी, बहराइच, हरिद्वार, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, बिजनौर, अलीगढ़, आगरा और कानपुर में भी लगाए गए हैं।

ब्रह्माकुमारी विश्व एकता व विश्वास विकास परियोजना का आज नेशनल मीडिया शुभारंभ

नई दिल्ली। आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने मेडिटेशन द्वारा विश्व एकता व विश्वास विकास परियोजना का राष्ट्रीय मीडिया आयोजन शुरू किया। कार्यक्रम का आयोजन सिरी फोर्ट इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित राजयोग शिक्षा केंद्र पर किया गया। संस्था ने बताया कि श्रमजीवी पत्रकार व मीडिया कर्मियों के लिए आध्यात्मिकता से मन की शांति, भ्रम से स्पष्टता विषय पर आयोजित एक अनुभवात्मक कार्यशाला के साथ ही इस परियोजना का मीडिया शुभारंभ हुआ है। इस अवसर पर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल, राजयोगिनी बीके चक्रधारी दीदी, संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता व मीडिया संयोजक बी के सुशांत, बी के रमा, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी, दिल्ली क्षेत्र मीडिया संयोजक ब्रह्माकुमारी सुनीता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साजेब**, **पुत्रः** दिलनाबाद, **पताः** मकान नं. 657, गली नं. 26, ज़ाफराबाद, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 405/2020 U/s 323/341/34 IPC, थानाः ज़ाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साजेब** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साजेब** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 405/2020 U/s 323/341/34 IPC, थानाः ज़ाफराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **साजेब** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आयुषी सक्सेना
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–05
कमरा नं. 07, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7575/NE/2025
(Court Matter)

यमुना को निर्मल, दिल्ली को साफ-सुथरा व हरित बनाना हमारी प्राथमिकता

दीवारों को बदरंग होने से बचाने के लिए जारी करेंगे सख्त आदेश : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली की दीवारों को बदरंग होने से बचाने के लिए दिल्ली सरकार एक सख्त आदेश जारी करने वाली है। इस बात की जानकारी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय में 'लैंडस्केपिंग के मूल सिद्धांत' नाम पुस्तक के विमोचन के अवसर पर दी। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि वह राजधानी को सही मायनों में दिलवालों की दिल्ली बनाना चाहती हैं, जिसमें दिल्ली साफ-सुथरी हो, यमुना स्वच्छ व निर्मल हो और दिल्ली हरी-भरी नजर आए। इसके लिए जरूरी है कि कुछ विशेष कदम उठाए जाएं। हम चाहते हैं कि दिल्ली की दीवारें पेंटिंग आदि से गंदी न हो। उस पर पोस्टर न चिपके। हम इसकी इजाजत नहीं दे सकते। इसको लेकर हम जल्द ही सख्त आदेश जारी करेंगे। उन्होंने दिल्लीवालों से अपील की कि वे दिल्ली को साफ-सुथरा बनाने में पूरा योगदान दें। इस कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, पुस्तक के लेखक अजय कुमार कौशिक, दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर रोबिन हिब्बू व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए सभी को मिल-जुलकर प्रयास करने होंगे

कार्यक्रम में दिल्ली को स्वच्छ बनाने को लेकर मुख्यमंत्री ने अपने दिल के विचार व्यक्त किए और कहा कि शहर सरकार का नहीं होता, वह समाज और लोगों का होता है। सरकार किसी भी शहर को लोगों की भागीदारी के बिना स्वच्छ नहीं बना सकती। सबके मन में यह भाव है कि यमुना मैया स्वच्छ दिखे, दिल्ली हरी-भरी नजर आए और साफ-सुथरी भी दिखे। उनकी इच्छा है कि दिल्ली वाकई दिलवालों की दिल्ली बने। इसके लिए सभी को मिल-जुलकर प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असली देशभक्ति भी यही है। देश के वीर सैनिक बॉर्डर पर देश की रक्षा करते हैं। हमें भी देशभक्त बनकर अपनी मातृभूमि को बेहतर बनाने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को इस मुहिम से जुड़ना होगा, तभी शहर साफ-सुथरा व हरित बनेगा।

पिछली सरकारों ने दिल्ली को कभी भी सुंदर बनाने की मुहिम नहीं शुरू की

मुख्यमंत्री ने इस बात पर दुख जताया कि पिछली सरकारों ने दिल्ली को कभी भी सुंदर बनाने की मुहिम शुरू नहीं की। उनकी कोशिश ही नहीं थी कि दिल्ली साफ-सुथरी नजर आए। पिछली सरकारों ने दिल्ली का खजाना तो खूब झाड़ा लेकिन उसकी धूल नहीं झाड़ी। हम पूरी दिल्ली को खूबसूरत बनाएंगे। हम यमुना को निर्मल बनाएंगे, उसके किनारे पार्क व ट्रेक बनाएंगे, ताकि लोग वहां घूमने आएं।

जनपथ रोड पर स्थित सीसीएस बिल्डिंग में लगी आग

नई दिल्ली। जनपथ रोड स्थित सीसीएस बिल्डिंग में शनिवार सुबह आग लगने से अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। आनन फानन में सूचना दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। एक घंटे से भी कम समय में आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया था। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार शनिवार सुबह 11 बजकर 13 मिनट पर जनपथ रोड पर स्थित सीसीएस बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। हमने दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा और दोपहर 12 बजकर 20 मिनट तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग एक हॉल में लगी थी जो वहां रखे फर्नीचर, व अन्य सामान तक फैल गई। आग लगने की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रशेल** पुत्र मो. अफ़ज़ल निवासी 44/ए-336, नई सीमापुरी, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 234/20 धारा 380/411/454/34 भा.दं.स. थाना जगतपुरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रशेल** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रशेल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 234/20 धारा 380/411/454/34 भा.दं.स. थाना जगतपुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **रशेल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **16.07.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री आयुषी सक्सेना,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी -05,
कमरा नं. 07,
कड़कड़डूमा न्यायलय, दिल्ली।

DP/7650/SHD/2025

नई दिल्ली

रविवार,15 जून 2025

आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष, चतुर्थी वर्ष : 29, अंक : 61

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 41.0

न्यून. 32.0

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हैप्पी फादर्स-डे

haribhoomi.com

नीट यूजी-2025

21.42 लाख कैंडिडेट्स का रिजल्ट जारी हुआ

राजस्थान के महेश कुमार को देश भर में पहली रैंक, इंदौर के उत्कर्ष अवधिया दूसरे स्थान पर

एजेंसी ▶▶ इनई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी परीक्षा 2025 के परिणाम जारी कर दिए हैं। इसमें राजस्थान के महेश कुमार ने देशभर में पहली रैंक हासिल की है। दूसरे नंबर पर मध्यप्रदेश के इंदौर के उत्कर्ष अवधिया हैं, जबकि तीसरे नंबर पर महाराष्ट्र के कृषांग जोशी रहे। दिल्ली की अविका अग्रवाल ने लड़कियों में सबसे ज्यादा नंबर हासिल किए हैं। इस परीक्षा में इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले 75 उम्मीदवारों को छोड़कर बाकी सभी की परीक्षा के नजीते घोषित किए गए हैं। उत्कर्ष ने भी इंदौर सेंटर से परीक्षा दी थी। तब इंदौर में आंधी के कारण परीक्षा केंद्रों की बिजली गुल हो गई थी। कई विद्यार्थी तो रोते हुए परीक्षा केंद्रों से बाहर आए थे। इस वर्ष कुल 22,76,069 उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। इसमें 12.71 लाख लड़कियों और 9.237 लाख लड़कों ने रजिस्ट्रेशन किया है। इनमें से 22,09,318 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 66,751 ▶▶ शेष पेज 5 पर

देशभर के टॉप में 10 में दिल्ली के चार स्टूडेंट

दिल्ली की अविका अग्रवाल ने लड़कियों में सबसे ज्यादा नंबर हासिल किए

महेश कुमार

कृषांग जोशी

आर्ट्स लेकर यूपीएससी करना चाहते थे पहले स्थान पर आए महेश

ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल करने वाले हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने बताया कि 10वीं के बाद वो आर्ट्स लेकर यूपीएससी की तैयारी करना चाहते थे। मगर एक टीचर के समझाने से उन्होंने साइंस ली और नीट की तैयारी करने लगे।

पिछले साल से घट गया कट-ऑफ

2024 में अनारक्षित कैटेगरी के लिए कट-ऑफ स्कोर 162 था, जो इस साल घटकर 144 हो गया है। बीते साल एआईआर 1 पर 17 स्टूडेंट्स थे। इन सभी ने 720 में से 720 स्कोर किए थे। इस साल मुश्किल पेपर की वजह से टॉपर का स्कोर और कट-ऑफ नीचे आ गया है।

देश भर के टॉप 10 स्टूडेंट

रैंक	अभ्यर्थी का नाम	परसेंटेज	राज्य
1	महेश कुमार	99.9999547	राजस्थान
2	उत्कर्ष अवधिया	99.9999095	मध्य प्रदेश
3	कृषांग जोशी	99.9998189	महाराष्ट्र
4	मृणाल किशोर झा	99.9998189	दिल्ली
5	अविका अग्रवाल	99.9996832	दिल्ली
6	जेनिल भायानी	99.9996832	गुजरात
7	केशव मित्तल	99.9996832	दिल्ली
8	झा भाव्या चिराग	99.9996379	महाराष्ट्र
9	हर्ष केदावत	99.9995474	दिल्ली
10	आरव अग्रवाल	99.9995474	महाराष्ट्र

शनिवार सुबह जारी हुई थी फाइनल आंसर-की

एग्जाम की फाइनल आंसर-की शनिवार सुबह जारी की गई थी। इसमें 1 सवाल का जवाब बदला है। बुकलेट 45 की प्रोविजनल आंसर-की में सवाल नंबर 40 का सही ऑप्शन 2 था, फाइनल आंसर की में 1, 2 दोनों ऑप्शन सही बताए ▶▶ शेष पेज 5 पर

75 छात्रों का रिजल्ट नहीं जारी होगा

इंदौर के सेंटर्स पर नीट यूजी परीक्षा देने वाले 75 कैंडिडेट्स ने शिकायत की थी कि 4 मई को आंधी-तूफान और बिजली चली जाने की वजह से उनका पेपर बिगड़ गया। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में दायर याचिकाओं पर 9 जून को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा है कि एनटीए इन 75 कैंडिडेट्स को छोड़कर बाकी सभी का रिजल्ट जारी कर सकता है। इन 75 छात्रों का रिजल्ट बाद में जारी किया जाएगा। इसके बाद नीट यूजी 2025 की फाइनल मेरिट बनेगा।

खबर संक्षेप

बालाघाट में नक्सली व पुलिस की मुठभेड़, 3 ढेर

बालाघाट। बालाघाट में पुलिस ने मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों को मार गिराया है। एक अन्य नक्सली भी मारा गया। मुठभेड़ शनिवार दोपहर में बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र के पचामा दादर के जंगल में हुई। हॉक फोर्स और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि अभी भी ऑपरेशन जारी है। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस को पचामा दादर के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स यहां भेजी गई। मुठभेड़ में मारी गई तीनों महिला नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इससे पहले 19 फरवरी को भी बालाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली थी। कान्हा के वनक्षेत्र सूपखार में रौंदा फारेस्ट कैंप के पास हुई मुठभेड़ में 4 महिला नक्सली मारी गई थीं। इनमें आशा, शीला, रंजीता और लख्खे मरावी शामिल थीं।

आधार के अपडेट की तारीख एक साल बढ़ी

नई दिल्ली। आधार कार्ड में डॉक्युमेंट्स अपडेट करने की आखरी तारिक को एक बार फिर बढ़ा दिया गया है। पहले डॉक्यूमेंट के साथ फ्री आधार अपडेट की आखिरी तारीख 14 जून 2025 थी। यह जानकारी यूनिक आइडेंटिफि केशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) की ओर से शेयर की गई है। यूआईडीएआई ने बताया कि करोड़ों आधार धारकों के लिए मुफ्त ऑनलाइन डॉक्युमेंट्स अपलोड करने की सुविधा को आगे बढ़ा दिया गया है। अब लोग 14 जून 2026 तक बिना किसी शुल्क के अपने डॉक्युमेंट्स अपलोड कर आधार कार्ड में डेमोग्राफिक जानकारी को अपडेट कर सकते हैं। इसका मतलब है कि यूजर्स को एक साल का अतिरिक्त समय दिया गया है।

भारत के सोशल मीडिया यूजर्स ने 'एक्स' पर कर डाली फजीहत, इजरायली आईडीएफ ने माफी के साथ हटाया नक्शा

ईरान से युद्ध के बीच घूमा इजरायल का दिमाग... नक्शा जारी कर जम्मू-कश्मीर को पाक का बताया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ईरान से युद्ध के बीच इजरायल ने कुछ ऐसा किया...जिसकी भारत में कभी किसी ने कल्पना ही नहीं की होगी। बीते शुक्रवार को इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक नक्शा पोस्ट किया और उसमें भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को गलत दर्शाते हुए जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान में दिखाया। जिसे लेकर भारत के सोशल मीडिया यूजर्स का एक्स पर गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने एक के बाद एक की गई अपनी कई पोस्ट में इजरायल के खिलाफ सख्त नाराजगी जताते हुए उसकी आलोचना की और अपनी गलती का अहसास करते हुए इस पोस्ट को तुरंत हटाने की मांग की। आईडीएफ ने शनिवार को मामले पर अपनी गलती को स्वीकार करते हुए माफी के साथ पोस्ट हटा दी। साथ ही कहा कि 'यह मानचित्र सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है। इसकी वजह से अगर किसी को भी ठेस पहुंची है तो हम उसके लिए क्षमा चाहते हैं। यह पोस्ट इस क्षेत्र का एक चित्रण है'।

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने एक भारतीय यूजर्स इंडियन राइट विंग कम्युनिटी की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खबर अनपेक्षित इन्फोग्राफिक्स। पहले से ही हटाने, ठीक करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही नक्शे को हटाने के लिए कह दिया है। उधर, कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया कि इजरायल के गलत नक्शे में केवल जम्मू-कश्मीर को नहीं बल्कि भारत के अरुणाचल प्रदेश और उत्तर पूर्वी क्षेत्र को क्रमशः चीन और नेपाल में दिखाया गया था। जिसे बाद में इजरायल की तरफ से सुधारा गया। उधर, इन सबके बीच भारत सरकार ने मामले पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

भारत सरकार की तरफ से मामले पर फिलहाल नहीं दी गई कोई प्रतिक्रिया

भारत का अभिन्न अंग है जम्मू-कश्मीर

भारत लगातार जम्मू-कश्मीर को लेकर अपना रुख स्पष्ट करता रहता है। जिसमें उसने कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान और चीन ने अवैध ढंग से कब्जा कर रखा है। वह भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। पिछले महीने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान ने कश्मीर के जिस भूभाग पर अवैध ढंग से कब्जा किया है। भविष्य में उसे वापस लेने के मामले पर ही उससे चर्चा की जाएगी। गौरतलब है कि भारत और इजरायल की मित्रता की बात करें तो दोनों देशों के बीच बेहद घनिष्ठ संबंध हैं। वर्ष-2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। जिन्होंने इजरायल की यात्रा की थी।

ईरान एक वैश्विक खतराः इजरायल

इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ मिसाइलों और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। जिसके बीच में ही इजरायल की सेना ने भारत का गलत नक्शा लगाया और उसमें इजरायल पर ईरान को एक वैश्विक खतरे के रूप में दिखाने की कोशिश की गई। नक्शे में ईरान से निकलने वाली मिसाइलों की रेंज को प्रदर्शित करने के साथ ही सऊदी अरब, अफ्रीका में लीबिया, इथोपिया, एशिया में भारत और चीन, यूरोप में रोमानिया, बुल्गारिया के साथ रूस, कजाकिस्तान और तुर्किए की सीमाओं को दिखाया गया। साथ ही ये भी कहा गया कि इजरायल अंतिम लक्ष्य नहीं है। ये केवल एक शुरुआत है। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। लेकिन हमें कार्रवाई करनी पड़ेगी।

यूं निकाली भारतीय यूजर्स ने नाराजगी

एक्स पर भारत के सोशल मीडिया यूजर्स में से एक ने कहा कि अब तुम्हें समझ में आया कि भारत क्यों तटस्थ रहता है? कूटनीति में कोई भी हकीकत में आपका दोस्त नहीं होता है। एक अन्य यूजर ने मामले पर इजरायल से अपनी गलती का अहसास करते हुए तुरंत गलत नक्शा हटाने की मांग की। वहीं, इजरायल के सैन्य बल आईडीएफ ने जो गलत नक्शा पोस्ट किया और उसमें ऑपरेशन राइजिंग लायन की कार्रवाई का स्पष्टीकरण भी दिया था। इसके साथ ही इजरायल की वायुसेना ने उक्त पोस्ट से मिलता-जुलता एक और नक्शा शॉर्ट वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और उसमें ईरान की मिसाइलों की रेंज बताई गई।

स्थापित की गई चौबीसों घंटे चलने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन, भारतीयों को चौकन्ना रहने को कहा गया

ईरान से युद्ध के बीच इजरायल में हाई-अलर्ट पर भारतीय दूतावास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ईरान से जारी भीषण युद्ध के बीच इजरायल के तेल अवीव में मौजूद भारतीय दूतावास हाई-अलर्ट पर है। शनिवार को दूतावास ने एक चौबीसों घंटे चलने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित की और उसके साथ ही भारतीय नागरिकों को लगातार चौकन्ने रहने का परामर्श जारी किया गया। यह जानकारी भारतीय दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी। जिसमें बताया कि हम लगातार उभरते हुए हालातों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। जिसमें भारत के नागरिकों की सुरक्षा भी शामिल है। अगर किसी को कोई आपातकालीन सहायता चाहिए तो 24x7 हेल्पलाइन नंबर +97254-7520711 +97254-3278392 और ईमेल का पता-cons1.Telaviv@>mea.Gov.in पर संपर्क में बने रहें।

सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें भारतीय

दूतावास ने अपने परामर्श में भारतीयों को यह भी हिदायत दी है कि वो इजरायल के अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा बताए जा रहे सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। यहां बता दें कि दूतावास की तरफ से बीते शुक्रवार को इजरायल द्वारा ईरान पर की गई ऑपरेशन राइजिंग लायन की कार्रवाई के बाद भी ऐसा ही एक परामर्श जारी किया गया था। जिसमें कहा गया था कि भारतीय नागरिक सतर्कता बरतें और देश यानी इजरायल के अंदर अनावश्यक यात्रा करने से बचें। साथ ही नागरिकों को सुरक्षा ठिकानों के करीब रहने की हिदायत भी दूतावास द्वारा दी गई थी। इजरायल ने ईरान पर तड़के 13 जून को किए गए हमले में उसके परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर हमला बोला था। जिसमें ईरान के कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इजरायल के खिलाफ ड्रोन से बड़ा हमला किया। जिसमें लगभग तीन लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए हैं। दोनों देशों के बीच तनाव फिलहाल चरम पर है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की है।

हरियाणा बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक में हुई कई अहम मुद्दों पर चर्चा

मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने पर हुआ मंथन

'संकल्प से सिद्धि तक' कार्यक्रम के तहत अब तक हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा बीजेपी कोर कमेटी की बैठक दिल्ली हरियाणा भवन में हुई। बैठक में संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत अब तक हुए कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने पर गहनता से चर्चा हुई। जिलों में होने वाली संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी मंथन किया गया। सरकार की योजनाओं, संगठनात्मक मुद्दों पर भी विचार विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार द्वारा जनहित में ▶▶ शेष पेज 5 पर

कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे पीएम

आज से साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया जैसे तीन देशों के पांच दिवसीय दौरे पर प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार से साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया जैसे तीन देशों की पांच दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। जिसका मकसद प्रमुख अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ भारत के द्विपक्षीय और रणनीतिक संबंधों को मजबूती प्रदान करना है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी और उसमें बताया कि पीएम की इस विदेश यात्रा की शुरुआत 15 जून से होगी और समापन 19 जून को होगा। यात्रा के दौरान पीएम मोदी सबसे पहले साइप्रस पहुंचेंगे, उसके बाद कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और अंत में वह क्रोएशिया जाएंगे। जो कि अपने आप में बेहद ▶▶ शेष पेज 5 पर

■ भारत के किसी प्रधानमंत्री की होगी क्रोएशिया की पहली यात्रा

फाइल फोटो

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु जाएंगे

एक्सिओम-4 मिशन 19 जून को होगा 'लॉन्च'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग पर ताजा अपडेट आया है। केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि 19 जून को एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होगा। इसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के रूप में पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएगा। 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला लखनऊ में जन्मे हैं। उन्हें जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला। उन्हें 2000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल है। वे सुखोई-30 एमके 1, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे फाइटर जेट्स को उड़ा चुके हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के लिए भी मिशन महत्वपूर्ण होगा। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोग करेंगे। दरअसल, 11 जून को मिशन कुछ तकनीकी परेशानी के कारण स्थगित करना पड़ा। चौथी बार ऐसा हुआ कि मिशन लॉन्च करने की तारीख बदली गई। 11 जून को मिशन स्थगित करने की घोषणा करते हुए इसरो ने जानकारी दी कि लॉन्च से पहले टेस्टिंग के दौरान प्रोपल्शन बे में एलओएक्स रिसाव का पता चला था। 13 जून को इसरो प्रमुख वी नारायणन ने एक बयान में कहा कि इसरो, नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के ज्वेज्दा मॉड्यूल में ▶▶ शेष पेज 5 पर

■ चार बार मिशन की तारीख बदली गई

बेहद आकर्षक नये लुक में बने राष्ट्रपति निकेतन को खोला जाएगा आम जनता के लिए

इकोलॉजिकल पार्क उत्तराखंड पर्यटन के लिए साबित होगा मील पत्थर

जन्मदिन वाले दिन 20 को महामहिम देंगी देहरादून को तोहफा, राज्य सरकार ने की भव्य स्वागत की तैयारी

शिशिर सोनी ▶▶ नई दिल्ली

विशेष खबर

देहरादून स्थित 'राष्ट्रपति आशियाना' को तेजी से 'राष्ट्रपति निकेतन' के रूप में विकसित किया जा रहा है। लगभग 22 एकड़ परिसर में फैले पुराने राष्ट्रपति आशियाने को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। प्रकृति और आधुनिकता के मेल का बेजोड़ गठबंधन हो, इसकी कोशिश है। तीन एजेंसियां दिनरात काम में जुटी हैं। लगातार हो रही बारिश ने हालांकि योजना की गति में ग्रहण लगाया है, लेकिन सभी को स्पष्ट निर्देश है कि हर विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आगामी 20 तारीख तक योजना को अंतिम रूप दे दिया जाए, ताकि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू नये राष्ट्रपति निकेतन का शुभारंभ कर सकें। चूंकि 20 को ही राष्ट्रपति का जन्मदिवस भी है लिहाजा राज्य सरकार ने भी महामहिम की आगवानी की भव्य तैयारी की है।

राष्ट्रपति निकेतन को एक हिस्से को सजा संवार के दिल्ली के मुगल गार्डन की तरह आम जनता के लिए 24 जून से ▶▶ शेष पेज 5 पर

देहरादून राष्ट्रपति निकेतन

- तकरीबन 22 एकड़ में फैले 186 साल पुरानी राष्ट्रपति संपत्ति को नया रूपरंग दिया जा रहा है। राष्ट्रपति के रुकने के लिए आधुनिक सूइट होंगे। सूइट के बाहर मंदिर का निर्माण किया गया है।
- टिकट घर से अंदर प्रवेश करते ही बेहद खूबसूरत रॉकर-लेक होगा। मकराना से आकर्षक पत्थर लाकर उसे आकार दिया जा रहा है।
- लिलि-पांड, कमल के फूलों की भरमार वाले तीन एस्थेटिक लुक वाले पोखर होंगे।
- बेहद सुंदर एक छोटा झील और कृत्रिम झरने को रंग बिरंगे लाइट से सजाया गया है।
- प्रस्तावित इकोलॉजिकल पार्क न केवल देहरादून की सुंदरता को बढ़ाएगा, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खबर संक्षेप

अलग-अलग मामलों में 2 आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। अवैध हथियार रखने वालों पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच एनआईटी व क्राईम ब्रांच सेक्टर.65 की टीम ने अवैध हथियार रखने वाले आरोपियों को देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी सूरज , बिहार हाल संतोष नगर फरीदाबाद को एनएचपीसी चौक के पास से व टीम ने सुमित कुमार गांव नवादा जिला आजमगढ़ मोहना रोड फरीदाबाद से अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।

मिस्ट्री बॉक्स के जरिए युवक से हजारों ठगे

गुरुग्राम। साइबर क्राइम वेस्ट थाना एरिया में मिस्ट्री बॉक्स के जरिए युवक से हजारों रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में लक्ष्मण विहार में रहने वाले कुणाल शर्मा ने कहा एक दिन उसने प्ले स्टोर पर हाई बॉक्स नाम का ऐप देखा, जो एक मिस्ट्री बॉक्स था। ई-कॉमर्स कंपनी का मिस्ट्री बॉक्स खरीदना

सिक्योरिटी गार्ड से अज्ञात युवकों ने की मारपीट

गुरुग्राम। सेक्टर-40 थाना क्षेत्र के सिक्योरिटी गार्ड के साथ युवकों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है। गार्ड व सुपरवाइजर ने दो युवकों को पहचान लिया है, जबकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस को दी शिकायत में यूपी के शाहजहांपुर निवासी जयप्रकाश ने बताया कि वह सेक्टर-45 स्थित ग्रीनवुड सिटी ब्लाक-ए में गार्ड की नौकरी करता है।

एनसीआरटीसी ईटी इंफ्रा रेल शो अवार्ड्स में तीन श्रेणियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

एनसीआरटीसी को रेलवे क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प ईटी इंफ्रा रेल शो अवाड्र्स 2025 में तीन श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। ये पुरस्कार एक समारोह में प्रदान किए गए। एनसीआरटीसी को 'सर्वश्रेष्ठ एकीकृत संपत्ति विकास/ ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट', 'एमआरटीएस/ आरआरटीएस के लिए सर्वश्रेष्ठ परियोजना समयसीमा', और 'सर्वश्रेष्ठ ट्रैक बिछाने की तकनीक' श्रेणियों में ये सम्मान प्रदान किए गए हैं। तीनों पुरस्कार एनसीआरटीसी की दूरदर्शी सोच, तकनीकी उत्कृष्टता और समयबद्ध क्रियान्वयन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

सुरक्षित और आरामदायक यात्रा के नए युग की शुरुआत

ट्रैक तकनीक में क्रांति, कम रखरखाव और आरामदायक सफर का बेहतरीन समाधान

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर (दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ) का निर्माण कर रहा है। यह परियोजना अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग, एकीकृत योजना और सतत व कुशल विकास पर आधारित है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा के नए युग की शुरुआत कर रही है। सर्वश्रेष्ठ ट्रैक बिछाने की तकनीक श्रेणी में एनसीआरटीसी द्वारा अपनाई गई प्री-कास्ट स्लैब ट्रैक तकनीक इस श्रेणी में निर्णायक रही। नमो भारत ट्रेनें देश की एकमात्र ट्रेनें हैं, जो बीते 1.5 वर्षों से सफलतापूर्वक 160 किमी/घंटा की अधिकतम गति से संचालित हो रही हैं। 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति वाली इस सेमी हाई-स्पीड ट्रेन के लिए यह तकनीक विश्वसनीयता, कम रखरखाव और आरामदायक सफर का बेहतरीन समाधान है। साथ ही प्री-कास्ट स्लैब ट्रैक का जीवन-काल 50–100 वर्षों का होता है और इसे न्यूनतम रखरखाव की आवश्यकता होती है। यह प्रणाली कंपन और झटकों को कम कर एक आरामदायक और स्थिर यात्रा अनुभव प्रदान करती है। साथ ही, यह तकनीक तेज निर्माण और आसान प्रतिस्थापन में भी सहायक है, जो इस तकनीक को नमो भारत जैसे हाई परफॉर्मेंस ट्रेन कॉरिडोर के लिए उपयुक्त बनाती है। पुनीत ने बताया कि दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर का पहला 17 किमी का प्रायोरिटी सेक्शन (साहिबाबाद से दुहाई डिपो) 21 अक्टूबर 2023 को यात्रियों के लिए चालू किया गया था। विभिन्न खंड चरणबद्ध तरीके से चालू किए जा रहे हैं। यह भारत की उन दुर्लभ जन-आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में से एक है, जिसने निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य किया है—वह भी तब जब यह प्रणाली भारत में पहली बार अत्याधुनिक तकनीकों के साथ लागू की जा रही थी और कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी की चुनौती भी सामने थी। वर्तमान में कॉरिडोर पर 55 किमी लंबे खंड में 11 स्टेशनों पर नमो भारत ट्रेन सेवाएं परिचालित की जा रही हैं।

बड़खल सहित कई क्षेत्रों में चला विशेष अभियान

जलभराव की समस्या के समाधान हेतु प्रशासन सक्रिय: उपायुक्त सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मानसून पूर्व तैयारियों के तहत जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है। उपायुक्त विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को सेक्टर-20, सेक्टर-48, संजय कॉलोनी, बड़खल सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में नालों की सफाई और ड्रेनेज प्वाइंट्स को अवरोधमुक्त करने के लिए विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया। इन क्षेत्रों में मानसून के दौरान जलभराव की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराए जा रहे हैं।

खास बातें

- नालों की समयबद्ध सफाई, अतिक्रमण हटाना
- ननि की देखरेख में कार्यों को युद्धस्तर पर अंजाम दिया जाए
- ट्रैफिक जाम या जलभराव जैसी समस्याओं से नागरिकों को परेशान न होना पड़े

मानवाधिकार मिशन ने मनाया 14वां स्थापना दिवस

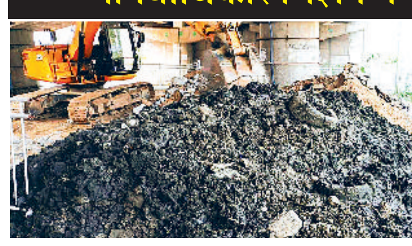

डीसी ने बताया कि बरसात के समय जलभराव की स्थिति को रोकने के लिए प्रशासन ने बहुपरतीय रणनीति अपनाई है। इसमें प्रमुख नालों की समयबद्ध सफाई, अतिक्रमण हटाना, पंपिंग स्टेशन की क्षमता वृद्धि तथा जल निकासी प्रणाली को सुचारू बनाने जैसे कदम शामिल हैं। नगर निगम की देखरेख में इन कार्यों को युद्धस्तर पर अंजाम दिया जा रहा है।
अवैध निर्माणों के कारण जहां जल निकासी बाधित हो रही थी, वहां से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में एचसीएस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है, जो लगातार अपने क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय ले रहे हैं। डीसी ने यह भी बताया कि कई पंपिंग स्टेशनों की कार्यक्षमता बढ़ाई गई है और खराब पंपों की मरम्मत या अदला-बदली कर ली गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित जल निकासी सुनिश्चित की जा सके। प्रमुख अंडरपास, मुख्य सड़कों और घनी बस्तियों वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि बारिश के दौरान ट्रैफिक जाम या जलभराव जैसी समस्याओं से नागरिकों को परेशान न होना पड़े। नगर निगम अधिकारियों को प्रतिदिन फील्ड में जाकर सफाई कार्यों की निगरानी करने और उसकी रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए।

मियावकी पद्धति के आधार पर लगाए जाएंगे पौधे

मधुबन बापू धाम में एसटीपी परिसर की जमीन पर विकसित होगा जंगल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने टाउनशिप हरनंदीपुरम को धरातल पर साकार करने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों के बीच अब एनसीआर के अंतर्गत आने वाले गाजियाबाद में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या को देखते हुए एक नया कदम उठाने जा रहा है।

प्राधिकरण मधुबन बापूधाम में स्थित एसटीपी परिसर की करीब 2700 वर्ग मीटर जमीन पर मियावकी पद्वति के आधार पर पेड़ पौधे लगाते हुए उसे घने जंगल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए जीडीए के उद्यान विभाग ने एसटीपी परिसर की जमीन को समतल आदि करने का काम आ कर दिया गया है। खासतौर से पीपल, नीम, सहजन, लाल कनेर आदि के छायादार पौधे लगाए जाएंगे। पूरी परियोजना में सबसे महत्वपूर्ण पहलू ये है कि कांवड़ यात्रा के दौरान एसटीपी परिसर की इस जमीन को निगम के द्वारा डंपिंग यार्ड के रूप में तब्दील कर दिया गया था। एनजीटी के आदेश पर निगम के द्वारा तमाम कचरे को हटा दिया गया है। मियावकी पद्वति के आधार पर घने छायादार पौधे लगने के बाद एरिया के लोगों को हरा भरा वातावरण प्राप्त होगा। पूरे प्रोजक्ट में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य ये है कि मियावकी पद्वति के आधार पर जो पेड़ पौधे आदि लगाने पर लगभग 27 लाख का खर्च आएगा,वह जीडीए वहन नहीं करेगा,बल्कि सीएसआर फंड से निजी संस्था के द्वारा वहन किया जाएगा अगले दो साल तक इसका रखरखाव भी निजी संस्था के द्वारा किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण और सेवा की भावना के साथ मिशन ने पौधरोपण और शरबत वितरण कर समाज में दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मानवाधिकार मिशन ने अपना 14वां स्थापना दिवस एक विशेष और प्रेरणादायक अंदाज़ में मनाया। इस अवसर पर मिशन के सदस्यों और समाजसेवियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया साथ ही गर्म मौसम में राहगीरों को मीठा शरबत बांटकर सेवा और मानवता का संदेश दिया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षगांठ मनाना नहीं था, बल्कि समाज में हरियाली, स्वास्थ्य और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना भी था। मिशन के अध्यक्ष डॉ महेंद्र शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि हमारा हर साल का संकल्प यही है कि हम सिर्फ उत्सव नहीं मनाएं, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए सकारात्मक योगदान दें। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की सहभागिता भी सराहनीय रही। पेड़ लगाकर यह संकल्प भी लिया कि वे पर्यावरण की रक्षा में अपनी भूमिका निभाएंगे। वहीं, शरबत वितरण से राहगीरों के चेहरों पर मुस्कान और दिलों में मिशन के प्रति सम्मान स्पष्ट नजर आया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एमएस जनमेदा, राष्ट्रीय संगठन सचिव धर्मपाल सिंह, राष्ट्रीय संगठन सचिव चतर सिंह भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय जोशी, राष्ट्रीय संगठन सचिव विजय मंगला, मंडल अध्यक्ष सुधीर शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष हरीश शर्मा, महिला मंडल उपाध्यक्ष प्रियंका बुधानी, फिरोज खान, अनुपमा, पूजा, सचिन, विवेक शर्मा, अशोक रखेजा, सुनील मल्होत्रा, संदीप गेरा, करण, विकास प्रिंस, अनिल, संजय, रामआशीष, जय प्रकाश, अनिल, अग्रवाल आदि लोग विशेष रूप से मौजूद रहे।

पार्किंग को लेकर विवाद

बल्लभगढ़ में दो पक्षों में झड़प, बारह लोग घायल, लाठी-डंडों से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ में शुक्रवार रात पार्किंग को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर खूनी संघर्ष हो गया जिसमें 12 लोग घायल हो गए। यह मामला बल्लभगढ़ स्थित गुप्ता होटल के पास का है, जहां रात करीब 8 बजे गाड़ी खड़ी करने को लेकर कहासुनी शुरू हुई जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे, लाठी-डंडों और यहां तक कि चाकू से भी हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में करीब एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में बल्लभगढ़ के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। झगड़े की सूचना मिलते ही पुलिस को भी मौके पर बुला लिया गया।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि वे सभी शाहपुरा खादर गांव के रहने वाले हैं और किसी निजी काम से बल्लभगढ़ आए थे। जब वे जूस कॉर्नर के पास अपनी गाड़ी खड़ी कर रहे थेए तभी दूसरे पक्ष के करीब 10 से 15 लोगों ने उन पर हमला बोल दिया और बुरी तरह से मारपीट की। इस हमले में उनके कई साथी घायल हो गए। सिविल अस्पताल बल्लभगढ़ के डॉक्टर गोविंदर ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों ही पक्षों से कुल छह से सात लोग घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचे थे। सभी का प्राथमिक उपचार किया गया है और उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को भी तुरंत सूचित किया गया। अस्पताल पहुंची पुलिस टीम के साथ अग्रसेन चौकी प्रभारी तुषार कांत ने बताया कि घटना के संबंध में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई शिकायत प्राप्त होगी, उसी के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि सच्चाई सामने लाई जा सके।

आसिफ ने नीट परीक्षा में 99.32 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले का नाम किया रोशन

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र का गांव नाहल पिछले दिनों नोएडा पुलिस के सिपाही की गोली लगने से मौत के बाद काफी सुर्खियों में रहा। आज यही गांव एक बार फिर उसे वक्त सुर्खियों में आ गया जब यहां रहने वाले युवा आसिफ ने नीट की परीक्षा में 99.32 प्रतिशत अंक हासिल करके न केवल गांव बल्कि गाजियाबाद जिले का नाम भी रोशन कर दिया। खास बात यह है कि इस नोजवान प्रतिभा ने किसी कोचिंग सेंटर में कोई तैयारी नहीं की। बल्कि घर बैठकर ही अपने तैयारी की और आज सफलता का यह मुकाम हासिल किया । इंडियन माइनॉरिटी फॉर्म के अध्यक्ष आजाद खालिद समेत कई समाजसेवियों ने इस युवक को वह उसके परिवार को इस सफलता पर बधाई दी है। आसिफ के पिता रियाजुद्दीन बेटे की सफलता पर काफी खुश हैं और इसके लिए ऊपर वाले का शुक्र भी अदा करते हैं।

पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू की

चार धाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर व होटल बुकिंग के नाम पर 94 हजार रुपए ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

साइबर क्राइम वेस्ट थाना एरिया में चार धाम की यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर व होटल बुकिंग के नाम पर 94 हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में गुरुग्राम के सेक्टर-23 में रहने वाले बृजभूषण शर्मा ने कहा कि उन्हें अपनी पत्नी के साथ चार धाम की यात्रा पर जाना था। इसके लिए उन्हें हेलिकॉप्टर की सुविधा चाहिए थी।

जिसके लिए उन्होंने बीती 26 मार्च को फेसबुक पर चार धाम यात्रा सर्च किया, तो पवनहंस लिमिटेड नाम की साइट मिली। जिसको खोलने के बाद उसमें दिए गए नंबर पर बृजभूषण शर्मा ने कॉल की तो पंकज सिंह नामक युवक से बात हुई। उसने व्हॉट्सअप पर बृजभूषण शर्मा को पैकेज की डिटेल भेजी। जिसमें हेलिकॉप्टर व होटल बुकिंग के अलावा ट्रेवल इंश्योरेंस की राशि शामिल की गई। जिसमें 60 हजार रुपए प्रति व्यक्ति के अलावा, 40 हजार रुपए प्रति व्यक्ति खर्चा व 7 हजार रुपए ट्रेवल इंश्योरेंस के बारे में बताया गया। बृजभूषण शर्मा की सहमति के बाद उसने गूगलपे नंबर दिया। 26 व 27 मार्च को बृजभूषण शर्मा ने छह बार में कुल 94 हजार रुपए की राशि ट्रांसफर कर दी। इसके बाद पंकज सिंह ने उन्हें बुकिंग की डिटेल भी भेज दी। लेकिन जब बृजभूषण शर्मा को यात्रा करनी थी तो उन्होंने होटल के नंबर व आईआरसीटीसी की साइट पर अपनी बुकिंग डिटेल चैक की तो पता चला कि उनकी इस यात्रा के लिए कोई बुकिंग नहीं हुई है। उन्होंने पंकज सिंह नामक व्यक्ति से संपर्क किया तो उसके नंबर बंद आए। जिसके बाद बृजभूषण शर्मा को अहसास हो गया कि उनके साथ ठगी हो गई है।

मामले में पहले 4 को किया जा चुका है गिरफ्तार

स्टॉक मार्केट में निवेश करवाने के नाम पर 39 लाख रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

स्टॉक मार्केट में निवेश करवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने आरोपी खाताधारक को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-88 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 4 जनवरी को उसके पास विजय नामक एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने बताया कि वह निर्मल बंग सिक्योरिटीज से जुड़ा हुआ है। जिसकी बातो से लगा कि वह स्टॉक मार्केट एनालिसिस के बारे में जानता है गुरु जीनियस एआई ऐप लॉन्च कर रहा है। मौजूदा पोर्टफोलियो का कुछ स्टॉक एनालिसिस लेने के बारे में सोचा। फिर शिकायतकर्ता ने छोटी राशियों में स्टाक में निवेश किया। निवेश लाभदायक रहे तथा उसने लाभ के एक लाख रुपए भी निकाले। इसके बाद शिकायतकर्ता ने विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 39,61,573 रुपए स्टॉक मार्केट में निवेश किए जब निकालने चाहे तो नही निकाल पाया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जीतू**, पुत्र बीर सिंह निवासः **17/461** त्रिलोकपुरी, दिल्ली ने **FIR No. 15/2021, U/S 379/356 IPC, थाना शकरपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **जीतू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जीतू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 15/2021, U/S 379/356 IPC, थाना शकरपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जीतू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 09.09.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी – 06
पूर्व जिला, कोर्ट नं. 03
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7164/ED/2025 (Court Matter)

नागर बोले- जागरुक व्यक्ति के लिए हर दिन पर्यावरण दिवस

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री नागर ने गोदरेज सोसाइटी में लगाया एक पौधा मां के नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर ने शनिवार को गोदरेज रिट्रीट सोसाइटी सेक्टर 83 में एक पौधा मां के नाम लगाया और लोगों को पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एक जागरुक व्यक्ति के लिए हर दिन पर्यावरण संरक्षण दिवस हो सकता है क्योंकि वह जानता है कि पर्यावरण को बचाकर ही जीवन को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। इसके लिए किसी दिन का इंतजार नहीं करना चाहिए। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि हमें अपने जीवन में हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसे बड़ा करना चाहिए और कम से कम 3 साल उसकी सुरक्षा भी करनी चाहिए। नागर ने कहा कि राज्य की सरकार ने हरियाणा में बड़ी संख्या में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाए हैं। जिसमें आम जनता और सामाजिक संस्थाओं का भी सक्रिय सहयोग हमें प्राप्त हुआ है। गोदरेज रिट्रीट सोसाइटी में रहने वाले सभी निवासियों से कहा कि वह सभी अपने घरों में मांगलिक अवसरों पर पौधे लगाने और उन्हें संरक्षण देकर बड़ा बनाने का संकल्प लें।

साइबर थाना एनआईटी की टीम ने 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

शेयर मार्केट में निवेश करवाने के बहाने 16 लाख रुपए ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शेयर मार्केट में निवेश करवाने के बहाने लाखों रुपयों की ठगी करने के मामले में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना एनआईटी में सेक्टर-55 फरीदाबाद निवासी ने एक शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि फेसबुक के माध्यम से उसकी दोस्ती एक लड़की से हुई, जिसने विप्रो, मुम्बई में काम करने का दावा किया था। जिसने उसको शेयर मार्केट में निवेश कर मुनाफा कमाने के लिए बातों मे लिया। जिसके बाद उसने प्ले स्टोर से एक एप डाउनलोड कर निवेश शुरू करने को कहा। शिकायतकर्ता ने एप डाउलोड कर उस पर निवेश करना शुरू किया, जिसके बाद जब उसने पैसे निकालने चाहे तो निकासी से पहले लाभ शुल्क, क्रेडिट स्कोर समस्या, खाता फ्रिज होने आदी का डर दिखा कर उससे कुल 16,35,886 रुपये ऐठ लिए। जिस शिकायत पर साइबर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एनआईटी की टीम ने आरोपी साहिल खान निवासी पुर्विया कॉलोनी, उदयपुर लक्ष्मण माली वासी गांव गिलूंढ, राजसमम्न, राजेश ओझा निवासी भीलवाडा, राहुल निवासी गांव बीगोद जिला भीलवाडा, सुर्यप्रकाश मारु निवासी ज्योति नगर भीलवाड़ा व आयान हसन खान वासी लालघाट उदयपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपीगण ठगों के लिए खाता उपलब्ध करवाते हैं। इन्होंने खाताधारक दिनेश का खाता लेकर एक-दूसरे को आगे दिया था। आरोपी साहिल उदयपुर में होटल चलाता है। खाताधारक दिनेश को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों को आगामी पूछताछ के लिए 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **पूनम** पत्नी **प्रवीण** निवासी **म.नं. 40 के दाहिने तरफ, भूतल, गांव गोयला खुर्द, नजफगढ़, नई दिल्ली–110043** ने **Ct. Case No. 891/2022 U/s 135 of the Indian Electricity Act, थाना छावला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **पूनम** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **पूनम** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct. Case No. 891/2022 U/s 135 of the Indian Electricity Act, थाना छावला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **पूनम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **16.07.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद कुमार मीणा
अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश, (दक्षिण पश्चिम),
विशेष अदालत (इलेक्ट्रिसिटी) कमरा नं. 609,
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/7592/DW/2025(Court Matter)

खबर संक्षेप

नियमित रक्तदान को अपने जीवन में करें शामिल : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विश्व रक्तदाता दिवस पर शनिवार को दिल्ली के लोगों से अपील की है कि नियमित रक्तदान को अपने जीवन में शामिल करें जिससे दिल्ली का एक व्यक्ति भी संकट के समय अपने आप को अकेला न माने। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि मैं आज विश्व रक्तदाता दिवस पर आप सब से निवेदन करती हूं कि नियमित रक्तदान को अपने जीवन में शामिल करें जिससे दिल्ली का एक व्यक्ति भी संकट के समय अपने आप को अकेला न माने। साथ ही, सभी सामाजिक संस्थानों से भी अपील करती हूं कि एक ब्लड डोनर डायरेक्ट्री बनाएं जिससे आवश्यकता के समय किसी भी पेशेंट को तुरन्त रक्त मिल सके।

नरेला जोन को सुनियो योजना से करीब 4 करोड़ का राजस्व हुआ प्राप्त

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन के कर-निर्धारण एवं समाहरण विभाग ने सम्पत्तिकर निपटान योजना (सुनियो) के माध्यम से करीब 1050 सम्पति धारकों से करीब 4 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ है। निगम द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सम्पतिकर के निपटान के लिए 1 जून 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक सम्पत्तिकर निपटान योजना (सुनियो) लाई गई है जिसके अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय संपत्तियों का वर्तमान और पिछले 5 वर्षों (2020-21 से 2024-25) का मूल सम्पति कर राशि भुगतान करने पर वित्त वर्ष 2020-21 से पहले सभी बकाया सम्पतिकर ब्याज और जुर्माना माफ हो जाएगा। दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन में संयुक्त कर निर्धारक एवं समाहर्ता मनीष कुमार ने बताया कि वित्त वर्ष 2020-21 से पहले के सभी बकाया संपत्ति कर ब्याज और जुर्माना सहित माफ है।

हीट एक्शन प्लान के तहत मजदूरों को नहीं दी जा रही छुट्टी : भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भाजपा सरकार के हवा हवाई हीट एक्शन प्लान पर सवाल उठाते हुए कहा कि हीट एक्शन प्लान पूरी तरह फेल हो चुका है। भाजपा शासित एमसीडी के सफाई कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान गर्मी से मौत हो गई। सरकार ने कहा था कि दोपहर में मजदूरों को छुट्टी दी जाएगी, लेकिन लगातार काम लिया जा रहा है। वहीं, अस्पतालों-सार्वजनिक स्थानों को ठंडा रखने की बात कही गई थी, लेकिन जीटीबी अस्पताल में एसी-कूलर नहीं चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली में पानी की भयंकर किल्लत है। घंटों पावर कट लगने के चलते लोग गर्मी में पूरी रात जागने को मजबूर हैं। सरकार ने वाटर एटीएम लगाने, ओआरएस-शिकंजी पिलाने का वादा किया था, लेकिन कहीं कोई इंतजाम नहीं है। भारद्वाज ने कहा कि हीट एक्शन प्लान के तहत 3 हजार जगहों पर ठंडे पानी के वाटर एटीएम लगाए जाएंगे, सार्वजनिक स्थानों और अस्पतालों में ठंडक के लिए खास इंतजाम किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में टास्क फोर्स के साथ की गई समीक्षा बैठक

दिल्ली के सर्किल रेट में जल्द किया जाएगा संशोधन : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के सर्किल रेट में जल्द ही संशोधन किया जाएगा। इस बात की जानकारी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को टास्क फोर्स के साथ की गई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस बैठक में सर्किल रेट को संशोधित करने के निर्देश दिए और इसके लिए डिविजनल कमिश्नर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति वर्तमान बाजार स्थितियों और संपत्ति मूल्यों को ध्यान में रखते हुए सर्किल रेट के यथोचित निर्धारण के लिए विस्तृत रिपोर्ट जल्द ही प्रस्तुत करेगी। उसके बाद रिपोर्ट के आधार पर सर्किल रेट को संशोधित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली में सर्किल रेट में कई जगह अनियमितताएं हैं, जिन पर पुनः विचार विमर्श करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि सभी पहलू को देखते हुए रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करे। गौरतलब है कि शनिवार को हुई टास्ट फोर्स के साथ बैठक में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री

मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के अधिकारियों सहित रजिस्ट्रार ऑफ को-ऑपरेटिव सोसाइटीज एवं भारतीय उद्योग परिसंघ के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सीएम ने बताया कि बैठक में इसके अलावा अनधिकृत कॉलोनियों, हाउसिंग सोसायटियों, पुनर्विकास कॉलोनियों, और औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में टास्क फोर्स द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट में राजधानी के समग्र विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव शामिल रहे। रिपोर्ट में सिंगल विंडो क्लीयरेंस, विभिन्न एजेंसियों के बीच मानकीकृत विकास नियंत्रण मानदंडों को लागू करने, और बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए समयबद्ध अनुमोदन सुनिश्चित करने जैसे प्रस्ताव दिए गए हैं। इस 10-बिंदुओं वाली रिपोर्ट में व्यावसायिक भूखंडों के एकीकरण शुल्क में कटौती, एमसीडी क्षेत्रों में संशोधित ले-आउट योजनाओं की अनिवार्यता समाप्त करने, ग्रीन बिल्डिंग पॉलिसी के माध्यम से सतत बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहित करने, संपत्ति कर के ढांचे का युक्तिकरण, डीएमआरसी को आवंटित भूमि के अधिकतम उपयोग, और होटल तथा अन्य वाणिज्यिक भूखंडों के लिए एफएआर में कमी जैसे महत्वपूर्ण सुझाव शामिल हैं। टास्क फोर्स ने यह सुझाव भी दिया कि झुग्गी पुनर्विकास को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत ऐसे परियोजनाओं में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दी जाए।

अनधिकृत कॉलोनियों में विकास की गति होगी तेज, लोगों को मिलेगा मालिकाना हक

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अनधिकृत कॉलोनियों की स्थिति को बेहतर करने के लिए सभी सिविक एजेंसियों को निर्देश दिए। साथ ही अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक और रजिस्ट्री खोलने को लेकर डीडीए और शहरी विकास विभाग को निर्देशित किया कि वे इस विषय पर एक समग्र और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में व्यापारिक वातावरण को और अधिक सुगम, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दिशा में ठोस कदम उठाते हुए टास्क फोर्स को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह टास्क फोर्स विभिन्न विभागों और एजेंसियों के समन्वय से कार्य करेगी तथा सभी प्रक्रियाओं की समीक्षा करेगी जो उद्यमियों, व्यवसायियों और स्टार्टअप्स के लिए जरूरी हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह टास्क फोर्स मौजूदा नीतियों का मूल्यांकन कर उनके ऑटोमेशन और समयबद्ध निष्पादन के लिए रिपोर्ट तैयार करेगी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने ई-विधान परियोजना की रखी आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ यह कार्यक्रम विधायी शासन के डिजिटलीकरण की दिशा में एक एतिहासिक उपलब्धि : रिजिजू

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की मौजूदगी में दिल्ली विधानसभा में ई-विधान (पेपरलेस विधानसभा) परियोजना की आधारशिला रखी। इस दौरान रिजिजू ने कहा कि यह कार्यक्रम विधायी शासन के डिजिटलीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। रिजिजू ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में ई-विधान परियोजना की आधारशिला रखना तकनीकी दक्षता और पारदर्शिता को अपनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। देश के कई राज्यों ने पहले ही इस प्रणाली को सफलतापूर्वक अपनाया है और अब दिल्ली का इस राष्ट्रीय पहल से जुड़ना उत्साहवर्धक है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल कागज रहित व्यवस्था की बात नहीं करती, बल्कि विधायी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जन भागीदारी, दक्षता और डिजिटल सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। रिजिजू ने कहा कि देश के कई राज्यों में ई-विधान प्रणाली पहले ही सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है और अब दिल्ली भी इस दिशा में गंभीर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की विशेष प्रशासनिक संरचना को देखते हुए यह डिजिटल परिवर्तन विशेष महत्व रखता है। यह परियोजना केवल कागज़ रहित प्रक्रिया नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जन भागीदारी, दक्षता और डिजिटल सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। रिजिजू ने आगे कहा कि दिल्ली विधानसभा को संसदीय कार्य मंत्रालय से 9 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान सहायता प्रदान की जाएगी, जिसकी पहली किस्त के रूप में 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहले ही प्राप्त हो चुकी है। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट,दिल्ली सरकार के उद्योग, मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और मुख्य सचेतक अभय वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

'आप' ने प्राइवेट स्कूलों पर कोई लगाम नहीं लगाईः सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को कहा है कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया से लेकर आतिशी मार्लेना एवं सौरभ भारद्वाज तक पूरी आम आदमी पार्टी ने 10 साल की सत्ता के दौरान शिक्षा सुधार एवं प्राइवेट स्कूल फीस जैसे संवेदनशील मुद्दों पर घड़ियाली आंसू बहाये और प्राइवेट स्कूलों पर कोई लगाम नहीं नहीं लगाई। सचदेवा ने कहा कि आज भी कुछ बड़े प्राइवेट स्कूलों की मैनेजमेंट से सांठगांठ में हैं और उनके इशारे पर भाजपा की नवनिर्वाचित सरकार द्वारा फीस नियंत्रण कानून पर भ्रम फैला रहे हैं। सचदेवा ने कहा है कि मनीष

सिसोदिया का शनिवार का ब्यान एक झूठ का पुलिंदा है। सिसोदिया बताएं कि यदि उनकी सरकार ने कथित शिक्षा माफिया पर कोई लगाम लगाई थी तो वो इतनी कमजोर क्यों थी की वह उनके जाते ही टूट गई। यदि कोई कानून था तो इतना कमजोर कैसे निकला, सच तो यह है केजरीवाल सिसोदिया सरकार ने प्राइवेट स्कूलों पर लगाम लगाने के लिए कभी कोई कानून बनाया ही नहीं। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल के दस साल के शासन में सभी छोटे बड़े प्राइवेट स्कूलों की फीस दो से चार गुना बढ़ाई और जो स्कूलों को लेकर मुकदमे चल रहे हैं। सचदेवा ने कहा है कि यह भाजपा सरकार की स्कूल फीस पर छात्रों एवं अभिभावकों के प्रति संवेदनशीलता है कि रेखा गुप्ता सरकार चार माह से कम समय में ऐसा कानून लाई है जिसके चलते कोई भी प्राइवेट स्कूल अभिभावकों की सहमति के बिना स्कूल फीस में कोई वृद्धि नहीं कर सकेंगे। आज जब भाजपा सरकार ने फीस रेगुलेशन पर कानून बनाया है तो पूरी आम आदमी पार्टी बड़े प्राइवेट स्कूलों के इशारे पर भ्रम फैला रही है। उन्होंने कहा कि रेखा सरकार ने एक संवेदनशील सरकार की तरह हर प्राइवेट स्कूल में फीस वृद्धि पर निर्णय के लिए 5 अभिभावकों सहित 11 सदस्य कमेटी बनाई है और स्कूल तभी फीस बढ़ा सकेंगे जब कमेटी एकमत होगी। सचदेवा ने कहा कि बेहतर होगा की मनीष सिसोदिया बड़े बड़े प्राइवेट स्कूलों के इशारे पर प्रोपेगैंडा करने के अपने द्वारा सरकारी स्कूलों में किये स्कूल रूम घोटाले पर एसीबी के सवालों का जवाब दें।

प्रदर्शन...

नई दिल्ली। निजी स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने के खिलाफ अभिभावकों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। फोटो : एजेंसी

तीन महीने में ही बीजेपी ने पैरेंट्स को खून के आंसू रुला दिया : सिसोदिया

नई दिल्ली। निजी स्कूलों की मनमानी पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और नेता विपक्ष आतिशी ने शनिवार को आरोप लगाया कि महज तीन महीने में ही भाजपा ने प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के पैरेंट्स को खून के आंसू रुला दिया है। सिसोदिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भाजपा सरकार बच्चों की पढ़ाई और फीस जैसे गंभीर मुद्दे पर अभिभावकों को अंधेरे में रखकर कानून ला रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्राइवेट शिक्षा माफिया पर हमने 10 साल तक लगाम लगाकर रखी, भाजपा ने आते ही उसे खुली छूट दे दी। उन्होंने कहा कि सरकार जो बिल ला रही है इस बिल में भी असली ताकत शिक्षा माफिया के ही हाथ में रहेगी। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में छोटे-छोटे मासूम बच्चों को छुट्टी के बाद स्कूल में रोककर रखने की सज़ा दी गई। इसलिए क्योंकि उनके माता-पिता स्कूल वैन के नाम पर प्राइवेट स्कूल की लूट बचाना चाहते हैं और खुद उन्हें स्कूल छोड़ने आते हैं। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली के अस्पतालों का तीन महीने में ही बेड़ा गर्क कर दिया है। वहीं दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि प्राइवेट स्कूलों के अभिभावकों ने भाजपा के फीस अध्यादेश का विरोध किया है। सब लोग जानना चाहते हैं कि इस कानून में ऐसा क्या है जो भाजपा उसे छिपा रही है।

तय समय में मिलेंगे दिव्यांगों को चिकित्सा प्रमाणपत्र : इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ समाज कल्याण विभाग मंत्री ने दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व अन्य उपकरण किए वितरित

दिव्यांगजनों को तय समय में और सुगमता से चिकित्सा प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार शीघ्र ही बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगी। इस बात की जानकारी समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को सामाजिक अधिकारिता शिविर में दी। गौरतलब है कि शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मंत्री रविंद्र इंद्राज ने दिव्यांगजनों को निशुल्क ट्राई साइकिल व अन्य उपकरण वितरित किए। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री इंद्राज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सशक्त दिव्यांग-समर्थ भारत' संकल्प को साकार करने की दिशा में दिल्ली सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सतत प्रयासरत है। इसी उद्देश्य से एलिम्को के सहयोग से उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने इस दौरान घोषणा की है कि समाज कल्याण विभाग आगामी जुलाई महीने से प्रत्येक माह की 10 तारीख को एक जिले में सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन करेगा, जिसमें दिल्ली के किसी भी कोने से पात्र लाभार्थी शामिल होकर योजना का लाभ ले सकेंगे। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रह जाए।

अधिकतम तापमान रहा 41 डिग्री से अधिक

भीषण गर्मी, उमस से नहीं मिल रही राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भीषण गर्मी व उमस से दिल्ली वालों को अभी तक राहत नहीं मिली है। मौसम के बिगड़ैल मिजाज का आलम यह है कि शनिवार को भी दिल्ली में अधिकतम तापमान 41 डिग्री से अधिक रहा। लेकिन गनीमत रही कि दो दिन से राजधानी में कहीं भी अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंचा है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार वीकेंड रविवार को दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए अनुमान जताया है कि आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की बारिश, तूफान, बिजली चमकने के साथ तेज हवाएं करीब 30-40 किमी प्रति घंटा चलने का अनुमान जताया है। साथ ही आईएमडी ने अनुमान में जोड़ा है कि आंधी, तुफान, बिजली के दौरान अस्थाई रूप से हवा की गति बढ़कर 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। ताजा भविष्यवाणी में आईएमडी ने सोमवार से अगले कुछ दिनों के लिए ग्रीन अलर्ट जारी करते हुए अनुमान व्यक्त किया है कि इस दौरान अधिकतम तापमान 36-38 डिग्री या इससे ज्यादा भी हो सकता है। जबकि इस दौरान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी, तूफान, बिजली चमकने की संभावना है। बता दें कि मौसम के कड़क मिजाज के चलते आजकल मौसम विभाग की भविष्यवाणियां सच साबित नहीं हो पा रही है। हालात यह है कि लगातार तीन चार दिन से की जा रही बारिश व तेज हवाओं की एक भी भविष्यवाणी सच साबित नहीं हुई है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) ने 11-14 जून 2025 के बीच लगभग प्रत्येक दिन हल्की बारिश से लेकर 30-60 किमी प्रति घंटा की रफतार से हवाएं चलने की भविष्यवाणी जारी की। जबकि इस बीच दो दिन के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया। इस दौरान तापमान बढ़ने को लेकर की गई भविष्यवाणी कुछ हद तक सही साबित हुई। लेकिन इस दौरान बारिश को लेकर की गई अधिकांश भविष्यवाणी खरी नहीं उतरी। शनिवार 14 जून 2025 को येलो अलर्ट के अनुसार खबर लिखे जाने तक मौसम विभाग की भविष्यवाणी खरी नहीं उतरी। आईएमडी ने अपनी भविष्यवाणी में कहा कि दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, बहुत हल्की से हल्की बारिश, गरज के साथ छींटे, तूफान, बिजली चमकने के साथ 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से तेज हवाएं चलेगी। जोकि शाम या रात के समय गरज व तूफान के साथ अस्थाई रूप से हवा की गति बढ़कर 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

राहुल के जन्मदिन पर लगेगा रोजगार मेला
बड़ी कंपनियां देगी हजारों युवाओं को जॉबः यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन 19 जून पर दिल्ली में बेरोजगारों के लिए दिल्ली कांग्रेस कमेटी एक रोजगार मेले का आयोजन करने जा रही है। इस बारे में प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया कि बेरोजगार युवाओं के प्रति राहुल गांधी की सोच को साकार करते हुए दिल्ली कांग्रेस कमेटी और भारतीय युवक कांग्रेस 19 जून को तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा हैं। यादव ने दावा किया की इस मेगा जॉब फेयर में 100 से अधिक शीर्ष कंपनियां सीधी भर्ती करेंगी। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2025 में 15-29 आयु वर्ग के युवाओं के लिए राष्ट्रव्यापी बेरोजगारी दर 13.8 प्रतिशत थी, जिसमें शहरी क्षेत्रों में 17.2 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 12.3 प्रतिशत इस आयु वर्ग की

महिलाओं के लिए यह दर 14.4 प्रतिशत (23.7 प्रतिशत शहरी, 10.7 प्रतिशत ग्रामीण) थी, जबकि पुरुषों के लिए यह 13.6 प्रतिशत (15 प्रतिशत शहरी, 13 प्रतिशत ग्रामीण) थी। उन्होंने कहा कि आंकड़े यह चौंकाने वाला खुलासा भी करते हैं कि 2025 में लगभग 28 मिलियन शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। और 100 मिलियन (ज्यादातर महिलाएं) हतोत्साहित श्रमिक बनने के बाद नौकरी की तलाश करना बंद कर रहे हें। यादव ने कहा कि जब कांग्रेस 15 वर्षों तक दिल्ली में सत्ता में थी, तो उसने युवाओं के लिए न केवल अच्छी आजीविका कमाने के लिए बल्कि उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप नौकरियां पाने के लिए हर स्तर पर नौकरियों का सृजन किया था और मेगा जॉब फेयर भी युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा नौकरी पाने का अवसर प्रदान करेगा। यादव ने कहा कि फ्लिपकार्ट, एयरटेल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा, अमेजन, जेप्टो, टाटा, सैमसंग, हीरो, बजाज, वोल्टास, जस्ट डायल, वोडाफोन, ब्लिंकिट और रेडिसन जैसी प्रमुख कंपनियां उन लगभग 100 कंपनियों में शामिल हैं, जिन्होंने बेरोजगारों की सीधी भर्ती के लिए मेगा जॉब फेयर में भाग लेने पर सहमति जताई है। यादव ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस द्वारा आयोजित मेगा जॉब फेयर बहुत सफल रहा।

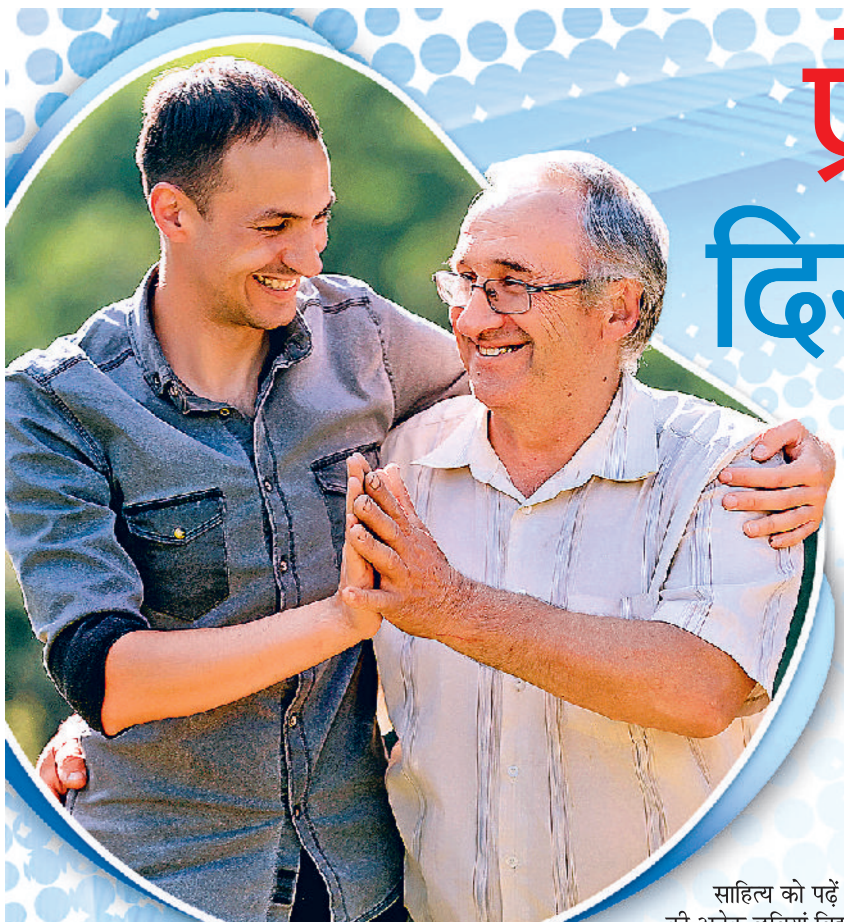

प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता

इसमें संदेह नहीं कि एक संतान के जीवन में पिता की अहमियत को किसी पैमाने से मापा नहीं जा सकता। वह केवल उसे रचते ही नहीं गढ़ते भी हैं। तभी तो पिता की उदात्त भूमिका का वर्णन पुराणों से लेकर हिंदी समेत विश्व साहित्य में विस्तार से किया गया है। हालांकि तकनीकी प्रभाव और आधुनिक जीवनशैली से अकसर पिता उपेक्षित से नजर आते हैं। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि उन्हें सम्मान के साथ अपनेपन का अहसास भी अवश्य कराएं।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब-जब जून का तीसरा रविवार आने को होता है, पिता की छवि आंखों में तैर जाती है। पिता जीवित हों या दिवंगत, इससे उनकी अहमियत पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हम सबने अपने बचपन में पिता का लाड़-दुलार पाया है और जिनके पिता जीवित नहीं हैं, वे भी यह मानते हैं कि जो कुछ भी जिंदगी में बेहतर हुआ है, वह पिता की परवरिश के कारण हुआ है। यद्यपि मां को पृथ्वी का दर्जा दिया गया है और कहा गया है, *माता भूमि पुत्रोहम पृथिव्याः।* लेकिन इसी तरह यदि मां धरती है तो पिता को आसमान कहा गया है- एक ऐसा साया जिसे हर बच्चा महसूस करता है और जिसे किसी भी उम्र का व्यक्ति भूल नहीं पाता। इस संबंध में शायर मेराज फैजाबादी का शेर याद आता है- *मुझको थकने नहीं देता ये जरूरत का पहाड़ / मेरे बच्चे मुझे बूढ़ा नहीं होने देते।*
सचमुच बाल-बच्चों से घिरे परिवार में पिता भी बच्चों में ऐसे घुले-मिले रहते हैं कि अपनी उम्र को पीछे छोड़ देते हैं और कभी थका और बूढ़ा नहीं महसूस करते। कम से कम भारतीय परिवेश में पिता और मां की अनिवार्य उपस्थिति अभी परिवार में होती है और उनकी भूमिका भी निर्णायक होती है। यदि बच्चों के लिए मां एक आत्मीय छाया की तरह हैं तो पिता एक दरख्त की तरह। पारिवारिक रिश्ते बहुत जज्बाती होते हैं। कम से कम हिंदुस्तान में आज भी संयुक्त परिवार महफूज है, जहां पिता की सरपरस्ती में बच्चे फूलते-फलते हैं। बल्कि कहें कि हिंदुस्तान में बच्चे अभी भी पिता, मां और बुजुर्गों के मजबूत संरक्षण में रहते हैं तो अतिशयोक्ति न होगी।

पिता होने का मतलब

पितृ दिवस पर जब हम पिता का स्मरण करते हैं तो यह मान कर चलते हैं कि हर एक के भीतर उसके पिता की स्नेह छाया या उसकी मधुर स्मृतियां मौजूद हैं। पिता एक ऐसी संज्ञा है, जिसकी परवरिश के बिना एक बच्चा बड़ा तो होता है लेकिन समग्रता के साथ परिपक्व नहीं हो सकता। पिता की छाया के बगैर बड़े होने वाले बच्चे, ऐसी संवेदना से वंचित रह जाते हैं, जिसमें पारिवारिकता, प्रेम-स्नेह, संस्कार और अभिभावक तत्व के रंग घुले होते हैं। पिता होना केवल एक जैविक इकाई को जन्म देने का श्रेय लेना भर नहीं है बल्कि उन जिम्मेदारियों से भरा होना भी है, जिन्हें पूरा करते हुए वे एक बच्चे को इंसानियत की जीवंत धड़कन के रूप में सहेजते हैं।

विश्व साहित्य में पिता

अकसर पिता के प्रेम को इस रूप में देखा जाता है, जैसे कि वे मां की तरह प्रेम का दिखावा नहीं कर पाते। इस संबंध में हमारे समय के कवियों ने पिता को लेकर बहुत कुछ लिखा है। दुनिया भर के साहित्य को पढ़ें तो पाएंगे कि उनमें पिता की अनेक छवियां विद्यमान हैं। सिल्विया प्लाथ की कविता 'डायरी' इसका एक उदाहरण है तो मार्क इरविन ने भी अपने पिता को आत्मीय संस्मरणों में बांधा है। अपने पिता की कमीज को धोते हुए पोलिश कवयित्री अन्ना स्विर भी जिस मार्मिकता से अपने पिता को याद करती हैं, वह उल्लेखनीय है। वे कहती हैं, 'आखिरी बार मैं धोती हूं कमीज अपने पिता की, जो गुजर गए, कमीज से पसीने की गंध आती है। ये गंध मुझे बचपन से याद है।'

हिंदी कविता में पिता

पिता को लेकर हिंदी के कवियों ने भी तमाम कविताएं लिखी हैं, जिनसे पता चलता है कि कवि, पिता जैसे रिश्ते को लेकर कितने गंभीर हैं। एक पिता के रूप में हिंदी के ख्यात कवि निराला ने अपनी बेटी सरोज पर जो कविता 'सरोज स्मृति' लिखी, वह हिंदी की अमर और अत्यंत मार्मिक शोक गीतिका बन गई।

एक कहावत है कि मां का प्रेम दिखाई देता है, जबकि प्रेम पिता भी करता है पर उसका प्रेम दिखाई नहीं देता। इसी आशय के भाव को जाने-माने कवि चंद्रकांत देवताले ने अपनी एक कविता में व्यक्त किया है। वह कहते हैं, *तुम्हारी निश्छल आंखें तारों सी चमकती हैं/मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में/प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता/ईश्वर की तरह होता है।* हिंदी के सुधी गीतकार यश मालवीय का पिता पर लिखा यह गीत खासा प्रसिद्ध है- *तुम छत से छाये/ जमीन से बिछे, खड़े दीवारों से/तुम घर के आंगन, बादल से घिरे/रहे बौछारों से।*

ये तो बानगी भर है। हिंदी के पुराने दौर के सुविख्यात कवियों से लेकर नए दौर के कवियों तक ने पिता पर अपने-अपने नजरिए से अनेक यादगार कविताएं लिखी हैं।

केवल दिखावे के लिए न हो लगाव

हर बार पिता दिवस आता है, जो हमें भावुक बना देता है। जिन्हें पिता का स्नेह मिला है, वे उन्हें बहुत ही आत्मीयता से याद करते हैं पर जिन्हें पिता का स्नेह नहीं मिला, वे कितनी कचोट अनुभव करते होंगे आज के दिन। पर विडंबना है कि पिता को याद करने का जो ढंग आज समाज में प्रचलित है, वह कुछ ज्यादा ही दिखावटी लगता है। जितनी श्रद्धा का ज्वार सोशल मीडिया पर पिता के प्रति उमड़ता है, क्या इसका पचास प्रतिशत भी वाकई आज की पीढ़ी अपने पिता से वैसा ही स्नेह करती है? यह सवाल बेमानी नहीं है कि आज समाज में संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। प्रायः शहरी परिवारों में पति-पत्नी और बच्चे के अलावा पिता या मां का स्थान नहीं रहा। वे यदि हैं तो अलग रिहाइश में रह रहे हैं। लिहाजा मां-पिता या तो गांव कस्बे में छूट जाते हैं या रहते भी हैं तो बदतर स्थिति में। तो सवाल है, क्या पिता दिवस पर उमड़ने वाला प्रेम केवल दिखावा भर है?

बहरहाल, आज पिता दिवस के मौके पर आशा कर सकते हैं कि जज्बातविहीन होती दुनिया में पुराने जज्बात फिर लौटें, पिता के प्रति बच्चों में आदर पनपे। वे दिखावे में नहीं, सच्चे आदर और स्नेह में भरोसा करें ताकि पारिवारिक संरचना में पिता केवल जन्मदाता के रूप में प्रमाणपत्रों में दर्ज भर होने के लिए न रहें, वह पारिवारिक स्नेह की धुरी भी बने रहें, जहां बच्चों के बीच वह भी सुख हासिल कर सकें। k

पौराणिक ग्रंथों में पिता की महत्ता

विश्व के प्राचीनतम माने जाने वाले ग्रंथ ऋग्वेद में पिता की महत्ता गाई गई है। उन्हें ही शिशुओं का रक्षक माना गया है। ऋग्वेद में ही पिता को अग्नि के तुल्य माना गया है। इस तरह परिवार में पिता एक मेरुदंड के समान होता है, जो शिशु के प्रति कल्याणकारी भावना रखता है। 'रामायण' में भी यह लिखा गया है-

पिता धर्म पिता कर्म पिता हि परमं तपः
पितरि प्रीतिमापन्ने प्रीयंते सर्व देवताः

पुत्र के प्रति पिता के स्नेह का उदाहरण राजा दशरथ भी हैं, जो राम के वन जाने के प्रसंग से उबर नहीं पाए और अपने प्राण त्याग दिए। 'महाभारत' में भी पिता के प्रति त्याग के अनुपम उदाहरण के रूप में भीष्म को देखा गया है। यक्ष के प्रश्नों के उत्तर में भी युधिष्ठिर ने माता को भूमि से बड़ा तथा पिता को आकाश से ऊंचा बताकर पिता की गरिमा को स्थापित किया। शास्त्रों में भी कहा गया है कि पिता का दायित्व है कि संतान को सम्यक शिक्षा दे-

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।

यानी, जो मां पिता बच्चे को तालीम नहीं दिलाते वह बच्चे के शत्रु समान हैं।

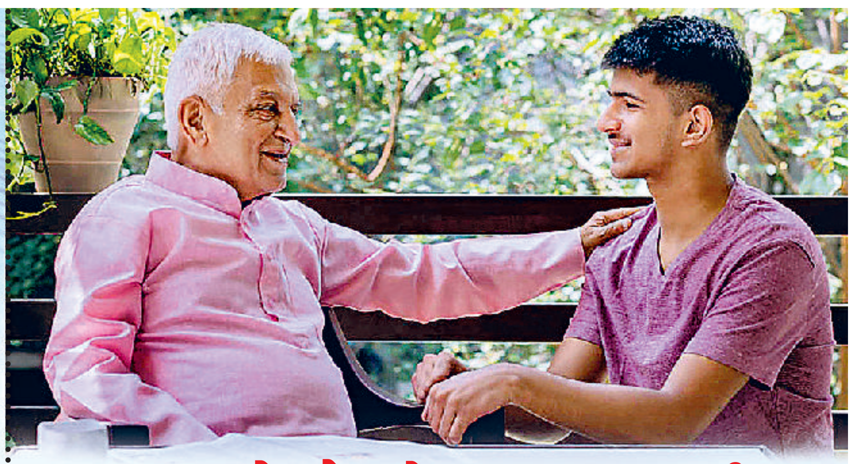

बदलते दौर के साथ बदलती पिता की छवि-भूमिका

भारतीय परंपरा में पिता को देवतुल्य माना गया है। लेकिन समय में बदलाव के साथ पिता की छवि और भूमिका में लगातार बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं। वक्त के साथ बदलती पिता की भूमिका और छवि पर एक नजर।

बदलाव / कल्पना मनोरमा

बीते दौर के पिता को याद करें तो एक ऐसा व्यक्ति याद आता है, जिसके गंभीर चेहरे पर ऊपर की ओर तनी भवें और आंखों के किनारों में आक्रोश का गुबार भरा हुआ दिखता था। हंसी-मजाक की बात पूछना-करना तो दूर, सीधी बात पूछने में भी बच्चों के आसन ढीले होते थे। फिर भी विगत सदी के परिवारों की रीढ़, पिता ही होते थे। मां सहित बच्चों को भरोसा होता था कि पिता घर लौट आए हैं, अब किसी भी तरह की कमी नहीं रहेगी। जो जिस हैसियत का हुआ, मौन होकर पिता परिवार पर सुख लुटाता था।

साठ और सत्तर के दशक के पिता लोहे की तरह सख्त और आत्मा से कोमल होते थे। वे अपने हाथों में रिश्तों की खुशबू और माथे पर जिम्मेदारी की लकीरें लिए मौन फर्ज निभाने में विश्वास करते थे। तब के पिता अपने दुःख बच्चों के आगे इसलिए नहीं कहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि बाल-सपने कांच की तरह होते हैं, जरा से तनाव में टूट जाएंगे। इसलिए खुद के जीवन को किनारे कर बच्चों के सुख-साधन मुहैया कराने की कोशिश हमेशा बनी रहती थी। यानी, तब पिता का प्यार शब्दों में नहीं, उनके कार्यों में झलकता था। जबकि वे बस्ता टांग कर बच्चों को स्कूल के गेट तक नहीं पहुंचाते थे। न मेले में लेकर जाते थे। न सर्दियों में सुबह सबसे पहले उठ कर बच्चों के लिए पानी गरम करते थे। तब पिता माने अनुशासन! पिता भी अपना होना अनुशासन से ही जानते थे। पहले खुद अनुशासित रहते थे, फिर उसी पगडंडी पर संतान को चलते हुए देखने के अभिलाषी बन जाते थे। तब के पिता जानते थे, बच्चे प्यार से बिगड़ जाते हैं। इसलिए पिता बिन बोले प्रेम की छांव देने में भरोसा करते थे। मंगलेश डबराल अपनी एक कविता में कहते हैं, 'जब मैं छोटा था, मेरे पिता मुझे बड़े होते देख रहे थे। / अब जब वे छोटे हो रहे हैं, मैं उन्हें बड़ा होते देखता हूं।' यानी, बच्चे जब दुनिया की ओर कदम बढ़ा रहे होते थे, उनके पिता मौन होकर उन्हें देखते रहते थे। और जब पिता दुनिया से बाहर की ओर सरकना शुरू कर देते थे तो उनके बच्चे भी मौन होकर ही, उन्हें देखते रहते थे। सब कुछ अच्छा होने के बावजूद संवादहीनता के मारे पिता पीड़ा सहते रहते थे और संतान के रूप में अपनी ही प्रतिकृति अगली पीढ़ी को सौंप जाते थे।

धीरे-धीरे बदलने लगी छविः कुछ समय और सरका तो पिता की छवि और भी बदल गई। ये अस्सी-नब्बे का समय होगा, जब गांव, शहर की ओर दौड़ने लगे थे। उच्च वर्गीय पिताओं के तौर-तरीके सीखकर मध्यमवर्गीय पिता भी अपने परिवार को अलग सुगंधि से भरने लगे थे। अब पिता बदलते हुए अपने समाज में सहिष्णुता लिए मुखर चेहरा बन रहे थे। पिता के हाथ से संस्कार की डोर थोड़ी सी ढीली पड़ने लगी, लेकिन प्रेम से भरे पिता छलकने को आतुर दिख रहे थे। बच्चे पिता के साथ खेलने, हंसने, बोलने और सोने-जागने लगे। अपनी इच्छा प्रकट करने के लिए बच्चों को मां की आवाज की दरकार मिटने लगी। पिता बेटे-बेटियों के बाल भी संवारने लगे। होमवर्क और प्रोजेक्ट में हाथ बंटाने लगे। बेटे की मनोस्थिति समझने के लिए उसे टूर पर ले जाने लगे तो बेटी के लिए सेनेटरी नैपकिन भी लाकर देने लगे। माने अब पिता सिर्फ कमाने वाली मशीन नहीं, 'भावनात्मक उपस्थिति' भी बनने की चाह लिए आधुनिकता के साथ कदमताल करने की ओर मुखातिब हो गए। उनके संघर्ष अब सिर्फ बाहरी नहीं, खुद को बदलने के लिए भी चल रहे थे। अब पिता खुद से, समाज की अपेक्षाओं से और समय के साथ चलते बच्चों के मनोविज्ञान से रू-ब-रू होना चाहते थे। अब पिता खेलने में, सुनने में, गले लगाने में विश्वास करना चाहते थे लेकिन अदब की एक लकीर पिता-पुत्र के बीच खींची तब भी रहती थी।

नई सदी में नए पिताः सदी बदली तो पिता और भी बदल गए। आज के पिता बच्चों से प्रश्न करने से पहले स्वयं से प्रश्न करना चाहते हैं। किसी बिगड़े काम पर बच्चों को डांटने से पहले अपने पर डाउट करना सीख रहे हैं। बार-बार विगत में आवाजाही कर खुद से प्रश्न करते हैं कि 'क्या मैं अपने पिता और दादा जितना ठोस और ठस तो नहीं हूं?' 'क्या मैं अपने बच्चे के मन में जगह बना पाया हूं?' नई सदी के नए पिता, डिजिटल सफर पर भी निकल चुके हैं। बच्चों की 'हेल्दी डाइट' के बाबत यूट्यूब से खाना बनाना भी सीखकर बच्चों समेत उनकी मां को इंप्रेस करने के फिराक में भी रहते हैं। जीवन को सुगम बनाने के टिप्स जहां से मिलें, पिता सीखना चाहते हैं। लेकिन यह नया युग इतना भी सहज नहीं, जितना दिखता है। सूचना और ज्ञान की सहज उपलब्धता पिता-पुत्र को भावशून्य बना रही है। असंवेदनशीलता के इस दौर में चरणस्पर्श जैसी बात रही ही नहीं। अब तो 'हे डूड' 'हाय डैड' ने इनकी जगह ले ली है। आधुनिक पिता अनजाने में सही, अपने बच्चे को सोशल ब्रांड बना रहे हैं।

कहने का सार यही है कि समय कोई भी रहा हो, पिता का अपनी संतान से जुड़ाव में तो कोई अंतर नहीं आया है, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति और भूमिका में अंतर आता गया, जिसे पिता सहर्ष स्वीकार भी रहे हैं। k

गजल
अशोक 'अंजुम'

बाबूजी !

बेटे पर विश्वास करो यों मत घबराओ बाबूजी!
जो मन आए करो इशारा, पीयो-खाओ बाबूजी!

खूब किया है जीवन-भर ही नहीं कभी आराम किया
अब सुकून से घर पर बैठो, हुकुम चलाओ बाबूजी!

कब तक बेटों की उतरन से हर त्योहार मनाओगे
कसम आपको अब की कपड़े नए सिलाओ बाबूजी!

जिम्मेदारियों ने जीवन-भर नहीं निकलने दिया कभी
अम्मा के संग तीरथ जाओ, गंग नहाओ बाबूजी!

बोनस आज मिला है मुझको अकस्मात ही दफ्तर से
कहां खर्च करना है इसको, जरा बताओ बाबूजी!

राग-रागिनी, आल्हा-ऊदल सबके सब बिसरा बैठे
अब फुर्सत है झूम-झूम कर ढोला गाओ बाबूजी!

कष्ट कोई हो उसे छिपाकर हरदम मुस्काते रहते,
कहां दर्द है, यूं न छिपाओ, हमें बताओ बाबूजी!

लघुकथाएं

पिता की चिंता

शुभम ने स्कॉलरशिप का फॉर्म भरा था। आज उसकी परीक्षा थी। स्कूली परीक्षा से इतर यह उसके जीवन की पहली परीक्षा थी। रजनी सुबह से ही पति सुमित को देख रही थी। बेटे से ज्यादा पिता चिंतित दिख रहे थे। सुबह बेटे को उन्होंने ही जगाया फिर जल्दी-जल्दी नहाकर तैयार हो गए। कुछ खाए बगैर ही उसे एग्जाम सेंटर तक छोड़ने चले गए।

शुभम ने कितना कहा, 'पापा आप क्यों परेशान हो रहे हैं? मैं रिक्शे से अकेला ही चला जाऊंगा। मैंने सेंटर गूगल पर सर्च कर लिया है।' लेकिन सुमित नहीं माने।

'तुम्हें छोड़कर मैं लौट आऊंगा बेटा।' कहकर सुमित साथ चल पड़े। स्कूल गेट के भीतर जाने से पहले तक उन्होंने बेटे को परीक्षा के दौरान एहतियात रखने वाली जरूरी हिदायतें दीं। जब शुभम स्कूल में प्रवेश कर गया तो सुमित घर लौट आए।

परीक्षा आठ बजे से ग्यारह बजे तक होनी थी। इतना समय वहां रुकना व्यर्थ था। घर से बस आधे घंटे का रास्ता था। दोबारा जाया जा सकता था।

लेकिन यह क्या! अभी दस भी न बजे थे कि सुमित फिर तैयार हो गए।

'कहां चल दिए?' रजनी ने पूछा।

'शुभम को लेने।' सुमित ने जवाब दिया।

रजनी बोली, 'उसे रिक्शे के पैसे दे तो दिए हैं, वो खुद आ जाएगा।'

'अभी तेरह साल का ही तो है। कहीं भटक गया तो?' सुमित ने चिंता जताई।

रजनी ने कहा, 'पर अभी तो बहुत समय है।'

'तो क्या हुआ। पेपर पहले खत्म करके शुभम बाहर आ गया तो..।' सुमित बोले।

'समय से पहले किसी को बाहर नहीं आने दिया जाएगा।' पत्नी ने समझाया, लेकिन सुमित नहीं माने। इधर-उधर की बातें समझाने लगे।

अभी तक रजनी ने सुमित को बेटे को डांटते-डपटते ही देखा था। उसे लगता था, सुमित को बेटे की कोई परवाह नहीं रहती। हर समय उसे डांट-फटकार लगाने का बहाना ढूंढते रहते हैं। सुमित के भीतर यह पिता आज पहली बार रजनी ने देखा।

खुशी-खुशी बोली, 'अच्छा जाओ, शुभम आपकी राह देख रहा होगा।'

पत्नी की सहमति पाते ही सुमित हर्षित मन से बेटे को लेने चल पड़े। k

-सरस्वती रमेश

भरोसे का पुल

'अब क्या होगा पापा?' तकनीक की धोखाधड़ी का शिकार हुई बेटी की आंखों में आंसुओं के साथ भय भी उतर आया।

'होना क्या है, कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुनकर फेक वीडियो बनाने वाले को सजा दिलवानी है।' वे बिना किसी उलझन और संदेह के एक सांस में यह बात कह गए।

'यह मैं नहीं हूं पापा, यह वीडियो मेरा नहीं है। जाने कैसे मेरी तस्वीरें चुराकर यूं अभद्र शब्दों और अश्लील दृश्यों से जोड़ दिया है किसी ने?' हैरत और पीड़ा का यह मिला-जुला स्वर पिता का मन भेद गया।

'कॉलेज की दूसरी लड़कियों के साथ भी ऐसा हुआ है। आप चाहें तो उनसे पूछ लें।' स्पष्टीकरण देती बिटिया का हाथ पकड़कर पिता बोले, 'किसी से कुछ नहीं पूछना है मुझे।

पुरानी पीढ़ी का जरूर हूं पर यह अच्छे से समझता हूं कि आधुनिक तकनीक ने बहू-बेटियों का जीवन दुश्वार करने वाली आपराधिक मानसिकता और असुरक्षा के नए रास्ते खोल दिए हैं।'

फिर थोड़ा संयत होकर कहा, 'तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो, बस।

हमारे बीच भरोसे का एक मजबूत पुल है मेरी बेटी।' आश्वस्ति भरी यह बात सुनकर भी जीवन की जद्दोजहद समझने की कच्ची-पक्की उम्र के मोड़ पर खड़ी बिटिया ने चिंतित स्वर में पूछा, 'सब लोग क्या कहेंगे पापा?

आस-पड़ोसी और सगे-संबंधी कैसे-कैसे सवाल करेंगे अब?'

वे दुधमुंही बच्ची को छोड़कर दुनिया से विदा ले लेने वाली पत्नी की दीवार पर लगी तस्वीर की ओर देखते हुए बोले, 'कौन करेगा सवाल और क्यों करेगा? किस अधिकार से पूछेगा कोई प्रश्न?

तुम्हारे पालन-पोषण की मुश्किल यात्रा के बीते अठारह वर्ष में जो कुछ पूछने नहीं आए वे किस अधिकार से एक फेक वीडियो को लेकर वास्तविक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछ सकेंगे?'

बेटी का हाथ थामकर समझाइश देते हुए पिता के रुंधे गले की आवाज बेहद स्पष्ट थी। k

-मोनिका शर्मा

खबर संक्षेप

यूपी में मुक्तेश ने किया टॉप, देश में 36वीं रैंक

फिरोजाबाद। केंद्रीय विद्यालय ओईएफ हजरतपुर के छात्र मुक्तेश तन्मय ने नीट 2025 की परीक्षा में

शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया 36 रैंक हासिल की है। जनरल वर्ग में मुक्तेश की 28वीं रैंक है। मुक्तेश ने बायोलॉजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री विषयों में 99 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए। मुक्तेश कुल 720 में से 661 अंक हासिल किए।मुक्तेश की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

6 जिलों के एसपी समेत 18 आईपीएस का तबादला

पटना। राज्य सरकार ने 18 आईपीएस का तबादला किया है। पटना के एसएसपी अवकाश कुमार

सहित 6 जिलों के एसपी बदले गए हैं। पूर्णिया के एसपी कार्तिकेय शर्मा को पटना का एसएसपी तथा पटना पूर्वी के सिटी एसपी के रामदास को बिहार पुलिस अकादमी का सहायक निदेशक सह एसपी, मध्य सिटी एसपी स्वीट व पश्चिमी एसपी सरथ आरएस को सुपौल का एसपी बनाया गया है।

सड़क दुर्घटनाः बीएसएफ जवान सहित 3 की मौत

वाराणसी। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के ठटरा गांव स्थित वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर बने अंडरपास

ब्रिज पर चढ़ते ही दर्दनाक हादसे में तीन की मौत हो गई। सर्विस मार्ग पर शनिवार की दोपहर करीब 11 बजे प्रयागराज की ओर से आ रही एक कार ट्रक से टकराकर डिवाइडर पर चढ़ गई। करीब 50 मीटर तक घसीटती गई। सर्विस मार्ग पर नाचते हुए एक दुकान के पास जाकर रुक गई।

वाराणसी पहुंचे मोरारी बापू, बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रामकथा वाचक मोरारी बापू शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे और काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लिया और मंदिर की भव्यता की प्रशंसा की। बापू ने विश्वनाथ कॉरिडोर को सनातन आस्था का विराट स्वरूप बताया और कहा कि काशी में कथा कहना एक साधना है। उनके आगमन पर श्रद्धालुओं में उत्साह था और उनका भव्य स्वागत किया गया।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रामकथा वाचक मोरारी बापू शुक्रवार को धर्मनगरी काशी पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। मोरारी बापू ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। बाबा के नव्य-भव्य धाम की भव्यता को निहारते हुए उन्होंने कहा कि "अद्भुत है बाबा का दरबार, यहां आकर मन आत्मविभोर हो गया। जो भी यहां आता है, वह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है।" विश्वनाथ कॉरिडोर की भव्यता से अभिभूत मोरारी बापू ने कहा कि यह सिर्फ एक कॉरिडोर नहीं, बल्कि सनातन आस्था का विराट स्वरूप है। उन्होंने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि मुझे बाबा का साक्षात दर्शन प्राप्त हुआ और मुझे काशी में कथा कहने का भी अवसर मिल रहा है। यह मेरे जीवन की सबसे पावन अनुभूतियों में से एक है।

खास बातें

- आज से मानस सिंदूर कथा, जून तक होगा आयोजन
- एक कॉरिडोर नहीं, बल्कि सनातन आस्था का विराट स्वरूप है

अनुयायियों ने फूल बरसाए, जयकारों से स्वागत किया

मोरारी बापू के आगमन पर श्रद्धालुओं और उनके अनुयायियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। विश्वनाथ धाम परिसर में भी उनके पहुंचते ही भक्ति और श्रद्धा का वातावरण और भी दिव्य हो गया। काशी के संतों और श्रद्धालुओं ने मोरारी बापू का पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ स्वागत किया। बापू ने काशी को आत्मा की नगरी बताते हुए कहा कि यहां कथा कहना केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक साधना है। यह नगरी हर कथावाचक के लिए सपना होती है और मेरे लिए यह सपना आज साकार हो गया।

5 साल का ब्लू प्रिंट तैयार किया गया

1.29 लाख करोड़ से यूपी के शहरों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

महिलाओं,बच्चों की सुरक्षा के लिए 350 करोड़ की सुरक्षित शहर योजना बनाई गई है। बुजुर्गों की देखभाल के लिए 850 करोड़ और पशुओं की देखरेख के लिए 525 करोड़ की योजनाएं शामिल हैं।

यूपी के शहरों को बेहतर बनाने के लिए 2026 से 2031 तक एक बड़ी योजना बनाई गई है। इस योजना पर कुल 1.29 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसका मकसद है शहरों को ज्यादा साफ, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाना. हाल ही में यह योजना केंद्र सरकार को दिखाई गई है, जिसमें अगले पांच सालों में किए जाने वाले कामों का पूरा खाका बताया गया है। इसमें सड़कों, नालों और दूसरे बुनियादी ढांचे को सुधारने के साथ-साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की जाएगी। योजना में बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और जानवरों की ज़रूरतों का भी ध्यान रखा गया है। साथ ही, तकनीक और पर्यावरण से जुड़ी चीजों को भी महत्व दिया गया है।

खास बातें

- शहरों में बेहतर सड़क नेटवर्क के लिए 30,000 करोड़ खर्च
- जलभराव रोकने के लिए 27,500 करोड़ की ड्रेनेज योजना

साफ पानी पहुंचाने के लिए 9900 करोड़ की योजना

इनके रखरखाव के लिए अलग से 5,387 करोड़ का बजट रखा गया है। हर घर में साफ पानी पहुंचाने के लिए 9,900 करोड़ की योजना है और इसकी मरम्मत व देखरेख के लिए 8,286 करोड़ रखे गए हैं। शहरों को हरा-भरा और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए इस योजना में 1,265 करोड़ की हरियाली और बागवानी से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा 990 करोड़ की लागत से इलेक्ट्रिक श्मशान घाट बनाए जाएंगे, जिससे प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी. 17 बड़े शहरों और 3 एनसीआर क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए 3120 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसका मकसद लोगों को साफ और सुरक्षित हवा देना है।

15,000 करोड़ सीवरेज और शौचालयों से जुड़े प्रबंधन पर होंगे खर्च

इस योजना का सबसे बड़ा हिस्सा शहरों में बेहतर सड़क नेटवर्क बनाना है, जिसके लिए 30,000 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इससे शहरों के अंदर आने-जाने में आसानी होगी और पास के कस्बों से भी बेहतर जुड़ाव होगा, जिससे व्यापार और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। शहरों में जलभराव रोकने के लिए 27,500 करोड़ की ड्रेनेज योजना बनाई गई है। यह योजना बरसात के पानी को सही तरीके से निकालने में मदद करेगी। साफ-सफाई और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 15,000 करोड़ सीवरेज और शौचालयों से जुड़े प्रबंधन पर खर्च होंगे।

पशुओं की देखरेख के लिए 525 करोड़ की योजनाएं

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए 350 करोड़ की सुरक्षित शहर योजना बनाई गई है। बुजुर्गों की देखभाल के लिए 850 करोड़ और पशुओं की देखरेख के लिए 525 करोड़ की योजनाएं शामिल हैं। लोगों के लिए सामुदायिक सभाएं, कसरत और सफर आसान बनाने के लिए 1450 करोड़ के सभागार, 1000 करोड़ के खुले जिम और 5935 करोड़ की शहरी यातायात व्यवस्था पर भी काम होगा।

फिर ले गए राबड़ी आवास

पाल महासम्मेलन के मंच पर भेड़ घुमाने लगे तेजस्वी

एजेंसी ▶▶ पटना

पटना में आयोजित पाल महासम्मेलन में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का अलग ही अंदाज नजर आया। जब मंच पर भेड़ घुमाते दिखे। दरअसल पाल समाज की ओर से उन्हें एक भेड़ गिफ्ट की गई थी। जिसे वो अपने साथ राबड़ी आवास ले गए। दरअसल दरअसल, पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में शनिवार को पाल महासम्मेलन का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को बुलाया गया था। तय समय पर तेजस्वी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एसकेएम हॉल पहुंच गए। पाल समाज के लोगों ने माला और गुलदस्ता की जगह भेड़ गिफ्ट कर उनका स्वागत किया।

सरकार आई तो महिलाओं को हर महीने 2500

मंच पर भेड़ को देखकर वहां मौजूद लोग थोड़ी देर के लिए हैरान रह गए। तेजस्वी ने भेड़ के गले में बंधे रस्सी को पकड़ा और उसे मंच पर घुमाने लगे। तेजस्वी यादव ने इस गिफ्ट को स्वीकार किया और उसे अपने साथ राबड़ी आवास लेकर चले गए, जहां अब भेड़ की देखभाल होगी। इस मौके पर तेजस्वी ने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार आई तो माई-बहन योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए देंगे। उन्होने कहा कि बीजेपी आरक्षण खत्म करना चाहती है। आप लोग लालू की ताकत हैं। तेजस्वी ने कहा कि हम को दुख होता है, बिहार सबसे गरीब राज्य, पलायन हो रहा, बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। 20 साल से नीतीश कुमार सीएम हैं, 11 साल से नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। लेकिन बिहार का क्या विकास हुआ?

पेज एक का शेष

राजस्थान के महेश....

उम्मीदवार परीक्षा में अनुपस्थित रहे। 2142567 कैंडिडेट्स इस परीक्षा में शामिल हुए थे। इस साल कुल 12,36,531 उम्मीदवारों ने नीट यूजी परीक्षा पास की है।

शनिवार सुबह जारी ...

गए हैं। बुकलेट 46 में सवाल नंबर 14 का सही जवाब 1 से बदलकर 1,4 किया गया है। बुकलेट 47 में इसी तरह सवाल नंबर 20 का सही ऑप्शन 3 से बदलकर 2,3 किया गया है, जबकि बुकलेट 48 में सवाल नंबर 15 का सही ऑप्शन 4 से बदलकर 3, 4 किया गया है।

'संकल्प से सिद्धि तक' ...

लिए गए निर्णयों और सरकार की योजनाओं की जानकारी बैठक में रखी। जबकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संगठन से जुड़े अहम मुद्दों को भी बैठक में रखा। सभी मुद्दों पर गहनता से चर्चा की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, प्रदेश सह प्रभारी सुरेन्द्र सिंह नागर, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डॉ. सुधा यादव, कैप्टन अभिमन्यु, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सुनीता दुग्गल, सुभाष बराला, रामबिलास शर्मा सहित हरियाणा के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। सबसे पहले सभी नेताओं ने अहमदाबाद प्लेन क्रश की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के प्रार्थना की गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ हर लाभार्थी तक पहुंच सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जिलों में संगठनात्मक नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता केंद्रीय नेतृत्व से मिले हर अभियान को सफल बना रहे हैं जिसकी इस बैठक में सभी नेताओं ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कर्मठता से काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और राव इंद्रजीत सिंह ने भी केंद्र सरकार की तरफ से हरियाणा में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को सबके सामने रखा।

आज से साइप्रस,...

ऐतिहासिक होगा। क्योंकि किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली क्रोएशिया की यात्रा होगी। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में किए गए आतंकी हमले के जवाब में पिछले महीने 7 जून को की गई भारत की ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकवादियों के कुल 9 कैंपों को नेस्तनाबूद करने के बाद यह पहला मौका है। जब प्रधानमंत्री विदेश यात्रा करेंगे।

साइप्रस के राष्ट्रपति ने दिया निमंत्रणः मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का पहला पड़ाव साइप्रस होगा। जहां पर वह 15 से 16 जून तक रहेंगे। इस यात्रा के लिए उन्हें साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने आमंत्रित किया है। बीते दो दशक से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा की जा रही साइप्रस की यह पहली यात्रा होगी। राजधानी निकोसिया पहुंचने पर पीएम नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी और लीमासोल में व्यापारिक समुदाय को संबोधित करेंगे। यह यात्रा दोनों देशों द्वारा आपसी संबंधों को और अधिक गहराई प्रदान करने के लिए प्रदर्शित की गई साझा प्रतिबद्धता को दर्शाएगी। इसी के साथ भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत का जुड़ाव और अधिक मजबूत होगा।

कनाडा में जी-7 सम्मेलन में होगी भागीदारीः यात्रा के दूसरे पड़ाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 से 17 जून तक कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनानसकीस की यात्रा करेंगे। यह उनकी लगातार जी-7 सम्मेलन में की जाने वाली छठी भागीदारी होगी। सम्मेलन के दौरान पीएम जी-7 समूह देशों, आउटरीच देशों के नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ अत्यंत महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों जैसे ऊर्जा, सुरक्षा, तकनीक, नवाचार, कृत्रिम मेधा-ऊर्जा गठजोड़ और क्वांटम) पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। सम्मेलन में कनाडा समेत अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, इटली के शीर्ष नेता मौजूद रहेंगे। जिसे देखते हुए प्रधानमंत्री की कुछ देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी।

भारतीय पीएम की क्रोएशिया की पहली यात्राः प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा का अंतिम पड़ाव (18 जून) क्रोएशिया होगा। उनकी यह यात्रा बेहद ऐतिहासिक होगी। क्योंकि वह क्रोएशिया की यात्रा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री होंगे। जिसके लिए उन्हें क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक ने आमंत्रित किया है। यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के लिए भी मील का पत्थर साबित होगी। क्रोएशिया में प्रधानमंत्री की अपने समकक्ष और क्रोएशिया के प्रधानमंत्री प्लेंकोविक के साथ द्विपक्षीय वार्ता होगी। साथ ही वह क्रोएशिया के राष्ट्रपति जोरान मिलानोविक के साथ मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा भारत के यूरोपीय संघ (ईयू) के तमाम भागीदारों के साथ अपने संबंधों को मजबूती प्रदान की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करेगी।

एक्सिओम-4 मिशन...

देखी गई समस्या को जिम्मेदारी के साथ हल करने के लिए काम कर रहा है, जिसके कारण एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) में देरी हुई।

जन्मदिन वाले दिन...

खोल दिया जाएगा। बकायदा टिकटिंग की व्यवस्था होगी। सुरक्षा के तमाम नियम कायदे आम जनता के लिए वैसे ही सख्त होंगे जैसे दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन के लिए जाने वक्त होता है। मजे की बात ये रही कि योजना के शुरू होते ही बड़ी बड़ी मशीनरीज के राष्ट्रपति आशियाना के भीतर जाने की जगह नहीं थी। कुछ पेड़ों को काटा जाने लगा तो राज्य की फॉरेस्ट टीम, स्थानीय पुलिस सभी मौके पर पहुंच गये। बाद में योजना की जानकारी मिलने के बाद सीआईएसएफ जवानों की तैनाती सुनिश्चित की गई।

दिल्ली, हैदराबाद, मशोबरा के बाद देहरादूनः सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति दौरे के दौरान खुद राष्ट्रपति निकेतन को आम जनता के लिए खोलने की तैयारियों का जायजा लेंगी। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रपति भवन और इसकी विरासत को जनता के साथ जोड़ना है, जैसा कि पहले राष्ट्रपति भवन (दिल्ली), राष्ट्रपति निलयम (हैदराबाद), और राष्ट्रपति निवास (मशोबरा) के साथ किया गया है। अब उत्तराखंड को भी इस ऐतिहासिक विरासत को संजाने का मौका मिलेगा। राष्ट्रपति निकेतन में अब कलाकृतियों का एक संग्रह प्रदर्शित किया गया है, जो इसकी समृद्ध विरासत को दर्शाता है। पहले इसका उपयोग राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के घोड़ों के प्रशिक्षण के लिए होता था।

132 एकड़ में बनेगा राष्ट्रपति उद्यानः सूत्रों ने बताया कि इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू 20 को राजपुर रोड की दूसरी तरफ स्थित राष्ट्रपति आशियाना परिसर में 132 एकड़ में बनने वाले विश्व स्तरीय इकोलॉजिकल पार्क (राष्ट्रपति उद्यान) की आधारशिला रखेंगी। इस पार्क का निर्माण उत्तराखंड सरकार और राष्ट्रपति कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह पार्क पर्यावरण के अनुकूल होगा और इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक विरासत के रूप में विकसित किया जाएगा। पार्क देहरादून को एक नई पहचान देगा और स्थानीय लोगों के लिए योग, ध्यान, शारीरिक गतिविधियों, और सामुदायिक कार्यक्रमों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। इसका निर्माण कार्य 2026 में पूरा होने की उम्मीद है, जिसके बाद इसे जनता को समर्पित किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि तकरीबन 132 करोड़ काम राष्ट्रपति उद्यान को डेवलप करने का काम एलएंडटी को टेंडर प्रोसस से आवंटित किया गया है।

झारखंड में जीजा-साली गिरफ्तार

1.5 करोड़ की ब्राउन शुगर और अफीम जब्त, 44.5 लाख नकदी भी बरामद

एजेंसी ▶▶ चतरा

झारखंड के चतरा जिले में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार

किया गया है। उनके पास से करीब 1.5 करोड़ रुपए की ब्राउन शुगर और अफीम जब्त की गई है। दोनों रिश्ते में जीजा-साली लगते हैं। पुलिस ने शनिवार को बताया कि दोनों आरोपियों को पत्थलगड्डा और राजपुर थाना क्षेत्रों में छापेमारी के दौरान अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।

चतरा के एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के मास्टरमाइंडों में से एक रोशन डांगी को शुक्रवार को पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया।अग्रवाल ने कहा कि उसकी पहचान पर पुलिस ने राजपुर थाना क्षेत्र के बुधिगरा गांव में डांगी की रिश्तेदार रूबी देवी के घर पर छापा मारा और 287 ग्राम ब्राउन शुगर और 11.17 किलोग्राम अफीम बरामद की, जिसकी कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि देवी के घर से एक बोरे में 44,57,350 रुपए नकद भी बरामद किए गए।

एसपी ने बताया कि 11 जून को की गई छापेमारी के दौरान डांगी फरार हो गई थी। छापेमारी के दौरान एक महिला ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया गया था और उसके पास से 3.82 किग्रा ब्राउन शुगर और 2.78 किग्रा अफीम बरामद की गई थी, जिसकी कीमत कुल 10 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र के कुम्हार टोली स्थित उसके घर से 23.06 लाख रुपए नकद और अन्य सामान भी बरामद किया था।

नव चयनित सिपाहियों में 12048 महिलाएं

गृहमंत्री शाह व सीएम योगी चयनित सिपाहियों को देंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

नरेन्द्र मोदी सरकार में गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश पुलिस की सबसे बड़ी और सफल पुलिस भर्ती को अंजाम तक पहुंचाएंगे।

अमित शाह और योगी आदित्यनाथ रविवार को उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद की अवध विहार योजना के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में पुलिस में चयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देंगे। आरक्षी नागरिक पुलिस में 60,244 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। नव चयनित सिपाहियों में 12048 महिलाएं भी हैं। पहले परीक्षा पेपर लीक होने के कारण रद कर दी गई थी जिसे बाद में दोबारा कराया गया।

डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12 बजे होगा। गृह मंत्री अमित शाह और योगी आदित्यनाथ मंच पर अपने हाथ से 50 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। शेष अभ्यर्थियों को समारोह स्थल पर ही नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा से लेकर यातायात व्यवस्था को लेकर कड़े प्रबंध किए गए हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती है।कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

हरियाणा बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक में अहम मुद्दों पर चर्चा

'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रमों की समीक्षा संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी मंथन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा बीजेपी कोर कमेटी की बैठक दिल्ली हरियाणा भवन में हुई। बैठक में संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत अब तक हुए कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने पर गहनता से चर्चा हुई। जिलों में होने वाली संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी मंथन किया गया। सरकार की योजनाओं, संगठनात्मक मुद्दों पर भी विचार विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार द्वारा जनहित में लिए

गए निर्णयों और सरकार की योजनाओं की जानकारी बैठक में रखी। जबकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संगठन से जुड़े अहम मुद्दों को भी बैठक में रखा। सभी मुद्दों पर गहनता से चर्चा की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, प्रदेश सह प्रभारी सुरेन्द्र सिंह नागर, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, कैप्टन अभिमन्यु, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सुनीता दुग्गल, सुभाष बराला, रामबिलास शर्मा सहित हरियाणा के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध नागरिकों व व्यापारियों को किया संबोधित

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पंजाब की धरती गुरुओं, पीरों और वीरों की भूमि रही है, जो हमेशा देश को मार्गदर्शन देने में अग्रणी रही है। उन्होंने लुधियाना में औद्योगिक संस्थानों और समाज के प्रबुद्ध वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब और हरियाणा मिलकर विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर आल इंडस्ट्रियलिस्ट सोसाइटी, लुधियाना द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बीते 11 वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है।

इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध अगर विस्तार लेता है तो यह जहां वैश्विक जंग की शक्ल ले सकता है, वहीं वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और खाद्यान्न आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। इजरायल और ईरान के बीच ताजा अदावत बढ़ने की वजह आतंकी गुट हमास का पिकनिक मना रहे इजरायलियों पर वहशियाना हमला है। इजरायल ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत हमास के खिलाफ सैन्य संघर्ष शुरू किया। इजरायल के खिलाफ हमास को खड़ा करने में ईरान का हाथ माना जाता है। यह भी कहा जाता है कि हिजबुल्लाह व हूती के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इजरायल को परेशान करने के लिए उसकी जमीनी सीमाओं से लगे देशों में हमास, हिजबुल्लाह व हूती जैसे सशस्त्र आतंकी गुट खड़े किए। इजरायल इन तीनों आतंकी गुटों के खिलाफ निर्णायक सैन्य संघर्ष कर रहा है और इस दौरान तीनों की कमर तोड़ दी है। शिकस्त होते देख ईरान ने सीधे तौर पर इजरायल को निशाना बनाया था। उसके बाद इजरायल ने भी ईरान को करारी चोट पहुंचाई। अब इजरायल ने फिर से ईरान के अंदर घुसकर अब तक का सबसे करारा प्रहार किया है। अमेरिका खुले तौर पर इजरायल के साथ है व ये दोनों मुल्क नहीं चाहते कि ईरान परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल करने की स्थिति में आए। ईरान का बदला क्या रुख लेगा, आजकल के इस अंक में पेश है विश्लेषण...

मध्य पूर्व में विनाशकारी युद्ध की दस्तक

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। युद्ध हमेशा के टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

इजरायल और ईरान के मध्य उत्पन्न हुए आक्रमणकारी सैन्य तनाव के कारण क्या मध्य पूर्व में बड़े पैमाने पर एक विनाशकारी युद्ध प्रारंभ होने का खतरा उत्पन्न हो गया है? प्रश्न है कि आखिरकार यही वक्त इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के लिए क्यों चुना गया? विकट प्रश्न उठता है कि इजरायल और ईरान में यदि एक बड़ा युद्ध छिड़ जाता है तो भारत पर इसका क्या प्रभाव स्थापित होगा?

उल्लेखनीय है कि रविवार 16 जून को ईरान और अमेरिका के मध्य परमाणु समझौते को लेकर समझौता वार्ता छठे दौर में पहुंच जाएगी। नेतन्याहू के लिए यह सटीक मौका था कि ईरान पर सैन्य आक्रमण अंजाम देकर इस वार्ता को विफल कर सकते हैं। यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की राष्ट्रपति ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर बड़ा राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। वे यह भी कहते हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू जब भी स्वयं को राजनीतिक तौर पर अपने देश में कमजोर पाते हैं, वह तुरंत ही ईरानी कार्ड का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। रणनीति के कुछ विशेषज्ञों का विचार है कि युद्ध हमेशा के लिए टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

परदे के पीछे अमेरिका भी शामिल

संभव है कि ईरान तत्काल इजरायल पर हमला न बोले, लेकिन ईरान सैन्य प्रतिशोध अवश्य ही लेगा। सैन्य संघर्ष का सिलसिला अब बिल्कुल रुकने वाला नहीं है। अमेरिकन सरकार भले ही दावा पेश कर रही है कि वह इस युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन इजरायली बॉम्बर फाइटर जेट्स द्वारा कतर में स्थित अमेरिकन एयर फोर्स बेस से बाकायदा ईंधन लिया गया है। ईरान द्वारा जो ड्रोन इजराइल पर आक्रमण करने के लिए रवाना किए थे, उनको भी अमेरिका द्वारा मार गिराया गया। अमेरिका ने ईरानी ड्रोन विमानों को इजरायल तक पहुंचने ही नहीं दिया। इसके अतिरिक्त सऊदी अरब ने अमेरिका के दबाव में इजराइल को अपना एयरस्पेस बाकायदा इस्तेमाल करने दिया। निश्चित तौर पर यह जंग ईरान और इजरायल के मध्य सीमित नहीं रह गई है। इजरायल की हिब्रू यूनिवर्सिटी की तरफ से आयोजित एक सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि तकरीबन 75 फीसदी इजरायली ईरान पर सैन्य कार्यवाही करने के एकदम विरुद्ध हो गए हैं। इजरायली जनमानस यकीनन निरंतर युद्ध से अब बेहद तंग आ चुके हैं। ईरान के साथ यदि इजरायल का एक बड़े पैमाने पर युद्ध प्रारम्भ हो जाता है तो इजरायल को फिर युद्ध में चौतरफा आक्रमणों का मुकाबला करना पड़ सकता है। लेबनान में ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए सक्रिय हिजबुल्ला तंजीम के गोरिल्ला लड़ाके, ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए दक्षिण यमन के हूती विद्रोही, ईरान की सैन्य मदद के बलबूते पर इजराइल के अंदर युद्धरत हमास तंजीम के छापामार लड़ाके हमले करेंगे।

जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध

सर्वविदित है कि ईरान के शिया समर्थकों की इराक और सीरिया में एक लंबी जंगजू फौज मौजूद है। ये सभी जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध ईरान के पक्ष में युद्ध में अवश्य ही उतरेंगी। इजरायल की नेतन्याहू हुकूमत ने दावा पेश किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खात्मा करने के लिए इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान पर धावा बोलकर उसके कुछ सीनियर फौजी कमांडरों को हलाक कर दिया गया। इन हलाक होने वालों में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कमांडर इन चीफ हुसैन सलामी भी शामिल हैं। हुसैन सलामी 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के संरक्षक रहे और शाह के शासन का खात्मा करने में उनका प्रमुख किरदार रहा था। ईरान के कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली शामख़ानी भी इजरायली आक्रमण में गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ईरान की हुकूमत के मुताबिक इजरायल ने तेहरान और दूसरे अन्य नगरों के रिहायशी इलाकों को अपना फौजी निशाना बनाया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने ऐलान किया कि इजरायल की जियोनिस्ट हुकूमत को अब ईरान से अत्यंत सख्त सजा की उम्मीद रखनी चाहिए।

विराट है ईरान की मिसाइल परियोजना

ईरान की फौज इजरायल को सख्त से सख्त सजा दिए बिना कदापि नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने दावा पेश किया कि ईरान द्वारा इजरायल पर 100 से अधिक ड्रोन दागे गए। विगत वर्ष 2024 के अप्रैल महीने में भी इजरायल और ईरान के मध्य एक अल्पकालिक जंग लड़ी गई थी। इजरायल का ऑपरेशन राइजिंग लायन ईरान पर किया गया एक जबरदस्त आक्रमण है। यह हमला विगत वर्ष ईरान के अंजाम दिए गए मिसाइल और ड्रोन संघर्ष से कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी है। इजरायल और ईरान के मध्य तकरीबन 2100 किलोमीटर की दूरी मौजूद है। अगर ईरान को इजरायल पर आक्रमण करना होगा तो उसे ड्रोन और मिसाइलों द्वारा धावा बोलना होगा। उल्लेखनीय है कि ईरान की फौज के पास फिलहाल तकरीबन 3000 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल विद्यमान हैं। ईरान की मिसाइल परियोजना मध्य पूर्व के देशों में सबसे विराट और सबसे अधिक विविधतापूर्ण मिसाइल परियोजना है। ईरान द्वारा अपने मिसाइल सिस्टम और ड्रोन सिस्टम पर काफी महत्वपूर्ण काम किया गया है। विशेष कर 1980 से 1988 के मध्य पड़ोसी देश इराक के विरुद्ध दीर्घकालीन युद्ध के दौरान ईरान ने इनका अत्यंत संजीदगी और विविधता के साथ निर्माण शुरू किया। ईरान द्वारा छोटी रेंज की मिसाइलों और ड्रोन का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया। सऊदी अरब और इजरायल पर दक्षिण यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी सभी मिसाइलें ईरान द्वारा प्रदान की जाती रही। इजरायल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमण में परमाणु संस्थानों के साथ-साथ मिसाइल और एयर डिफेंस के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। क्षेत्रफल के मुताबिक ईरान वस्तुत इजरायल से कहीं बड़े क्षेत्रफल वाला मुल्क है। ईरान की आबादी तकरीबन 9 करोड़ है और इजरायल की आबादी लगभग एक करोड़ है। इजरायल के सैनिकों की तुलना भी ईरानी सैनिकों की संख्या में तकरीबन तीन गुनी है। ईरान की सैन्य सेवा में 6 लाख सक्रिय सैनिक विद्यमान हैं और इजरायल के पास आधिकारिक तौर पर तकरीबन 1,70000 सैनिक विद्यमान हैं।

इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश

सर्वविदित है इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश है, हालांकि इस विषय में कोई स्पष्ट जानकारी प्रदान करने से इजरायल सदैव बचता रहा है। ईरान के पास परमाणु हथियार विद्यमान होने की संभावनाएं बहुत कम प्रतीत होती है। ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने की कोशिश करने का इल्जाम निरंतर आयद रहा है। लेकिन ईरान इस संगीन इल्जाम से सदैव इनकार करता रहा है। आज के दौर में दुनिया दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों में विभाजित होती प्रतीत हो रही है। एक तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में अमेरिका और नाटो देश हैं, तो दूसरी तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में चीन, रूस, ईरान, उत्तरी कोरिया आदि अनेक देश हैं। ऐसी स्थिति में विकट प्रश्न यह उठता है कि इजरायल और ईरान यदि पूरी तरह युद्ध में संलग्न हो जाते हैं तो भारत पर इसका क्या प्रभाव होगा? निश्चित तौर पर इजरायल और ईरान के मध्य सैन्य टकराव की विकट स्थिति में भारत का रुख अत्यंत संतुलनवादी रहेगा। भारत भी परमाणु शक्ति संपन्न ईरान के पक्ष में कदाचित नहीं है। यकीनन भारत भी इजरायल द्वारा ईरान पर हमले का समर्थन कदापि नहीं करेगा। विगत माह मई में जब भारत ने पाकिस्तान के बहुत अंदर घुसकर सैन्य ठिकानों पर आक्रमणकारी धावा बोला था तो उस वक्त इजरायल ने भारत का एकदम खुलकर समर्थन किया था। इजरायल की हुकूमत ने बयान दिया था कि भारत के पास आत्मरक्षा का अधिकार है। वहीं ईरान ने भी पाकिस्तान का समर्थन तो नहीं किया और दोनों देशों के मध्य सैन्य तनाव समाप्त कराने के लिए मध्यस्थता करने की भी कोशिश की। ऑपरेशन सिंदूर के समय ईरान द्वारा भारत व पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौरान स्वयं को तटस्थ बनाए रखने की रणनीति अख्तियार की गई थी। इजरायल और ईरान के मध्य आक्रमणकारी सैन्य संघर्ष में भारत ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि इजरायल और ईरान को कूटनीतिक बातचीत के माध्यम से परस्पर विवाद को सुलझाना चाहिए और सैन्य टकराव से पूरी तरह बचना चाहिए। ईरान और इजरायल दोनों देशों के साथ भारत के अत्यंत निकट मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं। भारत हर तरह से दोनों देशों की कूटनीतिक मदद करने के लिए तैयार है। भारतीय विदेश नीति के कुछ विशिष्ट जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बाद भारत वस्तुतः सबसे बड़ा ऊर्जा का उपभोक्ता देश है। मध्य पूर्व के इलाके में यदि युद्ध का दायरा बढ़ेगा, जिसकी भागीदारी वैश्विक तेल उत्पादन में तकरीबन एक तिहाई है।

इजरायल व ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध

निश्चित तौर पर तेल और गैस की कीमतों में बड़े पैमाने पर इजाफा होगा तो फिर भारत की ऊर्जा सुरक्षा सीधे तौर पर मुत्तासिर हो जाएगी। ऐतिहासिक रूप से गल्फ ऑपरेशन काउंसिल के छह मुल्क बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, और यूएई के साथ ही इराक भारत के लिए तेल और गैस की आपूर्ति करने वाले मुल्क हैं। रूस से तेल और गैस का तकरीबन 40 फीसदी खरीदारी करने से भारत की निर्भरता गल्फ मुल्कों पर कुछ हद तक कम हो गई है। फिर भी भारत के तेल और गैस आपूर्ति में गल्फ मुल्कों का योगदान तकरीबन 50 फीसदी से अधिक रहा है। भारत का विदेशी व्यापार गल्फ और पश्चिम एशिया के साथ तकरीबन 209 अरब डॉलर का है अर्थात भारत के कुल विदेशी व्यापार का तकरीबन 19 प्रतिशत रहा है। इससे प्रतीत होता है कि भारत के लिए पश्चिम एशिया और गल्फ कंट्री कितनी महत्वपूर्ण है। भारत कदापि नहीं चाहता है कि यह युद्ध का दायरा विस्तारित हो जाए। इजरायल और ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध रहे हैं और भारत द्वारा फिलिस्तीन के विवाद को सुलझाने में एक बड़ी जबरदस्त भूमिका निभाई जा सकती है।

परमाणु हथियार पर नियंत्रण के लिए हमले

ईरान-इजरायल
प्रमोद भार्गव
साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, 'जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है।' इजरायल ने 13 जून को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। इजरायल की सतर्कता यह रही कि उसने अपने खुफिया संगठन 'मोसाद' के जरिये ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए।

डोनाल्ड ट्रंप की दोहरी नीति

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फलतः इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए, क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है, ट्रंप की सहमति के बाद ही इजरायल ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इसके अंतर्गत यूरेनियम-235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है।

परमाणु हथियार संपन्न देश

दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति है, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी

कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो देनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमेरिका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमेरिका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहां तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है, लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छदम् युद्ध लड़ा है। जब एक अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जर्नल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद ईरान हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमेरिका ने खुली सामरिक मदद की थी। उस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ उसकी जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने की गुहार भी लगाई थी। बावजूद ईरान ने चेतावनी दी थी कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। यह विरोधाभास भी देखने में आया कि ईरान ने अमेरिका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। ईरान के विदेश मंत्री ने ही इस आशय का बयान दिया था। वाकई यह बयान सच था तो यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि अमेरिका दोतरफा कुटिल चालें हमेशा ही चलता रहा है। रूस का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते के लिए जो वार्ता चल रही है, वह उसमें सहयोग करेगा।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका

इस युद्ध को लेकर भारत दुविधा में है, क्योंकि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तब इजरायल उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा था। इजरायल भारत का रक्षा साझेदार भी है। दूसरी तरफ ईरान से भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं। ईरान ने कई अवसरों पर इस्लामिक देशों के संगठन के मंच पर भारत की मदद की है। इसलिए भारत किसी को भी छोड़ना नहीं चाहता। अतः भारत ने दोनों देशों के बीच कूटनीति व शांति बरतने की अपील की है। बहरहाल, इस युद्ध के साथ बड़ी आशंका यह जुड़ गई है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर न बढ़ जाए।

बढ़ सकती हैं भारत की कूटनीतिक मुश्किलें

दो टूक
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच इसी रविवार को ओमान में वार्ता होनी थी। वार्ता शुरू होती, इससे पहले ही इजरायल ने ईरान पर हमला करके न केवल क्षेत्र में जंग के हालात उत्पन्न कर दिए हैं, बल्कि वार्ता में बड़ा गतिरोध भी पैदा कर दिया है।

समझौता वार्ता से हटा ईरान

इजरायल की आक्रामक कार्रवाई के बाद ईरान ने आधिकारिक तौर पर वार्ता से हटने का ऐलान कर दिया है। एक टीवी इंटरव्यू में जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्षेत्र का राजनीतिक और सैन्य तापमान कम करने के लिए क्या किया जा सकता है? जवाब में ट्रंप ने तल्ख लहजे में कहा कि ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता है। ईरान ने भी ट्रंप को कड़े शब्दों में जवाब दिया। रक्षामंत्री अजीज नसीर जादेह ने अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में चेता दिया कि यदि हम पर युद्ध थोपा गया तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। इस तरह की तल्ख टिप्पणियों से क्षेत्र में तनाव उत्पन्न होना ही था। अमेरिका ने खतरे को भांपकर अपने नागरिकों को मिडिल ईस्ट छोड़ने को कह दिया। इराक स्थित दूतावास से भी अपने कर्मचारियों को हटाना शुरू कर दिया था। तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने लगी। हालात बता रहे थे कि अगर ईरान वार्ता के लिए राजी नहीं होता है, तो मध्यपूर्व जंग की चपेट में आ सकता है। ऐसा ही हुआ। इजरायल भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध कर रहा है। उसका मानना है कि अगर ईरान परमाणु ताकत हासिल कर लेता है तो उसके अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो जाएगा। ईरान ने राष्ट्र के रूप में इजरायल के अस्तित्व को कभी स्वीकार नहीं किया है।

इजरायल का यह भी कहना है कि ईरान के परमाणु संपन्न होने से वह पूरे मिडिल ईस्ट को नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाएगा। इसलिए ईरान को परमाणु कार्यक्रम की दिशा में आगे बढ़ने से रोकने के लिए यह हमला जरूरी था। दूसरी ओर, ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जूड़े अधिकारियों का दावा है कि ईरान अपने यूरेनियम भंडार को हथियार निर्माण के स्तर तक परिष्कृत करके परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे पहले ट्रंप भी ईरान को कई बार धमका चुके हैं कि यदि वह समझौते के लिए राजी नहीं होता है तो अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर देगा। इस बार ईरान ने जिस तरह से अमेरिकी धमकी पर तल्ख प्रतिक्रिया दी, उसके बाद इजरायल ने ईरान पर धावा बोल दिया। सवाल यह है कि इजरायल-ईरान का यह तनाव कहां तक जाएगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि यूरेशिया (रूस-यूक्रेन युद्ध) के बाद मिडिल ईस्ट भी लम्बी लड़ाई में उलझ जाए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इरादों से तो यही लग रहा है।

नेतन्याहू ने हमले को जायज ठहराते हुए कहा कि हमला इजरायल के अस्तित्व के लिए ईरान के संभावित खतरे को कम करने का एक सैन्य अभियान था। अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता है। साफ है कि हमले आगे भी जारी रह सकते हैं।

दूसरी ओर, यदि ईरान लेबनान, सीरिया, इराक या यमन में अपने सहयोगी समूहों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई करता है तो निसंदेह मिडिल ईस्ट लंबे समय तक हिंसा की आग में धधकता रहेगा। एक प्रश्न ओर भी है जो दुनिया को डरा रहा है। ईरान और इजरायल के बीच सीधी जंग शुरू होती है तो दुनिया की सप्लाई चैन का क्या होगा।

वैश्विक व्यापार होगा प्रभावित

ईरान-इजरायल संघर्ष से क्या वैश्विक व्यापार अछूता रहेगा। हमले की स्थिति में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है। यह दुनिया का एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है। यहां से लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन होता है। यदि ईरान शिपिंग लेन या ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई करता है तो तेल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हो सकती है। दरअसल, जुलाई 2015 में ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूएनएससी के पांचों स्थायी सदस्य (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, रूस और चीन) और जर्मनी जिन्हें सामूहिक रूप से पी-5 प्लस वन के रूप में जाना जाता है, के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में हुए इस समझौते को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त व्यापक कार्ययोजना समझौता (जेसीपीओए) के नाम से जाना जाता है। समझौते के अनुसार ईरान ने अरबों डॉलर के प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समझौते का समर्थन करने वाले राष्ट्रों का मानना था कि यह ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर नियंत्रण में मदद करेगा और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों (इजरायल और सउदी अरब) के बीच संघर्ष की संभावनाओं का कम करेगा। शुरू में ऐसा होता हुआ दिखा भी।

यूरेनियम के संवर्धन का अवसर

ईरान की यूरेनियम संवर्धन क्षमताओं में कमी आई और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षणों के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ी। साल 2018 में ट्रंप ने एक तरफा तौर पर समझौते से बाहर निकलने का ऐलान कर दिया। इसके बाद ईरान को यूरेनियम के संवर्धन का अवसर मिल गया और जेसीपीओए में तय सीमा को पार कर लिया। यूएन निरीक्षकों ने 2023 में रिपोर्ट दी थी कि ईरान ने यूरेनियम की मात्रा को लगभग हथियार ग्रेड स्तर तक समृद्ध कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय चिंताए बढ़ गईं। ईरान फिलहाल 60 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धित कर रहा है जो परमाणु हथियार बनाने की हद के बेहद करीब है। भारत के ईरान और इजरायल दोनों के साथ अच्छे संबंध है। भारत ईरान से जो तेल खरीदता है उसका भुगतान वह भारतीय मुद्रा अर्थात रुपये में करता है।

इससे भारत को विदेशी मुद्रा भंडार बचाने और रुपये को मजबूत करने में मदद मिली है। इसके अलावा, भारत ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार पोर्ट को विकसित कर रहा है। कूटनीतिक दृष्टि से यह पोर्ट भारत के लिए काफी अहम है। इस पोर्ट के विकसित होने के बाद भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों से व्यापार के लिए नया मार्ग मिल जाएगा। इससे पहले भारत को मध्य एशियाई देशों तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता था। दूसरी ओर इजरायल के साथ भी भारत के अच्छे संबंध हैं। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजरायल ने भारत के रुख का खुलकर समर्थन किया था। ऐसे में अगर दोनों के बीच का तनाव किसी बड़े संघर्ष में बदलता है तो भारत के सामने एक बड़ी चुनौती यह होगी कि वह पश्चिम एशिया में किसके साथ खड़ा हो। कोई भी निर्णय भारत के लिए आसान नहीं रहने वाला है। ऐसे में कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में भारत की कूटनीतिक मुश्किलें बढ़ेंगी ही।

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा

पीएम मोदी के प्रयास से योग अब वैश्विक जन आंदोलन बन गया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में योग व्यक्तिगत स्वास्थ्य दिनचर्या से वैश्विक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है और अब 170 से अधिक देशों में इसे अपनाया जा रहा है। जाधव ने 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' से पहले एक साक्षात्कार में योग को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया। उन्होंने कहा कि योग को वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से अपनाए जाने का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया जा सकता है, जिन्होंने न केवल 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के विचार का प्रस्ताव रखा, बल्कि समर्थन के वास्ते वैश्विक नेताओं से संपर्क भी किया।

130 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की योजना

जाधव ने बताया कि 60 से अधिक देशों में 130 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, जिनका समन्वय भारतीय मिशनों द्वारा किया जाएगा तथा लाखों लोगों के भाग लेने की संभावना है।

मंत्री ने प्रधानमंत्री को दिया श्रेय

177 देशों ने सह-प्रायोजित और 75 दिनों के भीतर अंगीकार किया

जाधव ने कहा कि इस प्रस्ताव को 177 देशों ने सह-प्रायोजित किया तथा इसे रिकॉर्ड 75 दिनों के भीतर अंगीकार किया गया, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में सबसे तेजी से पारित प्रस्तावों में से एक बन गया। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि तब से योग एक सांस्कृतिक सेतु के रूप में उभरा है, जो विभिन्न महाद्वीपों के लोगों को जोड़ता है तथा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का वार्षिक आयोजन एक वैश्विक आंदोलन बन गया है।

टाइम्स स्क्वायर से लेकर प्रशांत महासागर तक चटाई बिछाई जा रही

उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर प्रशांत महासागर के सुदूर द्वीपों तक, स्वास्थ्य और सद्भाव के उत्सव के रूप में अब योग के लिए चटाई बिछाई जा रही है। योग की वैश्विक पहुंच सिर्फ औपचारिक नहीं है, बल्कि यह ठोस भी है तथा दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों, आरोग्य कार्यक्रमों और स्कूल पाठ्यक्रमों में इसका एकीकरण बढ़ रहा है। जाधव ने कहा कि प्रमुख चिकित्सा पेशेवर अब योग की सलाह देते हैं।

हर 25 दिन पर कार्यक्रम आयोजित होंगे

उन्होंने बताया कि भारत में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं, जिसमें 100 दिवसीय उल्टी गिनती कार्यक्रम भी शामिल है।दिल्ली, भुवनेश्वर, नासिक और पुडुचेरी में हर 25 दिन पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। योग संगम, योग बंधन, योग पार्क, योग समावेश, योग प्रभाव, योग कनेक्ट, हरित योग, योग अनप्लग्ड, योग महाकुंभ हैं।

मुख्य कार्यक्रम 21 जून को विशाखापत्तनम में होगा

मंत्री ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम 21 जून को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित किया जाएगा, जहां प्रधानमंत्री के साथ पांच लाख से अधिक लोगों के योग करने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री समान योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का नेतृत्व करेंगे। जाधव ने बताया कि इसके साथ ही, योग संगम कार्यक्रम पूरे भारत में एक लाख से अधिक स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे, जिससे यह इतिहास में सबसे बड़े समन्वित योग अभ्यास में से एक बन जाएगा। उन्होंने बताया कि अकेले दिल्ली-एनसीआर में 111 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है, जिनमें एक लाख से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। 21 जून को विशाखापत्तनम में प्रधानमंत्री के साथ 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है, जबकि 10 से अधिक देशों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

फर्जी तांत्रिकों के झांसे में आकर 3 की मौत

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। काले जादू की मदद से पैसे डबल करने का झांसा देकर 3 लोगों की हत्या कर दी गई और एक शख्स की हालत गंभीर है।यह मामला बीकानेर के खाजूवाला का है। एक गैंग ने 4 लोगों को फंसाया और पैसा डबल करने का विश्वास दिलाकर 3 लोगों की हत्या कर दी।

1.5 करोड़ मादक पदार्थ 44.57 लाख नकद जब्त

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में पुलिस ने एक महिला समेत 2 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की ब्राउन शुगर और अफीम जब्त किया है। पुलिस ने यह जानकारी शनिवार को दी। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को पत्थलगड्डा और राजपुर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों से छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया।

पंजाब में फिर मीडिया इन्फ्लुएंसर को धमकी

बठिंडा। यहां सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी की हत्या मामले में मुख्य साजिशकर्ता अमृतपाल सिंह मेहरो अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसके दो साथियों को बठिंडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मेहरो ने अब पंजाब के सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर को धमकी दी है कि वे अभद्र कंटेंट न डालें।

राजस्थान में पूर्व सांसद के बेटे ने की आत्महत्या

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में पूर्व सांसद के बेटे ने आत्महत्या कर ली है। पूर्व सांसद के बेटे का शव एक लाइब्रेरी से बरामद हुआ है, जिसका संचालन वह खुद कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि शव जमीन पर पड़ा हुआ था, जबकि कमरे की छत से कपड़ा लटक रहा था।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने कटक में प्रादेशिक प्रधानाचार्य सम्मेलन समारोह में कहा

ओडिशा के पुनर्निर्माण में सरस्वती विद्या मंदिरों की भूमिका व योगदान अतुलनीय

भारतीय पद्धति और मूल्य आधारित व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा आम जनता को शिक्षित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के निर्माण में विद्या भारती अग्रगण्य है। यह शिक्षा के साथ ही संस्कार पैदा करने में आगे है

एजेंसी ⏭ कटक

भारतीय पद्धति और मूल्य आधारित व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा आम जनता को शिक्षित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के निर्माण में विद्या भारती और शिक्षा विकास समिति, ओडिशा द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों की भूमिका अतुलनीय है। आगामी दिनों में भी ओडिशा के पुनर्निर्माण में सरस्वती विद्या मंदिरों की बड़ी भूमिका होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कटक जिले के गतिरौतपटना स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या भारती और शिक्षा विकास समिति द्वारा आयोजित प्रादेशिक प्रधानाचार्य सम्मेलन के समापन समारोह में बोल रहे थे। प्रधान ने कहा कि पहले हमारे देश को स्वतंत्र कराने के लिए अनेक महापुरुषों ने संघर्ष किया और बलिदान दिया। समाज की सतत स्वतंत्रता बनाने को अच्छे नागरिकों का निर्माण आवश्यक समझा गया।

ओडिशा में सरस्वती शिशु मंदिर के विकास के लिए काम कर रही शिक्षा विकास समिति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सराहा

गतिरौतपटना स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजन

मातृभाषा में पढ़ाई करने से ही क्षमता में वृद्धि होगी

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में ओडिशा सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया है। सरस्वती विद्या मंदिरों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक शिक्षा भी दी जाती है। इन संस्थानों में मूलतः, हिंदी, मातृभाषा, अंग्रेजी और संस्कृत चार भाषाओं में शिक्षा प्रदान की जाती है। हालांकि, राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थानीय भाषा में शिक्षा दी जाए तभी बच्चे आगे बढ़ सकेंगे, क्योंकि मातृभाषा में पढ़ाई करने से ही छात्रों में बौद्धिक विकास, आलोचनात्मक सोच और अनुसंधान की क्षमता में वृद्धि होती है।

पीएम मोदी ने भारत की स्वाधीन मानसिकता को विकसित किया

प्रधान ने कहा कि शिशु मंदिर ओडिशा के शिक्षा विभाग के स्पंदन की तरह हैं। यहां के छात्र-छात्राएं दसवीं बोर्ड परीक्षा समेत विभिन्न प्रतियोगी व मेधा परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। भारतीय छात्रों को संस्कारी और स्वाभिमानी बनाने में सरस्वती विद्या मंदिर एक माइक्रोस्कोप की तरह कार्य करेगा। प्रधान ने कहा कि टीबी मैकाले भारत को मानसिक रूप से गुलाम बनाने के लिए उन्होंने यह नीति लागू की थी। इसके विकल्प के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई है।

विद्या भारती सफल संस्था के रूप में उभरी

संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र कल्याण में समर्पित भाव से व्यक्ति निर्माण में लगा है। इसी विचार की परिणति के रूप में विद्या भारती एक सफल संस्था के रूप में उभर कर सामने आई है। इसी परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर विगत लगभग 75 वर्षों से विद्या भारती और ओडिशा में शिक्षा विकास समिति पिछले 50 वर्षों से सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों के विकास के लिए काम कर रही हैं। इन संस्थानों के प्रधानाचार्यों के विचार और संस्कृति में लगे हैं।

ज्ञान के विकास को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ेंगे

प्रधान ने बताया कि भविष्य में चैटजीपीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उपकरणों पर विशेष जोर दिया जाएगा और ज्ञान के विकास को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे टूल्स अत्यंत प्रभावशाली बन चुके हैं। भारत के छात्रों और शिक्षकों को इसके लिए प्रशिक्षित करने का उचित समय आ चुका है। वर्तमान बजट में 500 करोड़ की लागत से शिक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की योजना बनाई ह। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग भारत के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को पाठ्यक्रम से बेहतर ढंग से जोड़ने और शिक्षकों को कला, साहित्य, ज्ञान और आधुनिक विज्ञान से जोड़ने में किया जाएगा। राज्यों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान भी संभव हो सके, इसके लिए योजनाएं बनाई जाएंगी। इसलिए सरकार स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष बल दे रही है।

प्रधान ने राहुल पर लगाया आरोप

यूपीए सरकार में एससी-एसटी, ओबीसी के 63% पद रिक्त थे

प्रधान ने आज कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि इन लोगों ने हमेशा ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब यूपीए सत्ता में थी, तब केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति के 57 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के 63 प्रतिशत और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित 60 प्रतिशत शैक्षणिक पद खाली थे। प्रधानने कहा कि मोदी सरकार ने इन रिक्त पदों को भरने का काम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि जब से मोदी सरकार सत्ता में आई तब से इन आरक्षित पदों की संख्या 16 हजार 217 से बढ़ाकर 18 हजार 940 कर दी गई है।

विज बोले ट्रैफिक ज्यादा लिहाजा मैट्रो रेल लाईन जरूरी

अंबाला-चंडीगढ़ के बीच मेट्रो रेल लाइन हेतु मनोहर से मिले विज

कहा, राज्य में बिजली के ट्रांसफार्मरों का अगमेंटेशन का अधिकतम कार्य पूरा हुआ

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को केन्द्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान विज ने केन्द्रीय मंत्री से अंबाला से चंडीगढ़ के बीच मेट्रो रेल लाइन बिछाने/संचालित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में यूटी प्रशासन है और पंजाब व हरियाणा की राजधानी भी है। इस विषय पर दोनों मंत्रियों के बीच विस्तार से चर्चा हुई। इस पर केंद्रीय मंत्री ने इस विषय पर त्वरित कार्यवाही का आश्वासन विज को दिया है।

मुलाकात के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए विज ने बताया कि अंबाला-चंडीगढ़ सड़क पर अब यातायात बहुत ज्यादा हो गया है। चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश होने के साथ-साथ हरियाणा व पंजाब की राजधानी भी है जहां से सैकड़ों लोग रोज आते-जाते हैं। इसलिए लोगों की सुविधा के लिए इस क्षेत्र में मैट्रो रेल सेवा की बहुत जरूरत है।

उन्होंने कहा कि अंबाला-चण्डीगढ़ सड़क मार्ग पर बहुत भीड़ रहती है और प्रतिदिन सैकड़ों यात्रियों को आवागमन इन दोनों शहरों के बीच रहता है। उन्होंने बताया कि सड़क के अलावा अन्य वैकल्पिक आवागमन सुविधा भी यात्रियों के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सैकड़ों-लाखों लोगों का नुमाइंदा होने के नाते मैं अपनी मांग उचित अधिकारियों तक पहुंचा रहा हूं और मुझे पता है कि मेरी बात को नजरअंदाज नहीं किया जाता है।

राज्य में ट्रांसफार्मरों का अगमेंटेशन का कार्य हो चुका है

पत्रकारों द्वारा गर्मियों में बढ़ती बिजली की मांग व बिजली के कट के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि आमतौर पर बिजली की मांग के अनुसार ट्रांसफार्मर नहीं होते है जिससे कई बार बिजली आपूर्ति बाधित होती है। इसलिए जब से वे ऊर्जा मंत्री बने हैं तभी उन्होंने राज्य के सभी बिजली के ट्रांसफार्मरों के सुदृढ़ीकरण (अगमेंटशन) के लिए निर्देश अधिकारियों को दिए थे और सभी ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि व बदलने का कार्य किया जा रहा है जिनमें से अधिकतम ट्रांसफार्मरों का अगमेटेशन हो चुका हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यमुनानगर में एक थर्मल यूनिट का शिलान्यास किया है। इसके अलावा, हिसार व पानीपत में नई थर्मल की यूनिटों को स्थापित किया जाएगा और न्यूक्लियर पावर प्लांट भी स्थापित किया जा रहा हैं।

मंत्री नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा

ब्लैक बॉक्स बरामद हो गया हर पहलू की जांच कर रहे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने कहा कि लोगों के दर्द को समझ सकता हूं क्योंकि मैंने भी सड़क हादसे में अपने पिता को खोया था. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि ब्लैक बॉक्स बरामद हो गया है और हर पहलू से जांच की जा रही है।

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे पर शनिवार को सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने मौत के आंकड़े और हादसे की पूरी जांच के बारे में बताया। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उन्होंने कहा कि लोगों के दर्द को समझ सकता हूं क्योंकि मैंने भी सड़क हादसे में अपने पिता को खोया था। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं> अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुई दुर्घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया था, ताकि देख सकूं कि क्या किया जाना चाहिए, क्या सहायता प्रदान की जानी चाहिए> शुक्रवार शाम 5 बजे के आसपास घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स की बरामद हुआ है। एएआईबी टीम का मानना है कि ब्लैक बॉक्स की जांच से महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी।

भाकियू (अराजनैतिक) ने कहा ऐसा कदम किसानों के हित में नहीं

नीति आयोग का अमेरिका से कृषि आयात पर टैरिफ घटाने का सुझाव किसान विरोधी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने कहा है कि नीति आयोग का अमेरिका से कृषि आयात पर टैरिफ घटाने का सुझाव देश व किसान हितैषी नीति के खिलाफ है। यूनियन ने आरोप लगाया है कि नीति आयोग देश के किसानों को स्वावलंबी बनाने की भारत सरकार की नीति को पलीता लगाने की तैयारी में है। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के प्रवक्ता धर्मेन्द्र मलिक ने शनिवार को मीडिया को दिये एक बयान में कहा कि हाल में नीति आयोग ने भारत और अमेरिका के बीच कृषि व्यापार बढ़ाने की दृष्टि से एक वर्किंग पेपर जारी कर कुछ सिफारिशें की हैं। नीति आयोग ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत को चावल, काली मिर्च, सोयाबीन तेल, झींगा, चाय, कॉफी, डेयरी उत्पाद, पोल्ट्री, सेब, बादाम, पिस्ता, मक्का और आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) सोया उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल देना चाहिए। जिसको लेकर देश के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ को आशंका है कि ऐसा करना कृषि पर निर्भर 70 करोड़ भारतीयों के लिए जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। मलिक ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अमेरिका के साथ टेरिफ लड़ाई में नीति आयोग क्यों घुटने टेक रहा है। जब सरकार देश को तिलहन में स्वावलंबी बनाने की तैयारी में हैं, तब खाद्य तेल के आयात शुल्क में कमी करना अपने आप में एक विरोधाभासी निर्णय है। मलिक ने देश व किसान हितैशी नीति के खिलाफ नीति आयोग के सुझावों पर ऐतराज जताते हुये कहा कि नीति आयोग के सलाहकार अपनी सिफारिशों पर पुनर्विचार करते हुए सरकार की स्वावलंबन नीति के आधार पर आगे बढ़ने की तैयारी करें और किसान हितैशी विषयों को प्राथमिकता दें।

केंद्रीय उर्जा मंत्री ने ली परियोजना की प्रगति की जानकारी

मंत्री मनोहर लाल ने गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) का दौरा किया

मुख्यमंत्री नायब भी समीक्षा बैठक में रहे मौजूद

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय ऊर्जा और आवासन व शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने शनिवार को फतेहाबाद के गोरखपुर स्थित हरियाणा अणु विद्युत परियोजना का संयुक्त रूप से दौरा किया। सैनी ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को तय मानक अनुसार जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। एनपीसीआईएल के परियोजना निदेशक जिवेंद्र कुमार जैन ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से परमाणु ऊर्जा विभाग और एनपीसीआईएल के कार्यों की जानकारी के अलावा परमाणु ऊर्जा उत्पादन की बढ़ोतरी, गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण कार्यों, सीएसआर और जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में बताया।

खट्टर ने कहा,यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल हरियाणा बल्कि उत्तर भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी। स्वच्छ और सतत ऊर्जा समाधान की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाएं देश को साल 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जून 2030 तक पहली परमाणु विखंडन श्रृंखला स्थापित करने की योजना

उत्पादित बिजली का 50 फीसद हिस्सा हरियाणा को

गौरतलब है कि इस परियोजना में 4 गुणा 700 मेगावाट क्षमता के दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) स्थापित करना शामिल है। परियोजना पूरी हो जाने पर, उत्पादित बिजली का 50 फीसद हरियाणा राज्य को आवंटित किया जाएगा जिससे राज्य की ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। गौरतलब है कि इस परियोजना के तहत कंक्रीट का पहला काम अक्टूबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जून 2030 तक पहली परमाणु विखंडन श्रृंखला स्थापित करने की योजना है।

समय पर कार्यों को पूरा करने के निर्देश

समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने चल रहे निर्माण कार्यों की बारीकी से जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तय मानकों के अनुरूप समय पर कार्यों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि परमाणु सुरक्षा को लेकर आमजन में किसी भी प्रकार की कोई शंका न हो उसके लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाए। नजदीक क्षेत्र में लोगों के बीच जाकर उन्हें परमाणु सुरक्षा के बारे में भी बताएं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीएसआर फंड का और बेहतर सदुपयोग के लिए प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधि के साथ तालमेल बनाकर दूरदर्शी विकास कार्यों की प्राथमिकता बनाएं। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून सीजन में न्यूक्लियर प्लांट परिसर में 20000 से अधिक पौधारोपण भी करें।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

दो वर्षीय एमबीए - एग्जीक्यूटिव (एमबीए-एक्स) कार्यक्रम, 2025-2027 बैच में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है
शनिवार और रविवार को समकालिक कक्षाएँ

विनोद गुप्ता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी खड़गपुर द्वारा प्रस्तुत एमबीए-एक्स कार्यक्रम, नेतृत्व और प्रबंधकीय भूमिकाओं के लिए पेशेवरों को तैयार करने के उद्देश्य से दो-वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम शनिवार और रविवार को समकालिक कक्षाओं और प्रत्येक वैकल्पिक अवधि में कैंपस में व्यक्तिगत रूप से विसर्जन के माध्यम से हाइब्रिड मोड में दिया जाएगा।

कोर्स वितरण : सप्ताहांत पर समकालिक कक्षाएँ और चार बार कैंपस में व्यक्तिगत रूप से विसर्जन।
प्रवेश का तरीका : लिखित परीक्षा और उसके बाद पाँच केंद्रों में व्यक्तिगत साक्षात्कार।

आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों का प्रवेश भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 10 जुलाई, 2025

पात्रता मानदंड, आवेदन शुल्क और आवेदन के तरीके के बारे में विवरण https://som.iitkgp.ac.in/executive-mba.php पर उपलब्ध हैं। अपडेट के लिए कृपया इस लिंक पर जाएं।
किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें: executivemba@vgsom.iitkgp.ac.in
टेलीफोन : 03222-282295 / 282297.

CBC-21255/12/0004/2526

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वाले निवेशकों को अक्सर यह सलाह दी जाती है कि शॉर्ट टर्म की बजाय लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट पर फोकस करें, लेकिन क्या यह सलाह आंकड़ों पर भी खरी उतरती है? इसका जवाब है हां। देश के पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के प्रदर्शन के आंकड़े इसी बात की गवाही दे रहे हैं कि समय के साथ निवेश पर मिलने वाला रिटर्न बेहतर होता है। लार्ज कैप फंड्स एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है उन निवेशकों के लिए जो कम जोखिम वाले और नियमित रिटर्न वाले निवेश की तलाश में हैं। लार्ज कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। ये कंपनियां आमतौर पर उच्च बाजार पूंजीकरण वाली होती हैं और उनके पास एक स्थापित ट्रैक रिकॉर्ड होता है।

मुनाफे का मंत्र : पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स के आंकड़ों ने निवेशकों को चौंकाया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

एक साल से बेहतर 3 साल और 5 साल का रिटर्न

इन पांचों फंड्स के पिछले 1 साल के रिटर्न की तुलना में 3 साल और 5 साल का रिटर्न बेहतर रहा है। इसे और अच्छी तरह समझने के लिए पहले इन फंड्स के पिछले प्रदर्शन के आंकड़ों को देख लेते हैं। हमने यहां जिन 5 लार्ज कैप फंड्स के 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न के आंकड़े दिए हैं, वे एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के हिसाब से अपनी कैटेगरी में टॉप पर हैं. तुलना में आसानी के लिए इन सभी फंड्स को बड़े से छोटे एयूएम हिसाब से लिस्ट किया गया है, एनुअल रिटर्न के हिसाब से नहीं। इस लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रू और निप्पॉन इंडिया जैसे फंड हाउस की लार्ज कैप स्कीम शामिल हैं।

> एसआईपी के जरिये करें निवेश, 19 वर्ष में हो जाएंगे करोड़पति
> ●
> एसआईपी में हर साल करीब 15% का रिटर्न मिलने की संभावना

पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स का पिछला प्रदर्शन

1. आईसीआईसीआईआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न : 9.73%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 21.87%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 24.71%
   - एयूएम : 70,909 करोड़ रुपये
2. एसबीआई ब्लूचिप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 9.28%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 18.74%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 22.52%
   - एयूएम: 52,994 करोड़ रुपये
3. निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 10.02%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 25.14%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 27.69%
   - एयूएम : 42,863 करोड़ रुपये
4. मिराए एसेट लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 11.11%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 17.01%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 21.28%
   - **एयूएम : 40,204 करोड़ रुपये**
5. एचडीएफसी लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 6.34%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 20.19%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 23.88%
   - एयूएम : 38,297 करोड़ रुपये

रिटर्न के आंकड़ों का संकेत

ऊपर दिए आंकड़ों आंकड़ों से एक बात स्पष्ट होती है–इन सभी स्कीम्स का सालाना रिटर्न निवेश की अवधि के साथ-साथ बढ़ा है। इन फंड्स का 1 साल का रिटर्न 6.34 फीसदी से 11.11 फीसदी के बीच है। इक्विटी में निवेश पर लिए जाने वाले रिस्क को ध्यान में रखकर देखें तो इस रिटर्न को बहुत आकर्षक नहीं माना जाएगा। लेकिन इन्हीं फंड्स के 3 साल के एनुअल रिटर्न के आंकड़े 17 फीसदी से 25 फीसदी तक जाते हैं। वहीं, 5 साल के आंकड़ों में यह सालाना रिटर्न 21 फीसदी से 27 फीसदी तक चला गया है। कुल मिलाकर 1 साल, 3 साल और 5 साल के औसत सालाना रिटर्न के आंकड़े यही संकेत दे रहे हैं कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लंबी अवधि का निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है।

शॉर्ट टर्म से क्यों बेहतर है लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी

शॉर्ट टर्म इनवेस्टमेंट में निवेशक जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन इसमें मार्केट टाइमिंग का रिस्क ज्यादा होता है। वहीं, लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है, जो धीरे-धीरे निवेश को बड़ा बनाता है। मिसाल के तौर पर अगर कोई निवेशक 5 साल तक एसआईपी करता है, तो उसे एवरेजिंग की वजह से लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न की मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार की अस्थिरता सामान्य बात है. एक-दो साल में बाजार गिर भी सकता है और रिटर्न नेगेटिव या कम हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि में कंपनियों की ग्रोथ और बाजार की रिकवरी से निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आमतौर पर बेहतर हो जाता है। इसीलिए 5 साल या उससे ज्यादा की अवधि के लिए निवेश करने पर रिटर्न में स्थिरता और ग्रोथ दोनों मिलती है।

लार्ज कैप फंड्स की विशेषताएं

- बड़ी कंपनियों में निवेश : लार्ज कैप फंड्स बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर उच्च बाजार पूंजीकरण वाली होती हैं।
- स्थिरता : लार्ज कैप फंड्स आमतौर पर अधिक स्थिर होते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
- नियमित रिटर्न : लार्ज कैप फंड्स नियमित रिटर्न प्रदान कर सकते हैं क्योंकि वे बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर स्थिर लाभांश प्रदान करती हैं।

लार्ज कैप फंड्स के फायदे

- कम जोखिम : लार्ज कैप फंड्स आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
- नियमित रिटर्न : लार्ज कैप फंड्स नियमित रिटर्न प्रदान कर सकते हैं क्योंकि वे बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर स्थिर लाभांश प्रदान करती हैं।
- विविधीकरण : लार्ज कैप फंड्स पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में फिर बढ़ा निवेशकों का भरोसा

■ सबसे बड़े फंड्स ने 1 साल में दिया 33 से 35% तक रिटर्न ■ तीन साल की अवधि में एनुअल रिटर्न 22% से ज्यादा रहा है ■ गोल्ड में स्टेबिलिटी और सुरक्षा नजर आ रही ■ 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया

गोल्ड ईटीएफ यानी गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में एक बार फिर निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। मई 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का इनफ्लो देखने को मिला है, जबकि इससे पहले मार्च और अप्रैल में यह कैटेगरी लगातार दो महीने तक आउटफ्लो झेल रही थी। बीते एक साल में गोल्ड ईटीएफ ने करीब 33% तक का रिटर्न दिया है, वहीं तीन साल की अवधि में इनका एनुअल रिटर्न 22% से ज्यादा रहा है। यह परफॉर्मेंस बताता है कि बाजार में उथल-पुथल के बीच निवेशकों को गोल्ड में स्टेबिलिटी और सुरक्षा नजर आ रही है।

पैसे की बात
बिजनेस डेस्क

क्यों लौटने लगा निवेशकों का रुझान

मार्च में 77.21 करोड़ और अप्रैल में 5.82 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो दर्ज करने के बाद मई में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसकी प्रमुख वजह रही गोल्ड की कीमतों में मजबूती और ग्लोबल लेवल पर आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता। मई में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 1.10% रिटर्न दिया, जिसमें टाटा गोल्ड ईटीएफ 2.53% के रिटर्न के साथ टॉप पर रहा। यह संकेत है कि निवेशक अब फिर से गोल्ड को एक सुरक्षित एसेट के रूप में प्राथमिकता देने लगे हैं।

टॉप गोल्ड ईटीएफ फंड्स का पिछला प्रदर्शन

देश के प्रमुख गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स के पिछले प्रदर्शन को देखने से पता चलता है कि सोने जैसे सुरक्षित एसेट में निवेश करके भी इन्होंने 1 और 3 साल में काफी आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हमने इस लिस्ट में सिर्फ उन टॉप गोल्ड ईटीएफ को शामिल किया है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) कम से कम 1000 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा है.

ईटीएफ का नाम	1 साल का रिटर्न	3साल का रिटर्न
- यूटीआई गोल्ड ईटीएफ	35.25%	22.87%
- एयूएम : 1,943 करोड़ रुपये		
- एक्सिस गोल्ड ईटीएफ	33.99%	22.29%
- एयूएम : 1,809 करोड़ रुपये		
- आईसीआईसीआई प्रूडेंटल गोल्ड ईटीएफ	33.91%	22.31%
- एयूएम :	7,694 करोड़ रुपये	
- आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ	33.83%	22.23%
- एयूएम : 1,163 करोड़ रुपये		
- कोटक गोल्ड ईटीएफ :	33.74%	22.23%
- एयूएम : 7,639 करोड़ रुपये		
- एसबीआई गोल्ड ईटीएफ :	33.66%	22.10%
- एयूएम : 8,132 करोड़ रुपये		
- निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईईएस :	33.52%	22.08%
- एयूएम : 21,120 करोड़ रुपये		
- एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ :	33.38%	22.21%
- एयूएम : 10,093 करोड़ रुपये		

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ा निवेश

एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की पहली तिमाही में ग्लोबल लेवल पर भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 170% की सालाना वृद्धि के साथ 552 टन तक पहुंच गया। पिछले तीन सालों में यह सबसे बड़ी तिमाही डिमांड रही। इसका श्रेय ट्रेड टेंशन, जियोपॉलिटिकल अस्थिरता और गोल्ड प्राइस में तेजी को दिया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि गोल्ड-बैक्ड ईटीएफ की होल्डिंग्स 226 टन बढ़कर 3445 टन तक पहुंच गई हैं।

निवेश रणनीति में गोल्ड ईटीएफ की अहमियत

गोल्ड ईटीएफ को निवेश पोर्टफोलियो में एक बैलेंस बनाने वाले एसेट के रूप में देखा जाता है। यह न सिर्फ पोर्टफोलियो को ज्यादा सुरक्षित बनाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता के समय स्टेबल रिटर्न भी देता है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए डिमैट और ट्रेडिंग अकाउंट की जरूरत होती है और इनकी हर यूनिट फिजिकल गोल्ड की एक तय क्वांटिटी (आमतौर पर 1 ग्राम) से जुड़ी होती है। गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की वापसी और पिछले रिटर्न के आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि बाजार में अस्थिरता के समय गोल्ड एक भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है। चाहे वह घरेलू निवेशक हों या अंतरराष्ट्रीय संस्थान, सबके लिए गोल्ड एक महत्वपूर्ण एसेट क्लास बना हुआ है।

गोल्ड ईटीएफ की विशेषताएं

- सोने की कीमतों के साथ जुड़ावः गोल्ड ईटीएफ की कीमतें सोने की कीमतों के साथ जुड़ी होती हैं।
- एक्सचेंज पर कारोबारः गोल्ड ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं और इनमें निवेश करने के लिए आप शेयर बाजार में कारोबार कर सकते हैं।
- निवेश की सुविधाः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना आसान है और आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश कर सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ के फायदे

- सोने की कीमतों में भागीदारीः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से आपको सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुसार रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरणः गोल्ड ईटीएफ पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकता है।
- लिक्विडिटीः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना लिक्विड है और आप आसानी से अपने निवेश को बेच सकते हैं।

बच्चे की हायर एजुकेशन की नहीं होगी टेंशन

रोजाना 70 रुपये बचा बनाएं लाखों का फंड

समझदारी
बिजनेस डेस्क

> पोस्ट ऑफिस की पीपीएफ स्कीम में लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट ऑप्शन आप न्यूनतम 500 और अधिकतम 1.5 लाख सालाना करें निवेश

शादी के बाद अधिकतर कपल्स के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आने वाले समय में बच्चों की पढ़ाई का खर्च कैसे उठाएं? मौजूदा दौर में एजुकेशन बहुत महंगी होती जा रही है। स्कूल फीस से लेकर यूनिफॉर्म, कॉपी-किताबें और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज तक, हर चीज में मोटा खर्च आता है। ऐसे में अगर आप अभी से सही प्लानिंग करें, तो भविष्य की टेंशन से बचा जा सकता है। पोस्ट ऑफिस की एक खास स्कीम आपकी इसी चिंता को दूर कर सकती है। इसमें निवेश कर आप बच्चों की एजुकेशन के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं। अगर आप बच्चों की हायर एजुकेशन के लिए एक सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न वाला निवेश विकल्प ढूंढ़ रहे हैं, तो पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इस स्कीम में सिर्फ 70 रुपये रोजाना यानी 2,100 महीने की बचत से आप 15 साल में एक अच्छा खासा फंड तैयार कर सकते हैं।

क्या है पोस्ट ऑफिस की पीपीएफस्कीम

पोस्ट ऑफिस की पीपीएफस्कीम एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट ऑप्शन है, जिसमें आप न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना निवेश कर सकते हैं। इस पर सरकार की तरफ से सालाना 7.1% ब्याज दिया जाता है और मैच्योरिटी पीरियड 15 साल का होता है।

70 रुपये रोजाना बचत से कैसे मिलेगा 6.78 लाख

अगर आप हर दिन 70 रुपये बचाकर हर महीने पीपीएफ अकाउंट में 2,100 रुपये जमा करते हैं, तो एक साल में आपका कुल निवेश 25,200 रुपये होगा। इस तरह 15 साल में आप 3.75 लाख रुपये का निवेश करेंगे। ब्याज मिलाकर 15 साल बाद आपको 6,78,035 रुपये मिल सकते हैं।

बच्चों की पढ़ाई का खर्च होगा आसान : 15 साल बाद यही रकम आपके बच्चों की हायर एजुकेशन, कॉलेज फीस या अन्य जरूरतों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। यह स्कीम खासतौर पर उन पैरेंट्स के लिए फायदेमंद है जो कम बजट में भी एक सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश चाहते हैं।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ खाता क्या है

पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम एक भरोसेमंद निवेश विकल्प है, जो लंबे समय के लिए रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करती है। इस योजना के तहत निवेशकों को 15 साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि के साथ खाता खोलना होता है। यानी, खाता खोलने के बाद 15 साल तक इसे बंद नहीं किया जा सकता। हालांकि, 7वें साल से कुछ शर्तों के साथ आंशिक निकासी की अनुमति मिलती है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत इसका आकर्षक ब्याज दर और टैक्स में छूट है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इसमें निवेश करने पर टैक्स लाभ मिलता है। इसके अलावा, निवेशक को लोन सुविधा, खाता 5-5 साल की अवधि में आगे बढ़ाने की सुविधा भी मिलती है।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर क्या है?

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर एक आसान ऑनलाइन टूल है, जो सेकेंडों में जटिल गणनाएं कर देता है। इस कैलकुलेटर की मदद से आप यह पता कर सकते हैं कि निश्चित समयावधि और निवेश की आवृत्ति के आधार पर आपको हर साल कितना रिटर्न मिलेगा और कुल परिपक्वता राशि कितनी होगी।

कैलकुलेटर कैसे इस्तेमाल करें?

- हर साल आप कितनी राशि जमा करेंगे, उसे दर्ज करें।
- ब्याज दर और निवेश की अवधि डालें।
- कैलकुलेटर अपने-आप अनुमानित ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट दिखा देगा।
- इस तरह यह कैलकुलेटर यह तय करने में मदद करता है कि आपने जो निवेश चुना है, वह आपके वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर के फायदे

- सेकेंडों में रिजल्ट
- निवेश और ब्याज का सालाना विश्लेषण
- टैक्स प्लानिंग में मदद
- वित्तीय योजना बनाने में सहायक

करोड़पति बनने का भी शॉर्टकट

मात्र 10,000 का निवेश कर देगा मालामाल

बिजनेस डेस्क

करोड़पति बनने में कितना समय लगता है? यह ऐसा सवाल है जिसे अक्सर काफी लोग पूछते हैं। देखा जाए तो करोड़पति बनना बहुत आसान है, लेकिन इसके लिए कई तरह के त्याग करने की जरूरत पड़ती है। वैसे तो किसी भी चीज का कोई शॉर्टकट नहीं होता, लेकिन अगर आप करोड़पति बनने का सोच लें, तो इसका शॉर्टकट जरूर निकल आता है। हालांकि यह शॉर्टकट इतना भी शॉर्ट नहीं है। आप मात्र 10 हजार रुपये हर महीने इन्वेस्ट करके बहुत जल्दी करोड़पति बन सकते हैं। दरअसल, एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक ऐसा तरीका है जिससे आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा लगाकर लंबे समय में अच्छा पैसा बना सकते हैं। अगर आपको हर साल लगभग 15% का रिटर्न मिले, तो आप मात्र 19 साल में 1 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की रकम इकट्ठी कर सकते हैं।

कैसे बन सकते हैं करोड़पति?

एसआईपी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का तरीका है। इसके जरिए आप थोड़ी-थोड़ी रकम हर महीने निवेश करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इसमें मिलने वाला चक्रवृद्धि ब्याज इस निवेश की सबसे बड़ी ताकत होता है। अगर आप एसआईपी के जरिए 10 हजार रुपये हर महीने म्यूचुअल फंड में निवेश करने हैं और आपको 15 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है तो मात्र 19 साल में ही आप एक करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी कर लेंगे। 10 हजार रुपये हर महीने निवेश करने से आप 19 साल में 22,80,000 रकम निवेश करेंगे। इस पर आपको 91,47,124 रुपये का ब्याज मिलेगा। यह ब्याज 15 फीसदी सालाना की दर से होगा। इस प्रकार आप 19 साल में 1.14 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी कर लेंगे। यानी आप 19 साल में करोड़पति बन जाएंगे।

अगर 10 हजार रुपये से कम करें तो?

अगर आप 10 हजार रुपये महीने निवेश नहीं कर सकते तो भी आपको करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक सकता। आप कम रकम निवेश करके भी करोड़पति बन सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कुछ ज्यादा इंतजार करना पड़ेगा। अगर आप 10 की जगह 8 हजार रुपये या 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करके भी करोड़पति बन सकते हैं। अगर आप 8 हजार रुपये हर महीने निवेश करते हैं तो आपको करोड़पति बनने में 20 साल लगेंगे। वहीं अगर आप 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते हैं तो आप 23 साल में करोड़पति बन जाएंगे।

एसआईपी क्यों है फायदे का सौदा?

एसआईपी वित्तीय अनुशासन को भी बढ़ावा देता है। इससे लोगों को रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लक्ष्यों के लिए थोड़ा-थोड़ा पैसा अलग रखने में आसानी होती है। इसका एक और बड़ा फायदा है कंपाउंडिंग। कंपाउंडिंग का मतलब है कि आपको अपने निवेश पर जो रिटर्न मिलता है, उस पर भी रिटर्न मिलता है। इससे समय के साथ आपकी संपत्ति तेजी से बढ़ती है। निवेश की अवधि जितनी लंबी होगी, कंपाउंडिंग का असर उतना ही ज्यादा होगा।

करोड़पति बनने के लिए रणनीतियां

- नियमित निवेशः नियमित निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- विविधीकरणः अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।
- लंबी अवधि का दृष्टिकोणः लंबी अवधि के लिए निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- वित्तीय अनुशासनः वित्तीय अनुशासन बनाए रखने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- शिक्षा और ज्ञानः वित्तीय शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने से आपको अपने वित्तीय निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

करोड़पति बनने के लिए कुछ आदतें

- बचतः नियमित बचत करने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- निवेशः नियमित निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- वित्तीय योजनाः वित्तीय योजना बनाने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- जोखिम प्रबंधनः जोखिम प्रबंधन करने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- धैर्यः धैर्य बनाए रखने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- करोड़पति बनने के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन सही रणनीतियों और आदतों को अपनाकर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

खिताब के 27 साल का सूखा खत्म

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ा

द. अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को फाइनल के चौथे दिन गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्षों में अपना पहला बड़ा क्रिकेट खिताब जीता जिसके बाद लॉर्ड्स मैदान पर टीम के खिलाड़ी और प्रशंसकों ने जम कर जश्न मनाया। दक्षिण अफ्रीका ने अपना पिछला आईसीसी खिताब 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था।दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 213 रन से की थी। टीम ने पांच विकेट पर 282 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। यह लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी से जीता मैच

ऑस्ट्रेलिया ने मैच के चौथे दिन भी पूरा जोर लगाना जारी रखा और कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में उसके गेंदबाजों ने शुरुआती घंटे में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। दिन के तीसरे ओवर में जब कमिंस की गेंद पर कप्तान तेम्बा बावुमा (66) विकेट के पीछे एलेक्स कैरी के द्वारा लपके गये तब लगा कि टीम पिछली कई बार की तरह एक बार फिर जीत के करीब पहुंच कर फिसल ना जाए। दिन की शुरुआत 102 रन से करने वाले शतकवीर एडेन मारक्रम (136) की अगुवाई में टीम ने हालांकि धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए किसी अनहोनी को टालते हुए 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ दिया।

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से दी शिकस्त

लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में रन चेस में दूसरी सबसे बड़ी जीत

यह स्पेशल मोमेंट

'पिछले 2 दिन स्पेशल रहे, कुछ देर के लिए तो लग रहा था कि हम होम ग्राउंड पर ही खेल रहे हैं। हमारे देश के लिए यह स्पेशल मोमेंट है। कई मौकों पर किस्मत और मौसम हमारे साथ नहीं था, लेकिन इस बार हमें सूरज का साथ मिला।'

- तेम्बा बावुमा

कई बार गंवाया खिताब

दक्षिण अफ्रीका इससे पहले आईसीसी टूर्नामेंटों में कई अहम मौकों पर खिताब के करीब पहुंच कर चूक गया है। टीम को बर्मिंघम 1999, ढाका 2011, ऑकलैंड 2015, कोलकाता 2023 और ब्रिजटाउन 2024 में मिली हार लंबे समय तक निराश करती रही लेकिन लंदन 2025 दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट में सबसे यादगार दिनों में से एक के रूप में जाना जाएगा। टीम ने जीत की प्रबल दावेदार और आईसीसी के अहम मैचों में अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करने वाली ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को शिकस्त दी।

डब्लूटीसी ईनामी राशि

स्थान	टीम	राशि
विजेता	द.अफ्रीका	31 करोड़
उपविजेता	ऑस्ट्रेलिया	18.63 करोड़
तीसरे नंबर	भारत	12.42 करोड़
चौथे नंबर	न्यूजीलैंड	10.35 करोड़
पांचवें नंबर	इंग्लैंड	8.28 करोड़
छठे नंबर	श्रीलंका	7.24 करोड़
सातवें नंबर	बांग्लादेश	6.21 करोड़
आठवें नंबर	वेस्टइंडीज	5.17 करोड़
नौवें नंबर	पाकिस्तान	4.14 करोड़

मैच का हॉल

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए दक्षिण अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 212 और दक्षिण अफ्रीका ने 138 रन बनाए। यहां कंगारू टीम को 74 रन की बढ़त मिली थी।

स्कोर बोर्ड

द.अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का हेड बो हेजलवुड	136	207	14	0
रिकल्टन का कैरी बो स्टार्क	06	08	1	0
मुल्डर का लाबुशेन बो स्टार्क	27	50	5	0
बावुमा का कैरी बो कमिंस	66	134	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो स्टार्क	08	43	0	0
डेविड बेडिंघम नाबाद	21	49	1	0
काइल वेरेने नाबाद	04	13	0	0

अतिरिक्त : 14, कुल : 83.4 ओवर में 282/5

गेंदबाजी : स्टार्क 14.4-1-66-3, हेजलवुड 19-2-58-1, कमिंस 17-0-59-1, लियोन 26-4-66-0, वेबस्टर 5-0-13-0, हेड 2-0-8-0.

वे जीत के हकदार

'हमने कुछ चीजें सही नहीं कीं। पहली पारी में अच्छी बढ़त के बावजूद हम बड़ा स्कोर नहीं बना सके। टॉप-7 बैटिंग में हमें सुधार की जरूरत है। साउथ अफ्रीका ने बताया कि वे क्यों फाइनल तक पहुंचे हैं। वे इस जीत के हकदार हैं।'

- पैट कमिंस

खबर संक्षेप

प्रो लीग : बढ़त के बावजूद ऑस्ट्रेलिया से हारा भारत

एंटवर्प। भारतीय पुरुष हॉकी टीम की एफआईएच प्रो लीग में मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार को यहां अभिषेक के दो गोल की मदद से दो गोल की बढ़त के बावजूद टीम को आखिरी क्षणों में गोल गंवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम पहले ही टूर्नामेंट में नीदरलैंड और अर्जेंटीना से दो-दो बार हार चुकी है। इस तरह से यूरोपीय चरण में यह उसकी लगातार पांचवीं हार है। भारत ने अच्छी शुरुआत की और अभिषेक (आठवें और 35वें मिनट) के दो गोल की मदद से 35वें मिनट तक 2-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि मध्यांतर के बाद अधिक आक्रामक रवैया अपनाया तथा नाथन एफ्राम्स (42वें मिनट), जोएल रिंटाला (56वें मिनट) और टॉम क्रेग (60वें मिनट) के गोल से जीत सुनिश्चित की।

जूडो कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अपने कोच पर प्रशिक्षण के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक 19 वर्षीय जूडो खिलाड़ी द्वारा दायर जनहित याचिका पर अगली

सुनवाई सोमवार को निर्धारित की है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने इस मामले में शुक्रवार को सुनवाई शुरू की और फिर इसे 16 जून के लिए निर्धारित कर दिया। देहरादून की रहने वाली इस खिलाड़ी ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि वह राष्ट्रीय स्तर की जूडो-कराटे खिलाड़ी है और पिछले सात वर्षों से देहरादून में सविता गुरुंग से प्रशिक्षण ले रही है।

भारतीय एमजीडी-1 फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप जीतने वाली पहली टीम

एजेंसी ▶▶| लंदन

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और प्रणव के शानदार प्रदर्शन की मदद से टीम एमजीडी1 फिडे विश्व रैपिड टीम चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय टीम बन गई। छठी वरीयता प्राप्त टीम एमजीडी1 ने तीन दिन में 12 राउंड में 10 जीत दर्ज की और शुक्रवार को टीम हेक्सामाइंड के साथ एक करीबी मुकाबले के बाद चैंपियन बन गई। इस प्रतियोगिता में पिछले दो अवसरों पर रजत और कांस्य पदक जीतने वाली एमजीडी1 ने पहले दिन अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन टीम फ्रीडम के खिलाफ़ ड्रॉ और टीम हेक्सामाइंड से हार के कारण उसे खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए तीसरे दिन

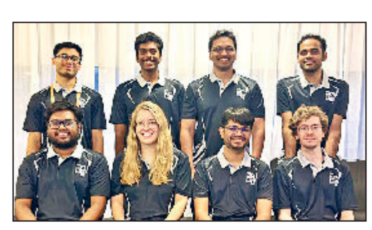

शानदार प्रदर्शन करने की जरूरत थी। अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन मेंडोंका, डेविड एंटोन गुइजारो, त्सोलाकिडो स्टोव्रोला, प्रणव, अथर्व तायडे और कप्तान श्रीनाथ नारायणन की मौजूदगी वाली एमजीडी1 ने अंतिम चार राउंड में जीत दर्ज करके चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अर्जुन और प्रणव की जीत आखिर में निर्णायक साबित हुई।

21 अंक हासिल कर बने चैंपियन

नारायणन ने कहा, 'यह जीत बेहद खास है। ओलंपियाड में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार थी लेकिन यहां एमजीडी1 को छुपा रुस्तम माना जा रहा था। इस सब के बावजूद हम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।' टीम एमजीडी1 ने 21 अंक हासिल किए, जो टीम हेक्सामाइंड से एक अंक अधिक था। विश्वनाथन आनंद की टीम फ्रीडम 17 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन टीम एमजीडी1 के लिए अंतिम दिन के स्टार रहे। उन्होंने चार में से 3.5 अंक बनाए। प्रणव ने अंतिम दिन अपनी सभी चार बाजियां जीती।

बीसीसीआई ने भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु तीन सदस्यीय समिति गठित की

नई दिल्ली। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने शनिवार को अपने सचिव देवजीत सैकिया की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान हाल ही में बेंगलुरु में हुई भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से दिशानिर्देश तैयार करेगी। सैकिया के अलावा, बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया समिति के अन्य सदस्य हैं, जो 15 दिनों के भीतर दिशानिर्देश तैयार करेंगे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, ''बेंगलुरु में जीत के जश्न के दौरान हुई घटना के मद्देनजर, शीर्ष परिषद ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से व्यापक दिशा निर्देश तैयार करने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला किया है।'' चार जून को आरसीबी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास लगभग ढाई लाख लोग उमड़ पड़े थे, जिसमें भगदड़ के कारण 11 प्रशंसकों की मौत हो गई और 56 अन्य घायल हो गए। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी मामले की जांच के लिए एकल न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) आयोग का गठन किया है। इस मामले में आरसीबी और राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच अब अवैध

लंदन। क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने 'बन्नी हॉप' यानि सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच करने को गैरकानूनी माना है तथा इस संदर्भ में नए नियम इसी महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के खेल की परिस्थितियों से जुड़ी शर्तों और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा। इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे। आईसीसी ने इस संदर्भ में अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है जिसने कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ शानदार कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध मान दिए गए जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **साजिद, पुत्रः शेरदीन, निवासीः मकान नंबर 11, बिहारी झुग्गी, फेज-1, विजय विहार, उत्तर पश्चिम दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **E-FIR No.80028603/2025 दिनांक 16.03.2025 U/S 305(c)/317(2)/112/3(5) BNS** के तहत एक मामला **थाना सदर बाजार, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **साजिद** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **साजिद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **E-FIR No.80028603/2025 दिनांक 16.03.2025 U/S 305(c)/317(2)/112/3(5) BNS, थाना सदर बाजार, दिल्ली** के आरोपी उक्त **साजिद** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए **दिनांक 23.07.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार गौरव गोयल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-06
मध्य जिला, कमरा नं. 247
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7705/N/2025
(अदालती मामला)

जिम्नास्टिक चैंपियनशिप

प्रणति ने एशियाई जिम्नास्टिक के वॉल्ट में जीता कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने दक्षिण कोरिया के जेचेन में 12वीं सीनियर महिला एशियाई कलात्मक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक जीता। इस साल मार्च में तुर्की के अंताल्या में एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली इस 30 साल की खिलाड़ी ने शनिवार को 13.466 स्कोर करके पोडियम पर तीसरा स्थान पक्का किया। चीन की यिहान झांग ने 13.650 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि वियतनाम की थी क्विन न्हू गुयेन ने 13.583 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। युवा भारतीय जिमनास्ट प्रोतिस्ता सामंता ने भी इस स्पर्धा में प्रभावित करते हुए 13.016 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया। प्रणति ने इस प्रदर्शन के साथ महाद्वीपीय चैंपियनशिप में अपना तीसरा पदक हासिल करते हुए अनुभवी जिमनास्ट दीपा करमाकर के दो पदकों को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने इससे पहले 2019 में उलानबटोर में वॉल्ट में और फिर 2022 में दोहा में कांस्य पदक जीता था। दीपा ने 2015 में हिरोशिमा में वॉल्ट में कांस्य पदक जीतने के एक साल के बाद ताशकंद में स्वर्ण पदक जीता था।

नीरज पेरिस डायमंड लीग में स्वर्ण पदक के लिए पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| पेरिस

लगातार दो प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहने के बाद स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जब 20 जून को पिछले आठ साल में पहली बार पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे तो उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना होगा। इस 27 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की राजधानी में आयोजित किए गए ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले साल पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लिया था। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है, लेकिन उन्होंने

घोषणा की है कि चोपड़ा और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया से हारी

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो लीग के मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन गोल से पिछड़ने के बाद वापसी के लिए अच्छे प्रयास किए लेकिन आखिर में वह 2-3 से हार गई।ऑस्ट्रेलिया ने कोर्टनी शोनेल (16वें मिनट), लेक्सी पिकरिंग (26वें मिनट) के मैदानी गोल और टैटम स्टीवर्ट (35वें मिनट) के पेनल्टी स्ट्रोक पर के गए गोल की मदद से 3-0 की बढ़त ले ली।

भारतीय टीम ने हालांकि दीपिका और नेहा के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से वापसी की कोशिश की लेकिन वह हार नहीं टाल सकी।

No. 3
FAMILY COURT, NAGPUR
IN THE COURT OF SHRI N. S. RANADE JUDGE, FAMILY COURT NO. 4, NAGPUR., Nagpur (Urban), Nagpur.
SUMMONS TO APPEAR IN PERSON
(0. 5, R. 3.)
Process No. 1925/25 PETITION A/1608/2024
Girish S/o Shyam Tank Vs Kanika W/o Girish Tank
NEXT DATE : 11-08-2025
To,
Kanika W/o Girish Tank, R/o F251, Ground Floor, New Rajinder Nagar, New Delhi-110060
Whereas **Girish S/o Shyam Tank** has instituted a suit against you for you are hereby summoned to appear in this Court in person on the **11-08-2025 at 11:00 o'clock in the forenoon,** to answer the claim; and you are directed to produce on that day all the documents upon which you intend to rely in support of your defence. Take notice that, in default of your appearance of the day before mentioned, the suit will be, heard and determined in your absence.
Given under my hand and the seal of the court, this 09-06-2025.
Seal **JUDGE FAMILY COURT NO. 4 NAGPUR.**
Prasanna Publicity 09326927622

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नाजमीन,** पत्नी **दीपक कुमार,** निवासः **E-09,** न्यू सीलमपुर, दिल्ली ने **FIR No. 314/2016, U/S 323/324/341/506/34 IPC, थाना फर्श बाजार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **नाजमीन** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नाजमीन** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है।)

इसलिए इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 314/2016, U/S 323/324/341/506/34 IPC, थाना फर्श बाजार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नाजमीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.08.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री अखिल मलिक
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी – 02
शाहदरा जिला, कोर्ट नं. 38
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7276/SHD/2025 (Court Matter)

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आर्या-अर्जुन ने निशानेबाजी वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण

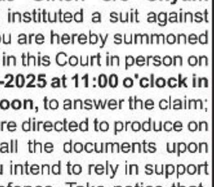

म्यूनिख। आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की भारतीय जोड़ी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। आर्या और बबूता अहम मौके पर धैर्य और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए चीन के खिलाड़ियों को खिताबी मुकाबले में कोई मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में 635.2 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक दौर में प्रवेश किया, जो वांग और शेंग (635.9) से सिर्फ 0.7 अंक पीछे था। चीन की जोड़ी का यह स्कोर क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड भी है। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर किया। आर्या इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी है। यह मौजूदा विश्व कप में भारत का दूसरा स्वर्ण और कुल चौथा पदक है। सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को स्वर्ण जीता था जबकि इस सप्ताह के शुरू में सिफ्त कौर समरा और इलावेनिल ने अपने-अपने व्यक्तिगत मुकाबलों में दो कांस्य पदक जीते थे।

PUBLIC NOTICE
NOTICE OF NO RELATIONSHIP
To Whom It May Concern:
That My client **Mr. Raj Kashyap S/o Late Sh. Rajan R/o Flat No. 37-B, First Floor, Sarita Vihar, New Delhi-110076,** hereby declare that he have no relationship whatsoever with his brother, **Vinod Kashyap S/o Late Sh. Rajan Alias R. K. Kashyap.** This notice is being issued to inform the public or any matter that My client is not responsible for any actions, debts, or liabilities incurred by his brother, nor do he have any obligations or responsibilities towards him.
Subodh Kumar (Advocate)
Enrl. No. D/946/18
Office No.-6, DDA Vikas Sadan, INA, New Delhi
Chamber No. 110, Lawyers Block,
Saket Court Complex, N.D.-110017
Mob:-8826706848, 8700018542
Dated: **June 13, 2025**

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/माल भाड़ा, दिल्ली डिवीजन, उत्तर रेलवे, रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022/टीसी (एफएम)/10/04 दिनांक 13.06.2022, के अनुसार दिल्ली मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों में एसएलआर और पार्सल वान (राउंड ट्रिप के आधार पर) के स्थान को 02 वर्षों के पट्टे पर देने के लिए आईआरईपीएस के ई–नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती है:–

क्रम संख्या	ई–नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	एस्सेट्स जिनकी नीलामी की जानी है
1.	30/06/2025 को 10:30 बजे	03256 (F1), 12060 (F1) (सोमवार और मंगलवार), 12148 (R1), 12350 (F1), 12878 (F1), 13430 (F1), 15484(F1), 20946 (F1), 22412 (F1), 22812 (F1)
2.	01/07/2025 को 10:30 बजे	01 LVPH (24 टन) राउंड ट्रिप पर प्रत्येक गाडी में-12454/12453, 20408/20407
3.	02/07/2025 को 10:30 बजे	12463 (F1), 12584 (F1), 12754 (F1), 12876 (F1), 12918 (F1), 14035 (F1, F2 & R1), 14053 (R1), 14152 (F1), 14164 (F1), 14521 (F1, F2 & R1), 14681 (F1), 20473 (F1 & R1), 20914 (F1), 22168 (F1 & F2), 22438 (F1).

महत्वपूर्ण सूचना :– 1. ई–नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को https://www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning centre.html. (e-Auction leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है। 2. निम्नलिखित एस्सेट्स जिन्हें संशोधित रिजर्व प्राइस (RP) पर आमंत्रित किया जा रहा है: a. 12918 (F1). 3. रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन निविदाओ/अनुबंधों को समाप्त करने का सम्पूर्ण अधिकार रखता है या इनके संबंध में किसी संशोधन अथवा अतिरिक्त नियमो और शर्तों के साथ इन निविदाओ अथवा अनुबंधों के बीच मे ही समाप्त करने अथवा जारी रखने के संबंध मे, जो की इन ट्रेनों के जारी रहने अथवा समाप्त होने कि स्थिति पर निर्भर करता है। 1770/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Dr. Juneja's
पेट सफा
Natural Laxative Granules & Tablets
सहायक है: कब्ज़ गैस एसिडिटी
अगर आप भी कब्ज़, गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से परेशान है तो आज ही लीजिए, पेट सफा ग्रेन्यूल्स/टैबलेट्स। यह मुंह में चिपकता नहीं। सोने से पहले खाएं और आराम पाएं।

Provides Effective Relief
Balances Digestive Health
Ayurvedic Proprietary Medicine
Divisa
www.divisastore.com
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
24x7 Helpline: 91197 88888
www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

आईएमए में पासिंग आउट परेड का आयोजन

भारतीय सेना को मिले 419 जांबाज अधिकारी, रक्षा करने की ली शपथ, 9 देशों के 32 कैडेट्स भी पास

परेड ऐतिहासिक चेटवुड बिल्डिंग के सामने ड्रिल स्क्वायर पर हुई। परेड के बाद पीपिंग और शपथ समारोह आयोजित किया गया। आईएमए में गहन प्रशिक्षण के बाद अब सभी भारतीय कैडेट्स सेना में अधिकारी बन गए हैं और बतौर लेफ्टिनेंट देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे

एजेंसी ▶▶ देहरादून

देहरादून की भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शनिवार को पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। परेड में 451 कैडेट्स पास आउट हुए, जिसमें 419 भारतीय और 9 मित्र देशों के 32 कैडेट्स शामिल थे। परेड ऐतिहासिक चेटवुड बिल्डिंग के सामने ड्रिल स्क्वायर पर हुई। परेड के बाद पीपिंग और शपथ समारोह आयोजित किया गया। आईएमए में गहन प्रशिक्षण के बाद अब सभी भारतीय कैडेट्स सेना में अधिकारी बन गए हैं और बतौर लेफ्टिनेंट देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे। ये कैडेट 156वें नियमित पाठ्यक्रम और 139वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम का हिस्सा थे। पासिंग आउट परेड में कैडेट ने अपना तन, मन और जीवन देश को समर्पित करने की शपथ ली। पासिंग आउट परेड के दौरान कैड्टस का उत्साह और उमंग देखते ही बनता था। परेड के बाद उन पर हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश भी की गई। इस अवसर पर पास आउट होने वाले कैडेट्स के परिजन भी मौजूद रहे।

ये कैडेट 156वें नियमित पाठ्यक्रम और 139वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम का हिस्सा थे

एनी नेहरा को स्वॉर्ड ऑफ ऑनर पुरस्कार मिला

लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने अधिकारी कैडेटों को पदक प्रदान किए। स्वॉर्ड ऑफ ऑनर का प्रतिष्ठित पुरस्कार अकादमी कैडेट एडजुटेंट एनी नेहरा को प्रदान किया गया। ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम स्थान पर रहने वाले अधिकारी कैडेट का स्वर्ण पदक अकादमी अंडर ऑफिसर रोनित रंजन नायक को प्रदान किया गया। दूसरे स्थान पर रजत पदक अकादमी कैडेट एडजुटेंट एनी नेहरा को प्रदान किया गया। तीसरे स्थान पर कांस्य पदक बटालियन अंडर ऑफिसर अनुराग वर्मा को प्रदान किया गया। टीईएस सिल्वर कपिल, टीजी सिल्वर आकाश भदौरिया को मिला। ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम स्थान पर आने वाले ऑफिसर कैडेट का पदक विदेशी ऑफिसर कैडेट निशान बालामी (नेपाल) को प्रदान किया गया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बैनर केरन कंपनी को मिला।

आप आईएमए के एंबेसडरः रोड्रिगो

पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि श्रीलंका के सेना प्रमुख लासाथा रोड्रिगो ने अपने संबोधन में कहा कि जो विदेशी कैडेट पास आउट होकर जा रहे हैं, वह एक सैनिक के तौर पर जा रहे हैं। लेकिन वह भारतीय सैन्य अकादमी के एंबेसडर भी हैं। उन्होंने भारतीय सेना के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप बहुत ही अनुशासन के साथ काम करते हैं।

श्रीलंका के सेना प्रमुख ने ली सलामी

इस बार आईएमए की पासिंग आउट परेड की शुरुआत सुबह 6:38 बजे मार्कर्स कॉल के साथ हुई। श्रीलंका के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासंथा रोड्रिगो ने रिव्यूइंग ऑफिसर के रूप में परेड की सलामी ली। 6:42 बजे एडवांस कॉल के साथ कैडेट्स कदमताल करते हुए चैटवुड बिल्डिंग के परेड मैदान में पहुंचे। श्रीलंका के सेना प्रमुख खुद 1990 में भारतीय सैन्य अकादमी के 87वें कोर्स से कमीशन प्राप्त कर चुके हैं। ऐसे में भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में रिव्यूइंग ऑफिसर बनकर आने पर उनकी पुरानी यादें भी ताजा हुईं।

मणिपुर में युद्ध जैसी तैयारी में लगे थे उग्रवादी

साजिश नाकाम, सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार किए बरामद

खुफिया जानकारी के आधार पर की कार्रवाई

शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से अधिक राइफल समेत बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। एडीजीपी लहरी दोरजी ल्हाटू ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए।

इस दौरान जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य राइफल, 5 कार्बाइन, 2 एमपी5 बंदूक, 12 हल्की मशीन गन, एके सीरीज की 6 राइफल, 2 अमोघ राइफल, एक मोर्टार, 6 पिस्तौल, एक एआर-15 और 2 फ्लेयर बंदूक शामिल हैं। घाटी के विभिन्न जिलों - इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद छिपाए जाने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया।

खास बातें

- इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल में की सर्चिंग
- जब्त हथियारों में 300 से अधिक राइफलें, हल्की मशीन गन शामिल

कार्रवाई सुरक्षा की दिशा में अहम कदम

एडीजीपी लहरी दोरजी ल्हाटू ने बताया कि यह तलाशी अभियान पूरी तरह खुफिया जानकारी पर आधारित था। सुरक्षा बलों ने पांच घाटी जिलों के बाहरी इलाकों को निशाना बनाया, जहां से यह खतरनाक हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। इस कार्रवाई में शामिल सभी बलों ने आपसी तालमेल और मेहनत से इस अभियान को कामयाब बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई मणिपुर में शांति और सुरक्षा को यकीनी बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। हमारी टीमें लगातार कोशिश कर रही हैं कि आम लोगों की जान-माल की हिफाजत हो और इलाके में अमन-चैन कायम रहे। हमारी कोशिश है कि मणिपुर के हर नागरिक को सुरक्षित माहौल मिले।

कई गिरफ्तारियां की गईं

वहीं मणिपुर पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को थौबल, काकचिंग, इंफाल पश्चिम और तेंग्नौपाल जिलों से गिरफ्तारियां की गईं। 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के एक सदस्य को काकचिंग जिले के लैंगमीडोंग मैनिंग लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध की पहचान अकोईजाम रॉबिन्सन (51) के रूप में हुई है।

तीन रेडियो वाहन सेट भी बरामद

प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (नोयोन) के एक सदस्य को थौबल जिले के थौबल मेला ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया, जबकि पीआरईपीएके (प्रो) और पीआरईपीएके के एक-एक सदस्य को तेंग्नौपल जिले के शांगतोंग में भारत-म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल गेम गांव से गिरफ्तार किया गया। इंफाल पूर्वी जिले के बरुनी हिल के खालोंग में एक अलग अभियान में सुरक्षाबलों ने तीन वाहन रेडियो सेट, 13 रेडियो वायरलेस हैंडहेल्ड सेट, सात वायरलेस सेट एंटीना, एक सोलर चार्जर कन्वर्टर और तीन सोलर प्लेट समेत अन्य सामान बरामद किया।

छग में सीआरपीएफ शिविर पर हमले का मामला

17 आरोपियों के खिलाफ एनआईए ने किया आरोप पत्र दाखिल, 16 फरार, 1 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 2024 में छत्तीसगढ़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के उग्रवादियों द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर हमला किए जाने के मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है, उनमें से 16 फरार हैं और गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोदी बामन उर्फ देवल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि फरार आरोपियों में भाकपा (माओवादी) के दो-दो सदस्य, पीएलजीए बटालियन नंबर 1, भाकपा (माओवादी) के अन्य शीर्ष कैडर शामिल हैं।

विभिन्न धाराओं के तहत आरोप

पीजीएलए, भाकपा (माओवादी) की सशस्त्र शाखा है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष दाखिल आरोपपत्र में सभी आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और विधि विरुद्ध क्रिया-कलाप (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। मामला बीजापुर जिले के धर्मावरम में 17 दिसंबर 2023 सीआरपीएफ शिविर और 16 जनवरी 2024 को सीआरपीएफ के नए शिविर और चिंतावागु एवं पामेड में दो निकटवर्ती सीआरपीएफ/कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजॉल्यूट एक्शन) शिविरों पर हुए हमले से संबंधित है।

Blend of 8 Effective Ayurvedic Oils
Dr. Juneja's
डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA
SELECTED NO. 1 BRAND INDIA 2014 Consumer Survey Report, MRG 2014
ज्योतिष्मती तेल 1 रक्त संचारण में सुधार कर जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक है।
गन्धपुरा तेल 2 जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और गठिया में सहायक।
निर्गुण्डी तेल 3 नसों के दर्द और जोड़ों की ऐंठन में फायदेमंद है।
चीड़ तेल 4 मांसपेशियों व सम्पूर्ण जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।
पुदीना तेल 5 इसके ठंडक देने वाले गुण दर्द एवं सूजन को शांत करते है।
कपूर तेल 6 जोड़ों में अकड़न एवं दर्द कम करने में उपयोगी।
तिल तेल 7 मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द एवं सूजन के लिए लाभकारी।
अलसी तेल 8 जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन कम करने में सहायक है।

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
24x7 Helpline: 7876977777
www.drorthooil.com
8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक तेलों का यह मिश्रण उपयोग करने में सुरक्षित है। इसे खुले जख्मों पर न लगाएं। मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

विदेश मंत्री बोले- फ्रांस संग विश्वास का यह रिश्ता एक दिन में नहीं बना, अनुभव से पड़ी इसकी नींव

भारत ने फ्रांस को बताया यूरोप में अपना सबसे भरोसेमंद साझेदारः डॉ. एस. जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने फ्रांस को यूरोप में भारत का सबसे भरोसेमंद साझेदार देश बताया। उन्होंने एक पुरानी कहावत का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आपका कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। बदलते वक्त के साथ-साथ दोनों मामलों में स्थिति बदलती रहती है। इन सबके बीच कुछ ऐसे देश होते हैं जिन पर आप कभी भी पूरी तरह से विश्वास कर सकते हैं। रायसीना मेडिटेरेनियन-2025 कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि कई मायनों में आज यूरोप में हमारा सबसे भरोसेमंद साझेदार देश है। यह भरोसा एक दिन में नहीं बना है। साथ ही ऐसा भी नहीं है कि दोनों देश अचानक एक दिन उठे और उन्होंने कह दिया कि हमारे बीच भरोसेमंद साझेदारी है। बल्कि इस भरोसे और विश्वास की नींव अनुभव के आधार पर पड़ी है। हाल के समय में दोनों देश अपनी सुरक्षा चिंताओं के अनुभव से गुजरे हैं। इस दौर में हमने देखा कि कौन हमारे साथ था और किस पर हम भरोसा करें।

भारत-फ्रांस के विदेश मंत्रियों की हुई बैठक

भारत और फ्रांस के विदेश मंत्रियों के बीच एक बैठक भी हुई। जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए मामलों पर चर्चा की गई। जिसमें रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, आतंकवाद के खिलाफ कदमों, नवाचार, एआई, प्रौद्योगिकी और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंध जैसे विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। दोनों विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद एक साझा बयान जारी किया गया। जिसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। वहीं, बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर जयशंकर ने अपनी राय रखते हुए कहा कि भारत और फ्रांस एक खुले हुए, स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने के पक्ष में हैं। जहां वैश्विक कानूनों के साथ समुद्री सुरक्षा को प्राथमिकता के साथ बनाए रखा जाता है।

एससीओ ने बयान जारी कर इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले की निंदा की है

शंघाई सहयोग संगठन के बयान से भारत ने किया किनारा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने गंभीर चिंता जताते हुए एक बयान जारी किया है। जिसमें इजरायल द्वारा ईरान पर की गई सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा की गई है। भारत ने एससीओ के इस बयान से खुद को अलग करते हुए किनारा कर लिया है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर अपनी स्थिति को साफ किया। बताया कि भारत ने 13 जून 2025 को ही समूचे घटनाक्रम पर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी थी। वर्तमान में भी वह जस की तस बनी हुई है। एससीओ के बयान से जुड़ी उपर्युक्त चर्चा में भारत ने भाग नहीं लिया। जिसके बाद निंदा करने वाली टिप्पणियां सामने आई हैं। वहीं, भारत ने अपने उक्त पक्ष के संबंध में एससीओ सदस्य देशों को सूचित कर दिया है।

> भारत ने पूर्व में एक बयान जारी कर दोनों देशों से की है बातचीत-कूटनीति के जरिए समस्या का समाधान निकालने की अपील

बातचीत-कूटनीति की अहम भूमिका

भारत के बयान के मुताबिक, उसने मुख्य रूप से ईरान और इजरायल से तनाव घटाने के लिए बातचीत और कूटनीति का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। साथ ही कहा था कि यह आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उस दिशा में प्रयास करें। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने 13 जून को ही ईरान के विदेश मंत्री के साथ मामले पर बातचीत की है और तेजी से बदलते घटनाक्रम को लेकर वैश्विक समुदाय की ओर से गहरी चिंता को साझा किया है। उन्होंने अपने ईरानी समकक्ष से तनाव को बढ़ाने वाले किसी भी आक्रामक कदम से बचने की सलाह दी और जल्द से जल्द कूटनीति के मार्ग पर लौटने की अपील की है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109